09 मार्च 2025
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

जदयू की महिला कार्यकताओं ने लगाए फिर से नीतीश कुमार के नारे

2

दिल्ली में महिला समृद्धि योजना को मिली मंजूरी

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली में महिलाओं को 2500 रुपये देने के लिए महिला समृद्धि योजना को कैबिनेट की मंजूरी पर सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, आज महिला दिवस है। आज हमारी कैबिनेट मीटिंग हुई और हमारी कैबिनेट ने इस योजना को मंजूरी दे दी है। दिल्ली चुनाव के दौरान हमने महिलाओं को 2500 रुपये देने का वादा किया था। हमने इस योजना के क्रियान्वयन के लिए दिल्ली के बजट में 5100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह एक कल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य गरीब महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता प्रदान करना है। महिला समृद्धि योजना का लाभ लेने के लिए सबसे पहले पंजीकरण कराना होगा। इसकी प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। इसके

लिए दिल्ली की सरकार जल्द एक पोर्टल लॉन्च करेगी। सीएम गुप्ता ने कहा कि योजना के तहत पंजीकरण के लिए एक वेब पोर्टल शुरू किया जाएगा।

आवेदन के लिए क्या-क्या जरूरी: आवेदक को महिला समृद्धि योजना का लाभ लेने के लिए कम से कम पांच साल तक दिल्ली का निवासी होना चाहिए। आधार कार्ड,आवेदक के पास दिल्ली में बैंक अकाउंट होना चाहिए। आय प्रमाण पत्र, जो एसडीएम या राजस्व विभाग के अधिकृत अधिकारी से बना हो। अगर प्रति वर्ष एक लाख से कम आय है, तो इसके लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्ड जरूरी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि महिला समृद्धि योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए उनकी अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ मंत्री आशीष सूद, प्रवेश वर्मा और कपिल मिश्रा भी समिति का हिस्सा होंगे। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली कैबिनेट ने योजना के कार्यान्वयन के लिए 5,100 करोड़ रुपये के आवंटन को मंजूरी दे दी है।

ज्ञात हो कि पिछले महीने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने का वादा किया था, जो आम आदमी पार्टी (आप) की 2100 रुपये की पेशकश से अधिक था।

एमपी में धर्मांतरण करवाने वालों को होगी फांसी

- मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया ऐलान बोले- मासूम बेटियों के साथ दुराचार करने वाले को मिलेगी सख्त सजा

एजेंसी/भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने घोषणा की है कि प्रदेश में धर्मांतरण करवाने वालों को फांसी सजा दी जाएगी। सीएम ने कहा, हमारी सरकार जबरन धर्म परिवर्तन, दुराचार को बर्दाश्त नहीं करेगी। ऐसे अपराधियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए और उन्हें फांसी की सजा मिलनी चाहिए।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में कहा, महिला दिवस के इस अवसर पर मैं यह भी बताना चाहूंगा

कि मासूम बेटियों के साथ दुराचार करने वाले मामलों में सरकार बहुत ही कठोर है। इसलिए इस संबंध में जो फांसी का प्रावधान किया गया है। ये जोर-जबरदस्ती से और बहला- फुसलाकर के जो दुराचार करेगा। हमारी सरकार उसको छोड़ने वाली नहीं है। किसी भी हालत में ऐसे लोगों को जीवन जीने का अधिकार नहीं देना चाहते हैं। मध्य प्रदेश में जोर जबरदस्ती या बहला फुसलाकर विवाह और धर्म परिवर्तन कराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिये धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम लागू है।

बता दें कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मध्य प्रदेश की लाड़ली बहनों के लिए बेहद खास रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 1.27 करोड़ महिलाओं के खाते में करीब 1552.73 करोड़ और 26 लाख महिलाओं के खातों में गैस रीफिलिंग के लिए 55.95 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाली कई महिलाओं को राष्ट्रमाता पद्मावती पुरस्कार (2023), राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार (2023-24), रानी अवंति बाई वीरता पुरस्कार (2024) और श्री विष्णु कुमार महिला एवं बाल कल्याण समाज सेवा सम्मान पुरस्कार (2024) से सम्मानित किया।

खबरें फटाफट

रोहतास जिले के रेड लाइट एरिया से 45 नाबालिग रेस्क्यू

बिक्रमगंज। रोहतास जिले के नटवार बाजार स्थित एक रेड लाइट एरिया में गुरुवार को पुलिस ने छापेमारी कर 45 नाबालिगों को रेस्क्यू किया गया है। इनमें 41 लड़कियां और 4 लड़के शामिल हैं। इसके साथ ही, पुलिस ने पांच आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है और उनसे सख्ती से पूछताछ जारी है। छापेमारी के दौरान कई लोगों के भागने की सूचना भी प्राप्त हुई है। रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नटवार थाना क्षेत्र में अन्य राज्यों से नाबालिग लड़कियों को लाकर डांस और अश्लील कार्यक्रमों में जबरन शामिल किया जाता है। इस आधार पर एनजीओ की मदद से अभियान चलाया गया और 45 नाबालिगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। इनकी उम्र और अन्य विवरणों की जांच जारी है। इस दौरान पांच आरोपियों को भी हिरासत में लिया गया है, जो लड़कियों को जबरन विभिन्न कार्यक्रमों में भेजने का काम करते थे। रोहतास पुलिस की इस कार्रवाई के बाद जिले के अन्य रेड लाइट इलाकों में हड़कंप मच गया है। पुलिस का कहना है कि अन्य राज्यों से लड़कियां लाने वाले कई गिरोह सक्रिय हैं, जो अब सहमे हुए हैं।

पीएम मोदी ने गुजरात के नवसारी में लखपति दीदियों से किया संवाद, बोले...

माताओं-बहनों का आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत, मेरा सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है

- पीएम मोदी ने बोरसी गांव में 25000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की 2.5 लाख से अधिक महिलाओं के बीच वितरित की 450 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता राशि

एजेंसी/गांधीनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के नवसारी में लखपति दीदियों से संवाद किया। पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर वानसी बोरसी गांव में 25,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 2.5 लाख से अधिक महिलाओं को 450 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता वितरित की। संवाद के बाद पीएम मोदी ने रोड शो भी किया। नवसारी में आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 'मेरी जिंदगी के अकाउंट में करोड़ों माताओं-बहनों का आशीर्वाद है, मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। माताओं-बहनों का आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी ताकत है, मेरी पूंजी है और मेरा सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। नारी का सम्मान विकसित भारत की पहली सीढ़ी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'आज यहां गुजरात सफल और गुजरात मैत्री, इन दो योजनाओं का शुभारंभ भी हुआ है। अनेक योजनाओं के पैसे

सुरक्षा की कमान महिला पुलिस अधिकारी के हाथों में

नवसारी के वानसी-बोरसी में हुए कार्यक्रम में सभी व्यवस्थाएं महिला पुलिस कर्मी व कर्मचारियों के हवाले रहीं। कुल 2,165 कांस्टेबल, 187 इंस्पेक्टर, 61 सब-इंस्पेक्टर, 19 डीएसपी, पांच डीएसपी, एक पुलिस महानिरीक्षक और एक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रैंक की अधिकारियों ने पीएम मोदी के पूरे कार्यक्रम की जिम्मेदारी संभाली। सरकारी सूत्रों के मुताबिक यह कार्यक्रम पुलिसिंग के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर है, क्योंकि कानून और व्यवस्था के सभी पहलुओं के साथ-साथ कार्यक्रम की व्यवस्था महिला पुलिस अधिकारी के हाथों में रही।

भी महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। मैं इसके लिए भी आप सभी को बधाई देता हूं। आज का दिन महिलाओं को समर्पित है। प्रधानमंत्री ने कहा 'मुस्लिम महिलाओं की मांग थी कि उन्हें सुरक्षा दी जाए तो मुस्लिम महिला (शादी में सुरक्षा का अधिकार) कानून, 2019 के तहत उनकी जिंदगी को बर्बाद होने से बचाया गया। जब कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू था तो वहां महिलाओं को कई अधिकारों से वंचित रखा गया था। अगर वे राज्य से बाहर शादी करतीं तो उन्हें संपत्ति में अधिकार नहीं मिलता था। अनुच्छेद 370 हटने के बाद अब उन्हें भी देश की अन्य महिलाओं की तरह समान अधिकार हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 'महिलाओं को शौचालय (इज्जत घर) देकर हमने उन्हें सम्मान दिया। महिलाओं के बैंक खाते खोलकर उनका सशक्तिकरण किया गया। उज्जवल योजना से उन्हें स्वास्थ्य लाभ दिया गया। पहले महिलाओं को 12 हफ्ते का मातृत्व अवकाश मिलता था, लेकिन हमने उसे बढ़ाकर 26 हफ्ते किया।

2014 के बाद से तीन करोड़ महिलाएं बनीं घर की मालकिन

पीएम मोदी ने कहा कि 'हम सबको ये देखकर गर्व होता है कि आज दुनिया में सबसे बड़ी संख्या में महिला पायलट, हमारे भारत में हैं। ये नारीशक्ति के सामर्थ्य का ही उदाहरण है। राजनीति का मैदान हो या खेल का मैदान, न्यायपालिका हो या फिर पुलिस, देश के हर सेक्टर में, हर आयाम में महिलाओं का परचम लहरा रहा है। 2014 के बाद से अब तक करीब 3 करोड़ महिलाएं घर की मालकिन बन चुकी हैं। आज पूरी दुनिया में जल जीवन मिशन की भी बड़ी चर्चा है। जल जीवन मिशन के जरिए आज देश के गांव-गांव में पानी पहुंच रहा है। गांधी जी कहते थे कि देश की आत्मा ग्रामीण भारत में बसती है। आज मैं उसमें एक पंक्ति और जोड़ता हूं कि ग्रामीण भारत की आत्मा ग्रामीण नारी के सशक्तिकरण में बसती है।

2,587 करोड़ की परियोजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

पीएम मोदी ने इससे पहले गुजरात को 2,587 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात भी दी। शुक्रवार को पीएम ने सिलवासा में 450 बिस्तरों वाले नमो अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने सायली स्टेडियम से 62 परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी किया।

ऑफिस जा रहे एनटीपीसी के डीजीएम की गोली मारकर हत्या

हजारीबाग से केरेडारी जाने के दौरान हुई घटना

- बिहार के नालंदा संसदीय क्षेत्र के सांसद रहे दिवंगत रामस्वरूप प्रसाद के भतीजे थे मृतक डीजीएम
- एनटीपीसी के लिए कोयला डिस्पैच से संबंधित विभाग के इंचार्ज थे कुमार गौरव

एजेंसी/हजारीबाग

झारखंड के हजारीबाग जिला के कटकमदाग थाना क्षेत्र में नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) के डिप्टी जनरल मैनेजर कुमार गौरव की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। वह बिहार के नालंदा संसदीय क्षेत्र के सांसद रहे दिवंगत रामस्वरूप प्रसाद के भतीजे थे। वारदात शनिवार सुबह करीब पौने दस बजे उस वक्त अंजाम दी गई, जब वह हजारीबाग स्थित अपने आवास से केरेडारी प्रखंड स्थित ऑफिस जा रहे थे। वारदात की जानकारी मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंचे। एनटीपीसी की नॉर्थ कर्णपुरा परियोजना में कार्य करने वाले तमाम अफसरों और कर्मियों में इस वारदात को लेकर आक्रोश है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि वारदात के पीछे एनटीपीसी में काट्रैक्ट पर चल रहे कार्यों में रंगदारी वसूली करने वाले आपराधिक गिरोह का हाथ हो

सकता है। कुमार गौरव एनटीपीसी के लिए कोयला डिस्पैच से संबंधित विभाग के इंचार्ज थे। बताया गया कि कुमार गौरव कंपनी की गाड़ी से कार्यस्थल पर जा रहे थे, तब हजारीबाग से बड़कागांव-केरेडारी जाने वाली सड़क पर फतहा नामक जगह पर गाड़ी रोककर उन्हें कई गोलियां मारी गईं। बाइक सवार अपराधियों ने ओवरटेक कर गाड़ी रोकी और कुमार गौरव को निशाना बनाया। गाड़ी में चालक के अलावा एक अन्य व्यक्ति था। कुमार गौरव को तत्काल गंभीर रूप से घायल अवस्था में हजारीबाग के एक हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कुमार गौरव मूल रूप से बिहारशरीफ में एकंगरसराय प्रखंड के रहने वाले थे। यह कोई पहली बार नहीं है, जब एनटीपीसी की नॉर्थ परियोजना के लिए काम करने वाले अफसर को निशाना बनाया गया है। करीब दो वर्ष पहले इस प्रोजेक्ट के लिए आउटसोर्सिंग पर काम करने वाली एक कंपनी के जीएम की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

सीतामढ़ी में भीषण सड़क हादसा, चार की मौत

केटी न्यूज/पटना

बिहार के सीतामढ़ी जिले में शनिवार को भीषण सड़क हादसा हुआ है। हादसे में चार लोगों की जानें चली गई है। मृतकों में एक नाबालिक भी शामिल है। दरअसल, ट्रक और टेंपो के बीच आमने- सामने की टक्कर में चार की मौत हुई है। पुलिस ने चारों शवों को अपने कब्जे में करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मौके पर भीषण हादसे को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक चालक की गलती से ही इतना बड़ा हादसा हुआ है।

बताया गया है कि उक्त ट्रक बॉर्डर स्थित सोनबरसा से सीतामढ़ी की ओर आ रहा था। वहीं, विपरीत दिशा से टेंपो जा रहा था। टेंपो पर कितने यात्री सवार से इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। हालांकि टेंपो पर सवार चार लोगों के मौत की पुष्टि हुई है। सदर डीएसपी राम कृष्णा बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित करने में लगे हुए है। यह सड़क हादसा कितना भीषण था, का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टेंपों के परखच्चे उड़ गए है। दरअसल, हादसे में टेंपो ट्रक के नीचे आ गया है। यह दर्दनाक घटना सोनबरसा - सीतामढ़ी एनएच 77 के बरियारपुर और कांटा चौक के बीच की है। सदर डीएसपी ने बताया कि मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया है। मृतकों की पहचान की कोशिश की जा रही है। इधर, उक्त घटना के प्रत्यक्षदर्शी बेलसंड थाना क्षेत्र के भोरहा गांव के रामबाबू कुमार ने बताया कि उक्त ट्रक का चालक बेतरतीब ढंग से ट्रक चला रहा था। चालक ने उन्हें भी कुचलने की कोशिश की थी, पर संयोग से वे बच गए।

लुधियाना में बॉयलर फटने से गिरा मकान का हिस्सा, 20 मजदूर दबे

एजेंसी/लुधियाना

पंजाब के लुधियाना स्थित फोकल प्वाइंट के फेज आठ में स्थित कोहली डाईंग में शनिवार की शाम को बॉयलर फट गया। बॉयलर का धमाका इतना था कि उसकी आवाज से दो मंजिला छत का पिछला हिस्सा भरभरा कर गिर गया। इसमें 15 से 20 मजदूर नीचे दब गए। हादसे के आधा घंटा बाद बारह से अधिक मजदूर मलबे से बाहर निकल आए। उनमें से एक का पैर कट गया। छह लोगों को अस्पताल में ले जाया गया, जहां पर उनका इलाज चल रहा है। वहीं छह से सात मजदूर नीचे दबे हुए थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, एनडीआरएफ, फायर ब्रिगेड की टीमों ने रेस्क्यू आपरेशन शुरू किया। सूचना मिलने के बाद जहां जिले के पुलिस अधिकारी के साथ साथ कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां, डीसी जतिंदर जोरवाल सहित प्रशासनिक अधिकारी भी वहां पहुंच गए और उन्होंने रेस्क्यू आपरेशन की कमान संभाली।

बिहार पुलिस ने अश्लील भोजपुरी गाना बजाने को लेकर जारी किया सख्त दिशा निर्देश

सार्वजनिक जगहों पर अश्लील गाना बजाने पर होगी जेल

केटी न्यूज/पटना

बिहार पुलिस ने होली के मौके पर अश्लील भोजपुरी गाना बजाने को लेकर सख्त दिशा निर्देश जारी किया गया है। शनिवार को पुलिस मुख्यालय के द्वारा जारी किए गिए आदेश के मुताबिक सार्वजनिक जगहों पर अश्लील गाना बजाने वाले के खिलाफ पुलिस कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजेगी। बिहार के सभी एसपी, डीआईजी और आईजी को पुलिस द्वारा भेजे गए आदेश में कहा गया है कि आये दिन ऐसा देखा जाता है कि सार्वजनिक स्थलों / समारोहों, बसों/ ट्रकों, ऑटो रिक्शा आदि में सस्ते दोहरे अर्थ

वाले/अश्लील भोजपुरी गानों का प्रसारण धड़ल्ले से बिना रोक-टोक के किया जाता है, जिसका समाज पर गहरा दुष्प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार के गीतों के प्रसारण से महिलाओं की सुरक्षा एवं गरिमा तथा बच्चों की मनोवृत्ति बुरी तरह से प्रभावित होती है।

अश्लील गानों से असुरक्षित महसूस करती हैं महिलाएं : बिहार पुलिस

उल्लेखनीय है कि भोजपुरी के सस्ते दोहरे अर्थ वाले गानों के कारण महिलाएं कहीं न कहीं असुरक्षित महसूस / लज्जा का अनुभव करती हैं। इस प्रकार के गाने महिलाओं की गरिमा और सम्मान को ठेस पहुंचाते हैं। दोहरे अर्थ वाले भोजपुरी अश्लील गाने छोटे-छोटे बच्चों को भी गलत संदेश देते हैं और उन्हें गलत दिशा में जाने के लिए उकसाते हैं। यह एक गंभीर व ज्वलंत सामाजिक समस्या है, जो महिलाओं, बच्चों तथा संपूर्ण समाज को बुरी तरह दुष्प्रभावित कर रहा है। उक्त के आलोक में इस समस्या के निदान हेतु पुलिस प्रशासन के स्तर से विशेष अभियान चलाकर विधि द्वारा निर्धारित प्रावधानानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई किया जाना अनिवार्य है। अतः आप सभी को निर्देश दिया जाता है कि अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत अश्लील भोजपुरी गानों के प्रसारण को पूरी तरह समाप्त करने हेतु विशेष अभियान चालाकर इस प्रकार के मामलों को चिन्हित कर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा-296/79 एवं अन्य सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज करते हुए अग्रत्तर विधि-सम्मत कार्रवाई करने हेतु सभी अधीनस्थों को निर्देशित करें तथा कृत कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन इस कार्यालय ई-मेल dspmak-bih@gov.in पर भेजना सुनिश्चित करें।

बिहार देश का पहला राज्य है, जहां सर्वाइकल कैंसर के लिए महिलाओं को टीके लगाए जाते हैं : मंत्री

- मुजफ्फरपुर में 425 करोड़ रुपये की लागत से एक बड़ा कैंसर अस्पताल बन रहा है
- सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है

केटी न्यूज/पटना

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने राज्य के 45,000 गांवों के 8,387 पंचायतों में निःशुल्क ग्रामीण कैंसर जांच कार्यक्रम की शुरुआत की। यह कार्यक्रम डॉ. प्रभात रंजन डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च सेंटर की देखरेख में संचालित होगा। जिसका उद्देश्य कैंसर की जल्द पहचान कर समय रहते इलाज सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर मंत्री ने बिहार के पहले स्लीप इंस्टीट्यूट और कैंसर स्क्रीनिंग के लिए समर्पित नए मोबाइल एप का भी लोकार्पण किया। इसके साथ ही ऑन को-मीट 2025 का उद्घाटन भी किया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कैंसर के खिलाफ सख्त अभियान चलाने की जरूरत है, खासकर ग्रामीण और सुदूर इलाकों में।

उन्होंने बताया कि अगर कैंसर की पहली या दूसरी अवस्था में ही जांच कर ली जाए तो इसका इलाज संभव है। इस दिशा में डॉ. प्रभात रंजन डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च सेंटर ने यह पहल निःशुल्क करने का निर्णय लिया है, जिससे गरीब और वंचित वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी। मंगल पांडेय ने कहा कि बिहार देश का पहला राज्य है, जहां सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए महिलाओं को टीके लगाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार निरंतर टीकाकरण और जागरूकता अभियान चला रही है ताकि इस बीमारी की रोकथाम की जा सके। सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है और आज बिहार में कैंसर समेत अन्य गंभीर बीमारियों का इलाज संभव हो रहा है।

बिहार में कैंसर अस्पतालों का विस्तार

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एक समय था जब सूबे में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज कराना बेहद मुश्किल था और मरीजों को राज्य से बाहर जाना पड़ता था। लेकिन अब सरकार की योजनाओं के कारण यह सुविधा राज्य में ही उपलब्ध हो रही है। उन्होंने बताया कि मुजफ्फरपुर में 425 करोड़ रुपये की लागत से एक बड़ा कैंसर अस्पताल बन रहा है, जो जल्द ही शुरू होगा। वहीं, पटना का महावीर कैंसर अस्पताल भी सरकार के सहयोग से अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हो चुका है। बिहार के विभिन्न अस्पतालों में कैंसर समेत अन्य गंभीर बीमारियों की रोकथाम और इलाज की बेहतर व्यवस्था की गई है। मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। 2014 के बाद से पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से कैंसर स्क्रीनिंग और इलाज को और सुलभ बनाया जा रहा है।

गांवों में होगी निःशुल्क कैंसर जांच

डॉ. प्रभात रंजन ने बताया कि यह अभियान अगले तीन वर्षों में बिहार के सभी 38 जिलों के 45,000 गांवों में चलाया जाएगा। इस योजना के तहत, गांवों के मुखिया और पंचायत समिति के सदस्य लोगों से संपर्क करेंगे और कैंसर स्क्रीनिंग के लिए बनाए गए विशेष एप को उनके मोबाइल में डाउनलोड करवाएंगे। अब तक इस एप के ट्रायल में 12 गांवों के 14,000 लोगों की जांच की गई है, जिसमें 32 लोगों में कैंसर की पहली अवस्था और पांच लोगों में दूसरी अवस्था की पुष्टि हुई है। इससे यह साबित होता है कि समय पर जांच से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। इसके लिए अधिक से अधिक ग्रामीणों से संपर्क स्थापित किया जाए। ताकि कोई भी इससे छूटे नहीं। इस कार्यक्रम के दौरान पटना की मेयर सीता साहू, पद्मश्री डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. सहजानंद, डॉ. दीवाकर तेजस्वी, डॉ. रूपम, भाप्रस अधिकारी गंगा कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जेडीयू व राजद कार्यालय में हुआ कार्यक्रम

जदयू की महिला कार्यकर्ताओं ने लगाए फिर से नीतीश कुमार के नारे

केटी न्यूज/पटना

जेडीयू ऑफिस में महिला दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला सम्मान समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री भी पहुंचे। सीएम ने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं को बधाई दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 2025 फिर से नीतीश कुमार के नारे लगाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने महिलाओं को हमेशा से आगे बढ़ाया है। पहले जो नेता थे, उन्होंने कुछ नहीं किया। हम लोगों ने महिलाओं के लिए सबकुछ किया है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। वहीं, कार्यक्रम में मौजूद जीविका दीदी सरिता देवी ने कहा कि सरकार की योजनाओं से हमें आर्थिक मजबूती मिली है। पहले हम पर निर्भरता थी, अब हमलोग अपने पैरों पर खड़े हैं। हमारी सरकार महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए काम कर रही है। हमने पंचायतों और सरकारी नौकरियों में महिलाओं को आरक्षण दिया है। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, जीविका योजना और महिला सुरक्षा योजना से बहुत लाभ मिला है। आज गांव-घर में महिलाएं आग बढ़ रही हैं। समाज में काफी बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने बिहार की महिलाओं के लिए काफी काम किया है। कौन क्या बोलता है, इससे मतलब नहीं है। विपक्ष को कुछ पता नहीं है। लोगों के बीच जाएंगे तब ना पता चलेगा। संबोधन के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा को अपने पास बुलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप इधर आइए। आपको अध्यक्ष बनाया हूं। सबके लिए अच्छे से काम कीजिए।

बोलीं राबड़ी... तेजस्वी यादव का साथ दीजिए, राजद की सरकार बनवाइए

पटना। पटना के बापू सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आरजेडी का कार्यक्रम आयोजित है। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रितू जायसवाल माई बहिन सम्मेलन की अध्यक्षता कर रही हैं। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा कि आज यहां पर जितनी भी महिलाएं आई हैं, उन सबका मैं दिल से धन्यवाद देती हूं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देती हूं। लालू यादव ने गरीबों को आवाज देने का काम किया था। पिछड़े, अगड़े, दलित सभी को उठाने का काम किया है।आगे कहा कि जितनी महंगाई है, एक आदमी की कमाई से बच्चे को नहीं पढ़ा पाएंगे। गरीबी कम नहीं हो रही है इसलिए मैं आप सब से अनुरोध करती हूं कि तेजस्वी की सरकार बनाएं। लालू यादव बीमार रहते हैं आप सब देखे हैं कि उनका तीन-चार ऑपरेशन हुआ है। आगे कहा कि सभी लोग राजद को वोट देते हैं, लेकिन सारा वोट कहां चला जाता है। ये लोग वोट में गड़बड़ी करते हैं। झूठे केस में फंसा देते हैं। बार-बार नोटिस भेजते हैं। एक ही बात को हजार बार पूछा जाता है। हम लोगों को बहुत परेशान किया जाता है। न हम लोग चोरी करते हैं न चोरी किए हैं। हम लोग गरीबों के साथ हमेशा रहेंगे और गरीबों को कभी झुकने नहीं देंगे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि हर महिला बिहार की बेटी है, बहन है, मां हैं। आप हैं तो बिहार है। खुद को आप सब की सेवा में मैं समर्पित करता हूं। पृथ्वी को तीन चीज चलाती है, जिसमें परमात्मा, प्रकृति और मां शामिल हैं। नारी को नारायणी कहा जाता है। जीवन में आप सभी का कर्ज उतार सकते हैं, लेकिन सात जन्मों में भी आप मां का कर्ज नहीं उतार सकते। राजद, महिलाओं के लिए हमेशा काम करती रही है और आगे भी करेगी।

बीईओ शराब के नशे में शिक्षिका को करते थे परेशान, गिरफ्तार

मोतिहारी। शराब के नशे में बीईओ को गिरफ्तार किया गया है। बीईओ शराब के नशे में महिला शिक्षिका से दुर्व्यवहार कर रहा था। महिला शिक्षिका की शिकायत पर पुलिस ने नशे की हालत में बीईओ उपेंद्र कुमार सिंह को बीआरसी से ही किया गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बीईओ को गिरफ्तार कर मेडिकल जांच कराई। जिसमें नशे में होने की पुष्टि हुई है। बीईओ को जेल भेज दिया गया है। इसके बाद जिले के कोटवा थाने की पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। कोटवा बीईओ उपेंद्र कुमार सिंह को पुलिस गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। वहीं दूसरी ओर पुलिस इसकी जानकारी जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित अन्य वरीय अधिकारियों को दे दी है।

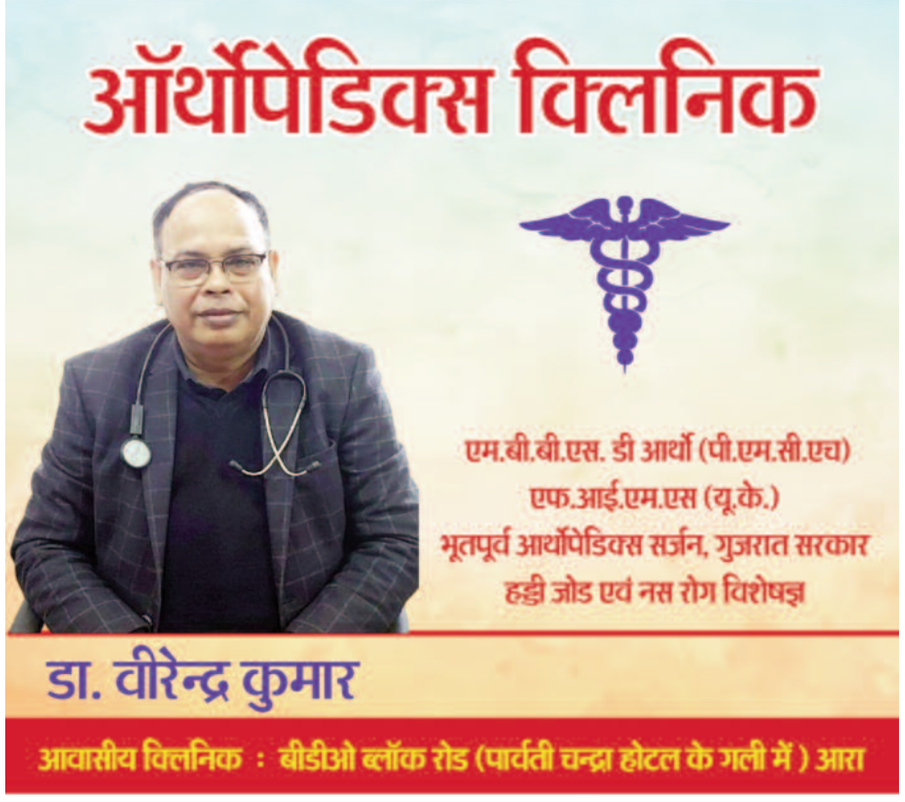

पटना में पुलिस पर शराब माफिया का हमला, एक जवान घायल

पटना। बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद शराब माफिया अपने धंधे से बाज नहीं आ रहे हैं। पालीगंज अनुमंडल के रानीतालाब थाना क्षेत्र स्थित राघोपुर मुसहरी में अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर शराब माफिया ने हमला कर दिया। इस दौरान एक पुलिसकर्मी घायल हो गया, जबकि दो पुलिस वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिए गए। घटना के बाद पुलिस ने इलाके में अभियान तेज कर दिया है और गांव में डेरा डाल दिया है। सूत्रों के मुताबिक, रानीतालाब थाना पुलिस को सूचना मिली थी किराघोपुर मुसहरी में अवैध शराब का निर्माण और कारोबार हो रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर छापेमारी के लिए पहुंची। लेकिन तभी शराब माफिया ने पुलिस पर अचानक पथराव कर दिया।

होली मिलन में रविशंकर के पैर छूने झुके नीतीश, बीजेपी सांसद ने मुख्यमंत्री को रोका

केटी न्यूज/पटना

पटना में शनिवार को होली मिलन समारोह के दौरान सीएम नीतीश कुमार बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद के पैर छूने के लिए झुके। हालांकि बीजेपी सांसद ने मुख्यमंत्री को रोक दिया। पास खड़े जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने भी सीएम का हाथ पकड़ा। इसके बाद नीतीश कुमार ने रविशंकर को गले लगा लिया। नीतीश कुमार रविशंकर प्रसाद से 4 साल बड़े हैं।दरअसल, पटना साहिब से बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया था। सीएम नीतीश कुमार, संजय झा, मंत्री विजय चौधरी के साथ वहां पहुंचे थे। रविशंकर प्रसाद ने उन्हें गेट से रिसीव किया। फिर गुलाल का टीका लगाया। मुख्यमंत्री ने गुलाल से टीका लगाने की जगह फूलों से अभिनंदन किया। इस दौरान विधानसभा स्पीकर नंद किशोर यादव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम से लौटते समय नीतीश ने रविशंकर के पैर छूने की कोशिश की। इसके पहले सीएम नीतीश कुमार ने 2 बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छूने की कोशिश की थी। पहली बार 7 जून 2024 को दिल्ली में नीतीश कुमार ने पीएम मोदी के पैर छुए थे। मौका था लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद दिल्ली में एनडीए की बैठक का। दूसरी बार 13 नंवबर 2024 को, जब पीएम दरभंगा AIIMS के शिलान्यास कार्यक्रम में आए थे। इस दौरान अपना भाषण खत्म कर सीएम अपनी कुर्सी की ओर जा रहे थे। बीच में रुके और पीएम मोदी के पैर छू लिए।वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने विधानसभा में सोमवार को 3.17 लाख करोड़ रुपए का बिहार का बजट पेश किया। 40 मिनट के भाषण में उन्होंने 52 नई घोषणाएं कीं।

गया ओटीए में पासिंग आउट परेड, 161 सैन्य अधिकारी भारतीय सेना का बने हिस्सा

गया ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी से पहली बार 18 युवतियां भी सैन्य अधिकारी बनीं

केटी न्यूज/गया

गया स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) में 26वीं पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। इस परेड के साथ 161 कैडेट्स ने अंतिम पग पर कदम रखते हुए भारतीय सेना के विभिन्न विंग्स में सैन्य अधिकारी के रूप में कमीशन प्राप्त किया। इस बार की पासिंग आउट परेड को ऐतिहासिक बनाने वाली खास बात यह रही कि पहली बार गया ओटीए से 18 युवतियां भी सैन्य अधिकारी बनीं। गया स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) की स्थापना वर्ष 2011 में हुई थी। अब तक यहां से सिर्फ पुरुष सैन्य अधिकारी ही पास आउट होते थे, लेकिन इस बार यह परंपरा टूटी और 18 महिला कैडेट्स ने भी कड़ी ट्रेनिंग के बाद सेना में अपना स्थान बनाया। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो भारतीय सेना में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उनके सशक्तिकरण को दशार्ती है। पासिंग आउट परेड के दौरान मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को पुरस्कृत किया। इन पुरस्कारों में ड्रिल, फिजिकल ट्रेनिंग, वेपन ट्रेनिंग, सर्विस सब्जेक्ट्स और अकादमिक क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स का सम्मान शामिल थे। साथ ही बत्रा बटालियन को कमांडेंट बैनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन युवा सैन्य अधिकारियों के लिए प्रेरणादायक रहा, जिन्होंने कठिन प्रशिक्षण के दौरान अपनी काबिलियत साबित की। पासिंग आउट परेड के बाद आयोजित पीपिंग सेरेमनी सबसे भावुक क्षणों में से एक रही। इस दौरान कैडेट्स के माता-पिता ने अपने जिगर के टुकड़ों के कंधों पर बैज लगाकर उन्हें राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित कर दिया। यह क्षण गर्व, खुशी और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत था। माता-पिता के चेहरों पर अपने बच्चों के सैन्य अधिकारी बनने की खुशी झलक रही थी, वहीं युवा सैन्य अधिकारी देश सेवा की जिम्मेदारी का भार अपने कंधों पर महसूस कर रहे थे। पासिंग आउट परेड से एक दिन पहले सात मार्च की शाम मल्टी एक्टिविटी डिस्प्ले का आयोजन हुआ, जिसमें कैडेट्स ने अपनी साहसिक और युद्ध-कौशल क्षमताओं का अद्भुत प्रदर्शन किया।

बक्सर जिले में मधुमक्खी पालन की है अपार संभावनाएंः डॉ. रामकेवल

केटी न्यूज/बक्सर

- कृषि विज्ञान केंद्र में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ
- 'मधुमक्खी पालनः स्वरोजगार हेतु आय अर्जन का स्त्रोत' विषय पर दी जाएगी जानकारी

जिला मुख्यालय स्थित कृषि विज्ञानं केंद्र में शनिवार को 'मधुमक्खी पालनः स्वरोजगार हेतु आय अर्जन का स्त्रोत' विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। मुख्य प्रशिक्षक डॉ. रामकेवल ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार हेतु कौशल विकास कर प्रशिक्षित करना है। जिससे ये मधुमक्खी पालन द्वारा स्वरोजगार उत्पन्न कर सके। बक्सर में मधुमक्खी पालन के साथ साथ पूरे बिहार इसकी अपर संभावनाएं हैं।

उन्होंने बताया कि यहां पर साल भर मधुमक्खी पालन हेतु पराग एवं पराग रस युक्त फसलें, बागवानी जैसे सरसों, सहजन, लीची, मक्का, तिल, मसूर, कुसुम, शीसम, जामुन आदि पाए जाते है। मधुमक्खी पालन की शुरूआत में 10-50 बॉक्स रखकर प्रारंभ किया जा सकता है। पहले साल में इसकी लागत के साथ 20 प्रतिशत अतिरक्त लाभ प्राप्त होता है। वहीं, दूसरे साल से 100 प्रतिशत लाभ प्राप्त होता है। पूंजी कम होने पर उद्यान विभाग द्वारा अनुदानित दर पर मधुमक्खी बॉक्स प्राप्त करने पर प्रथम वर्ष से ही अधिक लाभ प्राप्त होने लगता है।

मुख्य प्रशिक्षक डॉ. रामकेवल ने बताया कि यह प्रशिक्षण पांच दिन तक चलेगा तथा सभी 15 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिया जायेगा। कार्यक्रम का शुभारम्भ कृषि विज्ञानं केंद्र के प्रभारी प्रमुख हरिगोविन्द, कृषि विभाग के अनुमंडल कृषि पदाधिकारी शेखर किशोर एवं डॉ. रामकेवल ने संयुक्त रूप से किया। प्रभारी प्रमुख हरिगोविन्द ने फसलों में मधुमक्खियों के द्वारा परागण एवं उसके महत्त्व पर जानकारी दी। कार्यक्रम में सदर प्रखंड के राहुल कुमार, सत्यम कुमार, दुर्गेश कुमार, राजपुर प्रखंड के अमन आजाद, श्रवण पासवान, नितीश पासवान, ममता कुमार , दुर्गा देवी सहित 15 लोगों ने हिस्सा लिया।

एक नजर

चित्रकला, गणित एवं क्विज ओलंपियाड प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मारी बाजी

डुमरांव। बिहार दिवस के अवसर पर प्रखंड स्तरीय उन्नत बिहार-विकसित बिहार कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित गणित, चित्रकला एवं क्विज ओर्लंपियाड में अलग-अलग विद्यालयों के नौ बच्चों ने सफलता हासिल किया है। स्थानीय बीआरसी कार्यालय भवन में बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा आयोजित ओर्लंपियाड में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रखंड परियोजना प्रबंधक निर्भय कुमार व बीआरपी अविनाश कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुए इस प्रतियोगिता में चित्रकला विषय में 1 से 5 वर्ग में प्राथमिक विद्यालय चुआड़ के अमित कुमार, वर्ग 6 से 8 में महाजनी मध्य विद्यालय डुमरांव के सौरभ कुमार एवं वर्ग 9 से 12 में उत्क्रमित विद्यालय नया भोजपुर की महिमा कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि क्विज में 1 से 5 में मध्य विद्यालय नया भोजपुर की शिवानी कुमारी, वर्ग 6 से 8 में महारानी उषारानी बालिका उच्च विद्यालय डुमरांव की सुप्रिया रावत वहीं 9 से 12 में भोजपुर जदीद की सलोनी कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया हैं। इसी प्रकार गणित में 1 से 5 में नया भोजपुर के अमित पांडेय, 6 से 8 में डुमरांव की अंशु कुमारी जबकि वर्ग 9 से 12 में नया भोजपुर की दीपाली कुमारी ने अपना परचम लहराया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को जिलास्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। मौके पर विभिन्न स्कूलों के शिक्षक व शिक्षिकाएं मौजूद थी।

100 कॉर्टन शराब के साथ पिकअप जब्त

सिमरी। सिमरी थाने की पुलिस ने शनिवार की सुबह थाना क्षेत्र के सुंदरपुर मोड़ के समीप से शराब लदी एक पिकअप वैन को जब्त किया हैं साथ ही वाहन चालक एवं एक अन्य तस्कर को गिरफ्तार किया हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष कमल नयन पाण्डेय से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना से जानकारी प्राप्त हुआ था की शराब से भरी पिकअप बैन बड़का सिघंपुरा सुंदरपुर मोड़ मार्ग से गुजरने वाली हैं। जानकारी मिलते ही सुंदरपुर मोड़ के समीप थानाध्यक्ष खुद पुलिस टीम साथ अहले सुबह वाहन चेकिंग अभियान चलाने लगे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार में आती हुई एक पिकअप दिखाई दिया। जब उसे रोककर तलाशी ली गई तो फल के दर्जनों खाली कैरेट के पीछे छिपाये 100 कॉर्टन शराब बरामद की गई।

उन्नत बिहार विकसित बिहार प्रतियोगिता आयोजित

सिमरी। उन्नत बिहार, विकसित बिहार के तहत बीआरसी सिमरी के परिसर में शनिवार को प्रतियोगिता आयोजित की गई। आयोजित प्रतियोगिता में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के वर्ग 1 से 12 तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। वर्ग 1 से 5 वर्ग 6 से 8 व वर्ग 9 से 12 तक के बच्चों के लिए क्विज, पेंटिंग, गणित ओलिंपियाड का प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन फीता काटकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी त्रिलोकीनाथ पाण्डेय द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम ,द्वितीय व तृतीय स्थान पर बच्चों को चयनित किया गया। चयनित छात्रों को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी त्रिलोकीनाथ पांडेय द्वारा पुरस्कृत किया गया। वर्ग 1 से 5 में सत्यम कुमार मध्य विद्यालय सहियार, वर्ग 6 से 8 में प्रगया कुमारी कन्या मध्य विधालय नगरपुरा, वर्ग 9 से 12 में शिवानी कुमारी ने प्रथम स्थान हासिल कर अपना कौशल का परचम लहराया। मौके पर साधनसेवी मनोज सिंह, चन्द्रहास राय, रामप्रवेश राम, डॉ. मनीष कुमार शशी, अशोक राय, ओमप्रकाश मिश्र सहित अन्य लोग मौजूद थे।

खबरें फटाफट

थाना में जनता दरबार आयोजित

सिमरी। शनिवार को थानों में जनता दरबार का आयोजन कर भूमि विवाद संबंधी मामले की सुनवाई की गई। सीओ भगवती शंकर पाण्डेय एवं थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने संयुक्त रूप से जनता दरबार लगाकर भूमि विवाद संबंधी मामले की सुनवाई की। इस दौरान आयोजित जनता दरबार में 10 फरियादी जमीन से संबंधित मामला लेकर पहुंचे, जहां दोनों पक्ष के लोग उपस्थित थे। सीओ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनी उसके बाद ऑन द स्पॉट दो मामले का निष्पादन किया गया।

महासम्मेलन के लिए जत्था पटना रवाना

केसठ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर महिला उत्थान बिहार के बैनर तले माई बहिन महासम्मेलन में शामिल होने को लेकर शनिवार को राजद के सैकड़ों महिला कार्यकताओं का जत्था बस से पटना के लिए रवाना हुआ। इसका नेतृत्व राजद महिला के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ विद्या भारती ने किया।उन्होंने कहा कि महिला के उत्थान, विकास एवं अधिकार के लिए माई बहिन महासम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें शामिल होने को लेकर सैकड़ों महिला राजद कार्यकताओं का जत्था केसठ से रवाना हुआ है। इस दौरान कमला देवी समेत अन्य महिला कार्यकर्ता शामिल रही।

राष्ट्रीय लोक अदालत : साल के पहले लोक अदालत में निपटाए गए 1936 मामले

लोक अदालत एक ही दिन में मुकदमे के निपटारे का सुलभ रास्ता: जिला जज

केटी न्यूज/बक्सर

- वाद के निपटारा के लिए बनाए गए थे कुल 13 बेंच

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर के तत्वावधान में शनिवार को वर्ष 2025 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन हर्षित सिंह, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर, मनोज कुमार, प्रथम, प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय, अंशुल अग्रवाल, जिलाधिकारी, बक्सर, पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य एवं उपस्थित मंचासीन पदाधिकारी और नेहा दयाल, अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला प्राधिकार, बक्सर और उपस्थित अन्य गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत उदघाटन किया। मौके पर न्यायिक पदाधिकारी व कार्यालय कर्मचारी मौजूद रहे। इस मौके पर मंच का संचालन नेहा त्रिपाठी, मुंसिफ द्वितीय, बक्सर ने किया। लोक अदालत पूर्वाह्न दस बजे शुरू की गई। समाचार लिखे जाने तक चल रहे इस राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न वाद के 1936 मामले का निपटारा कराया गया।

9,47,04,818 रुपये के समझौता राशि पर हुआ हस्ताक्षर

राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक के 709 वाद का निष्पादन हुआ, जिसमें 9,47,04,818 (नौ करोड़ सैतालिस्स लाख चार हजार आठ सौ अठ्ठारह रुपए) के समझौता राशि पर हस्ताक्षर हुआ। अन्य वाद जिसमें यातायात के कुल 619, आपराधिक 135 वाद, विद्युत वाद के 299 मामले का निपटारा कराया गया। विभिन्न बैंकों के रिकवरी के 169 मामलों जिसमें हुए निष्पादन पर इस दौरान कुल एक करोड़ 68 लाख 03 हजार पांच सौ चौवन रुपए की समझौता राशि पर हस्ताक्षर किया गया। मौके पर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, विजेंद्र कुमार, संजीत कुमार सिंह, रघुबीर प्रसाद, कुमार नरुन, चंदन कुमार न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी एव अन्य पीठ में उपस्थित न्यायाधीश, पैनल अधिवक्ता, चंद्रकला वर्मा, कंचन कुमारी, कुमारी रिंकी, आरती राय, रवि रंजन सिंह आदि वहीं कार्यालय कर्मी सुधीर कुमार, दीपेश कुमार, संजीव कुमार, प्रधान लिपिक संजय कुमार, राजीव कुमार, नाजिर संतोष द्विवेदी, विधिक स्वयंसेवक मदन प्रजापति, कवींद्र नाथ पाठक, प्रेम प्रकाश पाठक, अंजुम रावत, गजेंद्र नाथ दुबे, ओम प्रकाश सिंह, अविनाश, समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

इसमें ना कोई पक्ष जीतता, ना ही कोई पक्ष हारता है

जिला जिला जज ने कहा कि, लोक अदालत सुलभ और एक ही दिन में मुकदमे के निपटारे का सुलभ रास्ता है। इसमें ना कोई पक्ष जीतता है, ना ही कोई पक्ष हारता है इसमें दोनों पक्षों की जीत होती है। कोई भी व्यक्ति अपने वाद का निपटारा सुलह समझौते के माध्यम से करा सकता है। लोक अदालत में आने वाले वाद के सभी पक्षकारों को लोक अदालत पर मैं स्वागत करता हूं और आशा करता हूं कि सुलह के आधार पर अपने-अपने वादों का निष्पादन वे करवाएंगे। मौके पर उपस्थित अंशुल अग्रवाल, जिला पदाधिकारी सह उपाध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली, के निर्देश पर इस अवसर को हम लोग एक राष्ट्रीय पर्व के तौर पर मनाते हैं। वाद के दोनों पक्षकार स्थानीय न्यायालय, उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय में अपने-अपने वादों को लेकर दौड़ते रहते हैं और उनके मुकदमे का निपटारा नहीं होता। यदि वे अपने मुकदमों का निपटारा करवाना चाहते हैं तो सीधे लोक अदालत में आए और एक ही दिन में अपने वादों का निपटारा सुलह के आधार पर करवाए। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन इस उद्देश्य से ही किया जाता है कि व्यवहार न्यायालय पर बढ़ रहे मुकदमों के बोझ को कम किया जा सके। साथ में लोगों को सुलभ न्याय उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत जनता की अदालत है। जिसमे आपकी सहमति से ही आप के द्वारा किया गए मुकदमो को सुलह के आधार पर निपटारा करवाया जाता है। दोनों पक्षों के सुलह होने पर अवार्ड बनता है, जिससे दोनों पक्षों को दिया जाता है, और एक कॉपी न्यायालय में भी रखा जाता है।

अनुसंधानकर्ता लंबित कांडों को त्वरित निष्पादित करें : एसपी

केटी न्यूज/नावानगर

एसपी शुभम आर्य ने शनिवार को सिकरौल थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने गुंडा पंजी, आगन्तुक पंजी, लोक शिकायत पंजी, केश डायरी, वारंट, इश्तिहार व कुर्की पंजियों का अवलोकन किया एवं कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

एसपी ने अनुसंधानकताओं को लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया। सिकरौल थाना के प्रतिवेदित कांडो का अनुसंधान की समीक्षा की गई। सीसीटीएनएस थाना सिरिस्ता संबंधित कार्यो की अद्यतन रखने का निर्देश गया। पंजी संधारण के बिंदु पर अद्यतन रखने, राज्य से बाहर के अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं सत्यापन के लिए टीम बनाकर कार्रवाई करने, लंबित कांडों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने, सुरक्षा व्यव्यस्था के मद्देनजर गश्ती के दौरान ज्वेलरी दुकान, बैंक, एटीएम, पेट्रोल पंप अन्य वित्तिय संस्थाओं आदि पर विशेष निगरानी रखने आदि का निर्देश दिया गया। एसपी ने इस दौरान कहा पुलिस कर्मियों को होली के मद्देनजर शराब तस्करों को विशेष नजर रखने का निर्देश दिया। एसपी के इस निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों की बेचैनी बढ़ी रही।

राजपुर में चोरी की वारदात मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर थाना की पुलिस ने विगत दिनों हुए चोरी के एक मामले का सफल उद्भेदन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जहां उनके पास से चोरी का सामान भी बरामद किया गया है। हालांकि, इस मामले में शामिल तीन अन्य आरोपित फरार है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

सदर डीएसपी धीरज कुमार ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि पुरैनी खुर्द निवासी दिवाकर कुमार सिंह ने पुलिस को सूचना दी थी कि 31 जनवरी की रात उनके घर से एक मोबाइल, कपड़ों से भरा बैग और चांदी व सोने की ज्वेलरी चोरी हो गई थी। इस आधार पर दो फरवरी को राजपुर थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के लिए डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई, जिसने वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग कर रसेन कला गांव के लालू मुसहर और प्रकाश मुसहर को गिरफ्तार किया।

पूछताछ के दौरान उन्होंने चोरी में शामिल तीन अन्य लोगों में विनोद मुसहर, भुअर मुसहर और डब्लू मुसहर के नाम उजागर किए और बताया कि चोरी की गई ज्वेलरी उनके पास है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी के कपड़े, एक मोबाइल और 4,122 रूपए नगद बरामद किए गए हैं। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। इस पूरी कार्रवाई में डीएसपी धीरज कुमार के साथ थानाध्यक्ष संतोष कुमार, अनिशा भारती और राजपुर थाना की सशस्त्र बल शामिल रही।

डायट के टीएलएम मेले में वर्ग एक से पांच के विषय वस्तु पर आधारित लगी प्रदर्शनी

टीएलएम को सभी शिक्षक अपनी-अपनी कक्षाओं में अवश्य प्रयोग करें : डीईओ

- टीएलएम मेले का उद्घाटन डीईओ व डायट प्राचार्य ने संयुक्त रूप से किया

केटी न्यूज/डुमरांव

जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान डायट में जिला स्तरीय टीएलएम मेले का आयोजन किया गया। मेले में बक्सर जिले के विभिन्न प्रखंडों के चयनित शिक्षकों व डीएलएड द्वितीय वर्ष के प्रशिओं द्वारा उर्दू, हिन्दी, गणित, पर्यावरण अध्ययन व अंग्रेजी विषय के कक्षा 1 से 5 तक के विषय वस्तु पर अधारित टीएलएम की प्रदर्शनी लगाई गई। इसका उद्घाटन जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेन्द्र पांडेय, डायट के प्राचार्य विवेक कुमार मौर्य, वरीय व्याख्याता डा. नवनीत कुमार सिंह, डा. संगीता कुमार, डा. सत्या मीनाक्षी, सुरेन्द्र प्रसाद सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम को शुरू किया।

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि मेले मे सभी शिक्षकों का प्रदर्शन सराहनीय है। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि इन टीएलएम को शिक्षक अपने वर्ग कक्षा में अवश्य प्रयोग करें। इसके प्रयोग से हमारा जिला शैक्षणिक रूप से प्रगति करते हुए आगे बढ़ेगा। प्राचार्य ने कहा कि इस मेले में लगे हुए सभी टीएलएम बुनियादी संख्या ज्ञान व साक्षरता के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायक होंगे।

विदित हो की इस मेले में हिंदी विषय से 9, गणित विषय से 15, पर्यावरण अध्ययन से 12, अंग्रेजी से 5, उर्दू विषय से 2, वही डायट के द्वारा 29 प्रदर्शन किया गया। हिन्दी विषय में शीतल सिवाच, गणित विषय में अजय कुमार, मनीषा कुमारी, पर्यावरण अध्ययन में आरसी मुस्कान, शिवानी, उर्दू विषय में नेहा प्रवीण, मो. मुमताज अली व अंग्रेजी विषय में वर्तिका तिवारी व शालिनी सिंह का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। मालूम हो कि कार्यक्रम उत्कृष्ट स्तर का रहा, इसको राज्य स्तर पर होने वाले मेले में अपने टीएलएम मेले में बक्सर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नवनीत सिंह और धन्यवाद ज्ञापन भूपेन्द्र सिंह यादव ने किया। मेले के निर्णायक मंडल में मनोरंजन कुमार, अजीत कुमार, डॉ. संगीता कुमारी, डॉ. बिनोद कुमार सिंह व अन्य मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2025 के अवसर पर जिले में विभिन्न प्रतियोगिता व कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हम सब जिले की सभी महिलाओं के अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए लें संकल्प : जिलाधिकारी

♦ बोले डीएम... यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों, उनके संघर्षों और उनके अधिकारों के प्रति सम्मान का दिन है

केटी न्यूज/बक्सर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2025 के अवसर पर जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस क्रम में जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने समस्त बक्सर जिलेवासियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की ढेर सारी बधाई व शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि ह दिन महिलाओं की उपलब्धियों, उनके संघर्षों और उनके अधिकारों के प्रति सम्मान का दिन है। आज हम सब सभी महिलाओं के अधिकारों व स्वतंत्रता की रक्षा के लिए संकल्प लें। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का थीम सभी महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए अधिकार, समानता तथा सशक्तिकरण है। इस लिए महिलाओं व युवतियों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

महदह में मिली मैराथन का हुआ आयोजन : महिला दिवस-2025 को लेकर आयोजित कार्यक्रमों के तहत सुबह 07:30 बजे 11 नंबर लख से महदह पुल तक मिनी महिला मैराथन का आयोजन किया गया। यह मिनी मैराथन की कुल दूरी 4.50 किमी थी। मिनी मैराथन में विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं, राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय की छात्राओं एवं पुलिस विभाग की महिलाओं ने भाग लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को महिला दिवस के अवसर पर मैराथन में प्रतिभागिता हेतु बधाई देते हुए खेल भावना का परिचय देने को कहा। मिनी महिला मैराथन में चौसा स्थित माता इंद्राणी कॉलेज की छात्रा चांदनी कुमारी ने प्रथम स्थान, महदह प्लस टू हाई स्कूल के 11वीं की छात्रा संगीता कुमारी ने द्वितीय स्थान व 10वीं कक्षा की छात्रा पार्वती कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

किला मैदान में खो-खो व कबड्?डी में दिखा छात्राओं का जलवा : पूर्वाह्न 08:00 बजे से किला मैदान बक्सर में कबड्डी एवं खो-खो खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने भाग लिया। जिलाधिकारी द्वारा टॉस उछालकर कबड्डी मैच का शुभारंभ किया गया एवं सभी टीम को प्रोत्साहित किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता में एमपी हाई स्कूल बक्सर की टीम विजेता रही, खेलो इंडिया स्मॉल सेंटर रघुनाथपुर की टीम उप विजेता रही एवं उत्क्रमित उच्च विद्यालय बनारपुर की टीम में तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, खो-खो प्रतियोगिता में खेलो इंडिया स्मॉल सेंटर बक्सर की टीम विजेता रही, एमपी हाई स्कूल बक्सर की टीम उपविजेता रही एवं उत्क्रमित उच्च विद्यालय बनारपुर की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हमारे देश के उत्थान में देश की आधी आबादी पुरुषों से आगे निकल कर अपने कर्तव्यों के प्रति निभा रहीं सच्ची जिम्मेवारी: जिलाधिकारी

बक्सर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर नगर भवन में सेमिनार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं के लिए अधिकार एवं सरकार द्वारा बनाए गए नियम एवं कानून के बारे में जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने कहा कि महिला समाज के हर क्षेत्र में अपना योगदान देती हैं। महिला एक मां, बहन, पत्नी के साथ साथ घर, समाज और देश की धुरी हैं। हमारे देश के उत्थान में देश की आधी आबादी पुरुषों से आगे निकलकर अपने कर्तव्यों के प्रति सच्ची जिम्मेवारी निभा रही हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार महिलाओं के उत्थान एवं सशक्तिकरण के लिए कई योजनाओं का क्रियान्वयन एवं नए प्रयास कर रही है। एक तरफ मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, मुख्यमंत्री बालिका पोशाक योजना, मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना, मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना एवं मुख्यमंत्री सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना से महिलाओं को शिक्षित, नियोजित एवं सशक्त बनाया जा रहा है। वहीं महिलाएं जीविका, मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के माध्यम से समाज में आर्थिक रूप से सशक्त होकर परिवर्तन का केंद्र बन रही हैं।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए कार्यक्रमों हो रहा संचालन : एडीएम कुमारी अनुपमा ने कहा कि आज का दिवस सभी महिलाओं की महानता, उनके संघर्ष और उनके अधिकारों का सम्मान करने का दिन है। समाज में समान अधिकारों की प्राप्ति, लैंगिक भेदभाव, शिक्षा की कमी और हिंसा के खिलाफ संघर्ष जैसी समस्याओं को समझें और महिलाओं के लिए समान अवसर और सम्मान सुनिश्चित करें। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर लड़की को शिक्षा मिले, हर महिला को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिले और वह समाज में अपनी पहचान बना सके। उन्होंने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिहार सरकार द्वारा 181 महिला हेल्पलाइन, दीदी का अधिकार केंद्र, वन स्टॉप सेंटर आदि का संचालन किया जा रहा है। आज सामाजिक कुरीतियां जैसे शराबबंदी, दहेज प्रथा एवं बाल विवाह उन्मूलन में महिलाओं द्वारा विशेष कर जीविका दीदियों के द्वारा अहम योगदान दिया जा रहा है।

प्रबुद्ध महिलाओं ने किया लोगों को संबोधित : इस अवसर पर नगर भवन बक्सर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षिका श्री महिमा ने नृत्य प्रस्तुति, ब्रजेश कुमार चौबे ने शास्त्रीय गायक एवं अनुराग मिश्रा तबला वादन की प्रस्तुति दी। उक्त सेमिनार में विभिन्न विधाओं में आमंत्रित महिलाओं साइबर थाना डीएसपी रजिया सुल्ताना, मनोचिकित्सक डॉ. अनुराधा, नावानगर स्थित अतिमि की मुखिया ज्योति गुप्ता, अधिवक्ता श्यामा चंद्रा, नावानगर आथर पंचायत की मुखिया रेखा देवी एवं जिला पार्षद चौसा पूजा देवी ने व्याख्यान दिया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिता की विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसी उपलक्ष्य में आज के दिन शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, खेल, रोजगार, सशक्तिकरण हेतु उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। जिलांतर्गत सरकारी एवं गैर सरकारी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं, बालिकाओं को सम्मानित किया गया।

डीएम ने दिलाई शपथ व शुरू किया हस्ताक्षर अभियान : इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में कलेक्ट्रेट स्थित सभी पुरुष पदाधिकारियों एवं कर्मियों को महिलाओं और बालिकाओं के प्रति सम्मान तथा उनके अधिकारों की रक्षा करने संबंधी शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर हस्ताक्षर अभियान का भी आयोजन किया गया।

एक नजर

महिलाएं सभी क्षेत्रों में दे रहीं अमूल्य योगदान

बक्सर। विश्व महिला दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र में महिलाओं के द्वारा कृषि एवं कृषि से सम्बद्ध व्यवसाय एवं उनके योगदान पर विस्तृत चर्चा की गई। इसकी अध्यक्षता अंजू देवी ने की। इस अवसर पर अंजू देवी ने बताया कि महिला को समाज में और आगे आने की आवश्यकता है। आज महिलाएं सभी क्षेत्रों में अपन अमूल्य योगदान दे रही है। खेती किसानी में खेत के बुआई, रोपाई, निराई गुड़ाई, कटाई, ओसौनी, भंडारण आदि महत्व पूर्ण कार्य महिलाओं द्वारा ही किया जाता है। समाज में उन्हें और सम्मान के साथ देखा जाना चाहिए। इस अवसर पर कृषि विज्ञानं केंद्र के हरी गोविन्द ने सभी महिलाओं को स्वागत करते हुए कृषि एवं कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। इस क्रम में कार्यक्रम में शामिल महिलाओं को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय एवं दूरदर्शन के संयुक्त प्रस्तुति कृषि चौपाल का चौथा एपिसोड का सीधा प्रसारण दिखाया गया। जिसमें रबी फसलों में लगने वाले कीट व्याधि प्रबंधन एवं उन्नत फसल उत्पादन पर विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के प्रश्नों के उत्तर दिए गए। जिसे डॉ. अनूप दास निदेशक, भ.कृ.अनु.प. के पूर्वी अनुसंधान परिसर पटना के निर्देशन में समपन्न किया गया।

महिलाओं के बीच किया अंग वस्त्र वितरित

डुमरांव। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर के सफाखाना रोड में भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष शीला त्रिवेदी की अगुआयी में मातृ छाया भवन में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही गरीब महिलाओं के बीच अंग वस्त्र भी वितरित किये गए। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन के साथ ही नप चेयरमैन सुनीता गुप्ता व पूर्व महिला जिलाध्यक्ष पिंकी पाठक भी मौजूद रहे। इस मौके चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित सोमु, समाजसेवी राजकुमार, मंत्री ओम ज्योति भगत, वार्ड पार्षद कंचन सिन्हा, वार्ड पार्षद धीरेन्द्र निराला, भाजपा नगर अध्यक्ष विजय कुमार, महिला नगर अध्यक्ष वीना देवी, महामंत्री विनीता जायसवाल के साथ ही बक्सर महिला मोर्चा के पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

डुमरी पंचायत को मिली महिला मॉडल पंचायत की उपाधि, दिलाई गई शपथ

सिमरी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रखंड के डुमरी पंचायत के केपी उच्च विद्यालय के प्रांगण में महिला सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पंचायत के मुखिया प्रेम सागर कुंवर ने किया एवं कार्यक्रम के उद्घाटन प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी रोहणी कुमारी एवं प्रखंड बाल विकास पदाधिकारी सुष्मिता कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर की गई।

इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला तथा समापन कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण के 6 बिंदुओं पर शपथ दिलाया गया। गौरतलब हैं कि भारत सरकार द्वारा जिला के एकमात्र पंचायत डुमरी को महिला मॉडल पंचायत के नाम से उपाधि प्राप्त हुआ हैं। जिसके उपलक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कि गई। इस दौरान प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी नुरूल हुदा, पिरामिड फांउडेशन के डॉक्टर रिजवान, ब्रह्मपुर विधायक प्रतिनिधि, डॉक्टर अमावस यादव एवं पंचायत के सभी वार्ड सदस्य एवं सैकड़ों की संख्या मे ग्रामीण जनता मौजूद रहे।

आज दुनिया की पहचान है नारी, हर घर की जान है नारी: प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट

बक्सर। भाजपा की प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट रानी चौबे, संध्या पाण्डेय लोकसभा सह संयोजक लाभार्थी संपर्क अभियान, सबिता देवी चौसा मंडल अध्यक्ष ने बक्सर विधानसभा के पाण्डेयपट्टी मंडल अन्तर्गत छोटका नुआंव गांव में सिद्धेश्वर नाथ मंदिर के प्रांगण में महिलाओं और बच्चियों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस मौके पर उपस्थित बुजुर्ग महिलाओं को माला और अंगवस्त्र से रानी चौबे, संध्या पाण्डेय और सविता देवी ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने भी भाजपा नेत्रियों को माला और अंगवस्त्र से सम्मानित किया।

वहीं, भाजपा नेत्रियों संध्या पाण्डेय और सविता देवी ने कहा कि नारी सशक्तिकरण के लिए तो बहुत लोग काम करते हैं, लेकिन हम लोगों ने निश्चय किया है कि महिलाओं और बच्चियों को शारीरिक सक्षमता को बढ़ावा दिया जाए। खासकर ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं को, ताकी ये स्वस्थ रहकर एक स्वस्थ परिवार और समाज का निर्माण कर सकें। यह अभियान निरंतर ग्रामीण महिलाओं के बीच चलता रहेगा। उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं ने ताली बजाकर उनके बातों का समर्थन किया और महिला दिवस जिन्दाबाद का नारा लगाया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं के बीच इन भाजपा नेत्रियों द्वारा 500 सेनेटरी पैड, आयरन और कैल्शियम की टैबलेट्स आदि वितरित किया गया।

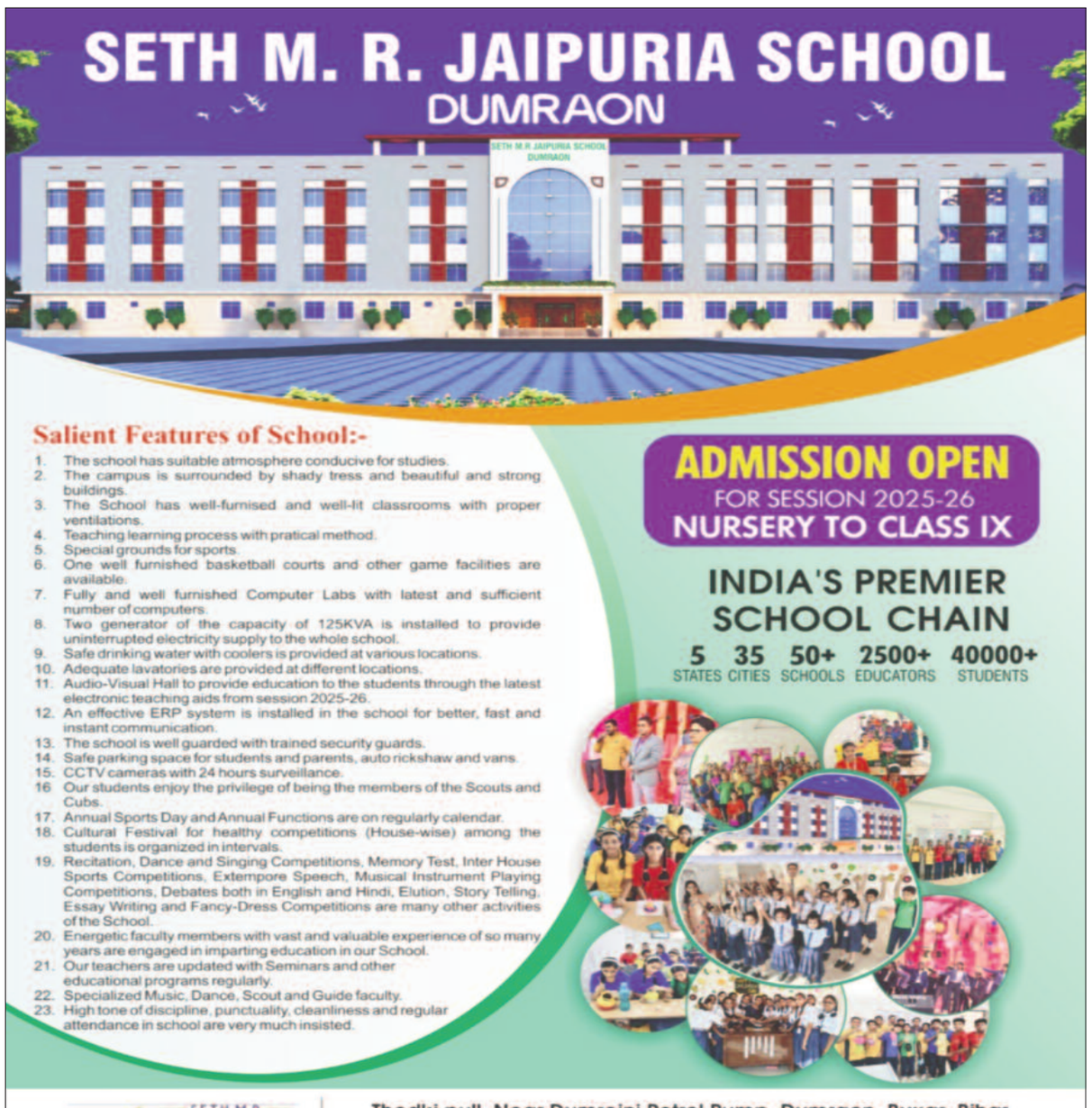

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सुमित्रा कॉलेज में गोष्ठी आयोजित

बोले वक्ता... महिला दिवस मनाने का महत्व तब और बढ़ जाता जब सामाजिक सोच में बदलाव आता

केटीन्यूज/डुमरांव

सुमित्रा महिला कॉलेज में शनिवार को धूमधाम से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस दरम्यान कॉलेज परिसर में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. शंभूनाथ शिवेंद्र ने किया।

वक्ताओं ने कहा कि महिला शिक्षा की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए उन्हें अधिक से अधिक सुविधाएं देना आवश्यक हैं। महिला दिवस मनाने का महत्व तब और बढ़ जाता जब सामाजिक सोच में बदलाव आये और महिलाओं को बराबरी का हक दें। उन्होंने कहा महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होने की आवश्यकता है। इस तरह के आयोजन से महिलाओं को प्रेरणा मिलती है। प्रो. डॉ. सुभाष चंद्रशेखर ने कहा कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। जब तक महिलाओं को उनके अधिकार, शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्रता नहीं मिलते, तब तक समाज की नींव मजबूत नहीं हो सकती। हमारे समाज में महिला सशक्तिकरण के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन हमें और अधिक मेहनत करने की आवश्यकता है ताकि महिलाएं हर क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के अपनी क्षमता का अधिकतम उपयोग कर सकें। मौके पर डॉ प्रमोद कुमार सिंह, प्रोफेसर सुरेश चंद्र त्रिपाठी, प्रोफेसर अनीता सिंह, डॉ मनोज कुमार, डॉ बृंद बिहारी सिंह, डॉ दिनेश सिंह यादव, प्रोफेसर शैलेन्द्र कुमार, प्रोफेसर श्रीकांत सिंह आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि हमें महिलाओं को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हुए उन्हें सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता देने की दिशा में हमेशा काम करना चाहिए। मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका ज्योति कुमारी, चंचल कुमारी, प्रियांशी कुमारी, खुशी कुमारी, श्वेता कुमारी सहित अन्य मौजूद थे।

लोक अदालत : 17 पीठ से 1351 मामलों का हुआ निपटारा, 4 करोड़ 36 लाख 58 हजार का समझौता

केटी न्यूज/आरा

लोक अदालत में 25 साल पुराने मामले का निपटारा हुआ तो संबंधित पक्ष का चेहरा खुशी से खिल उठा। लोक अदालत के बेंच नंबर पांच के माध्यम से 25 साल पुराने मुकदमे के तीन अभियुक्तों की ओर से कंपाउंडिंग राशि जमा करने के बाद उनके मुकदमे को समाप्त कर दिया गया। सपन ठाकुर और रफीक ने दस-दस हजार और अनिल कुमार सिंह ने चार हजार रुपये की कंपाउंडिंग राशि जमा की। मामला उदवंतनगर थाने से संबंधित था। वहीं आरा नगर थाने के बिजली चोरी से संबंधित वर्ष 2001 के मामले को खत्म किया गया। इसके लिए भरत सिंह ने चार हजार रुपये जमा किया। इसके अलावा बिजली चोरी के मामले में ही वर्ष 2005 से चल रहे मुकदमे को समाप्त किया गया गया। राकेश कुमार सिंह और मुहम्मद इरशाद ने दस-दस हजार रुपये जमा किया। मामले के निपटारे में विद्युत कंपनी के अधिवक्ता विमलेश कुमार

श्रीवास्तव बुलगानिन ने भूमिका निभायी। बता दें कि शनिवार को सिविल कोर्ट परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में साल की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। उद्घाटन प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश भारत भूषण भसीन ने किया। मौके पर एडीएम, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा, सचिव मनमोहन ओझा, अभियोजन पदाधिकारी मणिक कुमार सिंह, जिला शासकीय अधिवक्ता राजनाथ सिंह, जिला अग्रणी प्रबंधक, दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के वरीय पदाधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक के पदाधिकारी, सभी न्यायिक पदाधिकारी के साथ पक्षकार उपस्थित थे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों का निपटारा के लिए 17 पीठ का गठन किया गया था। 1351 मामलों का निपटारा किया गया। इसमें बैंक से जुड़े मामलों की संख्या 606 था। विभिन्न कोर्ट में लंबित 742 सुलहनीय वादों का निपटारा किया गया। इस दौरान चार करोड़ 36 लाख 58 हजार 154 रुपये का समझौता हुआ। राष्ट्रीय लोक अदालत में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिले में शिक्षा, खेल, चिकित्सा वअन्य क्षेत्र से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को सर्टिफिकेट व ट्रॉफी देकर सम्मानित भी किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ने बताया कि लोक अदालत की सफलता के लिए बीते तीन माह से कार्यालय कर्मी व पारा विधिक स्वयंसेवक कार्य कर रहे थे।

आरा के कायमनगर के पास मद्य निषेध विभाग ने कार्रवाई कर तस्कर पकड़ा

हूटर लगी गाड़ी में विदेशी शराब के साथ फर्जी दारोगा गिरफ्तार

- छापेमारी में 283.790 लीटर शराब जप्त, बाजार मूल्य करीब 05 लाख के आंकी गयी
- वाहन के नंबर प्लेट पर पुलिस का सिंबल भी लगा था

केटी न्यूज/आरा

शराब की खेप की डिलिवरी देने जा रहे फर्जी दारोगा को शनिवार को गिरफ्तार किया है। फर्जी दारोगा उत्तर प्रदेश के बलिया से अपनी सफारी गाड़ी से शराब की तस्करी कर रहा था और उसे शराब को लेकर छपरा जा रहा था। इसी दौरान मद्य निषेध विभाग ने फर्जी दारोगा को दबोच लिया। पूछताछ में दरोगा ने बताया कि उसने हाल में पुलिस की वर्दी सिलवाई थी और पहली बार यूपी से बाहर खेप देने आ रहा था, तभी मद्य निषेध विभाग की टीम ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने फर्जी दारोगा को जिस लग्जरी गाड़ी से दबोचा है। उसमें पीछे की ओर नंबर प्लेट पर पुलिस का सिंबल भी लगा था। साथ ही एयरफोर्स का लोगो भी था। आरोपी ने बताया कि वो पहले एक बार शराब की तस्करी के मामले में करीब 8 महीने पहले यूपी में गिरफ्तार हो चुका था। इसके बाद शराब की तस्करी के लिए नए-नए जुगाड़ इस्तेमाल करने लगा था।

मद्य निषेध विभाग के सहायक आयुक्त बोले- गुप्त सूचना मिली थी : मद्य निषेध विभाग के सहायक आयुक्त रजनीश ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी, उत्तर प्रदेश से एक लग्जरी गाड़ी में भारी मात्रा में शराब लेकर बिहार लाया जा रहा है। सूचना के बाद विभाग ने फौरन कार्रवाई करते हुए लग्जरी गाड़ी का पीछा किया। मद्य निषेध विभाग ने कायमनगर के पास लग्जरी गाड़ी को देखा और रोक लिया। जब मद्य निषेध विभाग की टीम ने आगे पुलिस की वर्दी पहनकर बैठे फर्जी दरोगा से पूछताछ करनी चाही, तो उसने रौब जमाना शुरू कर दिया। हालांकि, उसके हावभाव से मद्य निषेध विभाग की टीम को शक हो गया। जैसे ही उसे पकड़ने की कार्रवाई शुरू की गई, वो गाड़ी समेत वहां से भागने लगा। इसी दौरान फर्जी दरोगा ने लग्जरी गाड़ी से एक पिकअप वैन में जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद फर्जी दरोगा को पकड़ लिया गया।

छपरा जिले के मिश्रवलिया का रहने वाला है फर्जी दरोगा: फर्जी दरोगा की पहचान रविकिशन पराशर के रूप में हुआ है, जो बिहार के छपरा जिला के मिश्रवलिया जलालपुर गांव का रहने वाला है। रवि किशन पिछले कई वर्षों से पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल हो रहा था। रवि किशन से पूछताछ के दौरान पता चला कि पिछले आठ माह पहले वो शराब की तस्करी में ही उत्तर प्रदेश के बलिया से गिरफ्तार हुआ था। इसके बाद उसने पुलिस की वर्दी सिलाई। जिसमें दो स्टार लगाकर दरोगा बन गया और वर्दी पहन कर स्मगलिंग करने लगा। फर्जी दरोगा उत्तर प्रदेश से खुद ड्राइव कर बक्सर बॉर्डर के रास्ते करीब आधा दर्जन थानों को पार करने में सफलता हासिल कर ली थी। वर्दी को देखकर किसी भी चेक पोस्ट पर उसे नहीं रोका गया। कुल 1010 पीस में 283.790 लीटर होता है। जप्त शराब का बाजार मूल्य करीब 05 लाख के करीब आंका गया।

आरा में घर से निकले यूपी निवासी युवक का शव बरामद

आरा। भोजपुर में घर से निकले एक यूपी निवासी का शव बरामद हुआ है। उसका शव मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महुली गांव में स्थित प्राइवेट स्कूल के पश्चिम साइड गड्ढे से शनिवार की दोपहर बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार मृतक यूपी के बलिया जिला के नरही थाना क्षेत्र के भरौली गांव निवासी सलमू डोम का 40 वर्षीय पुत्र असमल डोम है एवं वह पेशे से मजदूर था। इधर मृतक की पत्नी बबीता देवी ने बताया कि वह शुक्रवार की जब वह सोई हुई थी। तभी रात्रि में करीब तीन बजे वह आरा में अपने रिश्तेदार से मिलने के लिए निकले थे। शनिवार की दोपहर उन्हें सूचना मिली कि उनकी मौत हो गई है। सूचना पाकर परिजन आरा सदर अस्पताल पहुंचे शव को देख उसकी पहचान की। पुलिस ने उसके मृतक के शव को थाना क्षेत्र के महुली गांव स्थित प्राइवेट स्कूल के पश्चिम साइड गड्ढे से बरामद किया था।

भोजपुर सड़क हादसे में जख्मी महिला की मौत

- इलाज के दौरान आरा शहर के धनुपरा स्थित निजी अस्पताल में उसने तोड़ दम
- अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के महादेव गंज गांव के समीप शुक्रवार की शाम घटी घटना
- पुलिस ने शव सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले में शुक्रवार की शाम हुए सड़क हादसे में जख्मी महिला की मौत हो गई। इलाज के दौरान आरा शहर के धनुपरा स्थित निजी अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतका जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मेहन टोला दावां गांव निवासी बृजभार कुमार की 32 वर्षीया पत्नी लालसा देवी है। इधर मृतका जीजा विमलेश कुमार ने बताया कि उनके साढु बृजभार कुमार अपनी पत्नी लालसा देवी व दो पुत्री सलोनी कुमारी एवं मुटरी कुमारी के साथ अपने गांव से बाइक पर सवार होकर रोहतास जिला के दिनारा थाना क्षेत्र के सेमो डीहरी गांव अपने ससुराल जा रहे थे। उसी दौरान आरा मोहनिया नेशनल हाईवे पर महादेवगंज गांव के समीप मारुति कार में उनके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे सभी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। वहीं घटना के बाद चालक कर छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना पाकर अगिआंव बाजार थानाध्यक्ष प्रियंका गुप्ता पुलिस बल के साथ वहां पहुंची और उक्त मारुति कार को जब्त कर थाने ले आई। वाहन के आधार पर इसके मालिक की खोज की जा रही है। जल्द ही सबकुछ सामने आ जाएगा। जिसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद लालसा देवी एवं उनकी पुत्री सलोनी कुमारी की हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। हालांकि उन्हें पटना ना ले जाकर शहर के धनुपरा स्थित निजी अस्पताल में इलाज कर रहे थे। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार की देर रात उसने दम तोड़ दिया। इसके पश्चात परिजन उसके शव को वापस सदर अस्पताल ले आए और उन्होंने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतका को सिर्फ दो पुत्री सलोनी एवं मुटरी है। घटना के बाद मृतका घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद में मृतका के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

हेमन ट्रॉफी में भोजपुर ने रोहतास को 95 रनों से हराया

केटी न्यूज/आरा

बिहार क्रिकेट संघ व भोजपुर जिला क्रिकेट संघ की ओर आयोजित हेमन ट्रॉफी सीनियर अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के छठे मुकाबले में भोजपुर की टीम ने रोहतास को हराया। भोजपुर बनाम रोहतास की टीम के बीच मुकाबला महाराजा कॉलेज के मैदान पर खेला गया। मैच से पहले महाराजा कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ ओपी राय व डॉ अभिषेक आनंद की ओर से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करती हुई भोजपुर की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट के नुकसान पर 285 रनों का स्कोर बड़ा किया। भोजपुर टीम की तरफ से कप्तान अंकित राज ने सर्वाधिक 73 रनों की पारी खेली, वरुण राज ने 61 रन और अमर ने 53 रनों की पारी खेली। शानदार गेंदबाजी करते हुए सागर ने सर्वाधिक चार विकेट व सिद्धार्थ ने दो विकेट चटकाये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रोहतास की पूरी टीम 42 ओवरों में 190 रनों पर सिमट गई। रोहतास टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए तरुण ने सर्वाधिक 49 रनों की पारी खेली।

मारपीट में जख्मी महिला की हुई मौत

- पीउदवंतनगर थाना क्षेत्र के उदवंतनगर पातर टोला गांव में बीते मंगलवार की सुबह घटी थी घटना
- परिजन ने जमीनी विवाद को लेकर मारपीट कर मारने का लगाया आरोप

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले जिले में मारपीट मैं जख्मी हुई महिला की मौत हो गई इलाज के दौरान शुक्रवार की मध्य रात्रि पटना के पीएमसीएच में उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतका उदवंतनगर थाना क्षेत्र के पातर टोला गांव निवासी राजा प्रसाद यादव की 60 वर्षीया पत्नी कुंती देवी है। इधर मृतका के बेटे इंदल यादव ने बताया कि 4 मार्च बीते मंगलवार की सुबह सभी लोग घर से अपने काम पर निकले हुए थे और घर पर उसकी मां कुंती देवी अकेली सथी। तभी उसके चाचा राजाराम यादव द्वारा कहां जा रहा था कि उनके घर के दीवार में उनकी दो गज जमीन चली गई है। जिसके उसकी मां द्वारा कहा गया कि आप अमीन को बुलाकर जमीन की नापी करवा लो। लेकिन वह कहने लगे कि मैं अमीन नहीं बुलाऊंगा। इसी बात को लेकर उनके बीच तीखी नोंकझोक हुई। जिसके बाद उनकी पत्नी द्वारा उसकी मां को सीढ़ी से धकेल दिया गया। जिससे वह गिर पड़ी। इसके बाद उनके दोनों बेटों ने मिलकर लाठी-डंडों से उनकी पिटाई कर दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया था। जिसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए पटना स्थित पीएमसीएच ले गए। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार की मध्य रात्रि उन्होंने दम तोड़ दिया।

आवास सर्वेक्षण में अनियमितता की शिकायत पर संबंधित के विरुद्ध होगी कार्रवाई

भोजपुर डीएम का आदेश... महादलित टोलों में विकास कार्य जल्द से जल्द पहुंचे

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के महादलित टोलों में विकास कार्यों को समय से पहुंचाने का आदेश दिया गया। साथ ही एसडीओ को लगातार निगरानी करते रहने के निर्देश दिये गये। इसे लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम तनय सुल्तानिया की ओर से समीक्षा की गई। इस दौरान नल जल, आवास सर्वेक्षण एवं शौचालय से वंचित घरों में निर्माण समेत अन्य कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरा सभी बीडीओ को निर्देश दिया कि शत-प्रतिशत सर्वेक्षण कर सभी पात्र लाभुकों का नाम जोड़ा जाए। साथ ही आवास सर्वेक्षण में किसी भी प्रकार की अनियमितता की शिकायत मिलती है, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का

निर्देश दिया गया। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में डीएम ने डीपीएम और जीविका को निर्देश दिया कि महादलित टोलों में पात्र महिलाओं के स्वयं सहायता समूह गठित कर उन्हें एसजेवाई, सतत जीविकोपार्जन योजना से अच्छादित किया जाए। अंचल अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि प्रत्येक महादलित टोल में विशेष शिविर आयोजित कर वास योग्य भूमि को चिन्हित किया जाए और नए जमाबंदी दाखिल- खारिज का शीघ्र निपटारा किया जाए। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को महादलित टोलों के भ्रमण के दौरान नल जल योजना की स्थिति का निरीक्षण करने और बंद पड़े नल जल की रिपोर्ट जिला पंचायती राज पदाधिकारी एवं डीडीसी को सौंपने का निर्देश दिया गया। श्रम परिवर्तन पदाधिकारी के माध्यम से महादलित टोलों में विशेष कैंप आयोजित कर ई- श्रम कार्ड निर्माण करवाने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही स्वच्छता कार्यालय द्वारा तैयार रोस्टर के अनुरूप पंचायत सचिव, ग्रामीण आवास सहायक, विकास मित्र, प्रखण्ड समन्वयक, स्वच्छता आदि की मदद से नुक्कड़ नाटक के समय योजनाओं से वंचित लाभुकों से आवेदन प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में डीडीसी डॉ अनुपमा सिंह के साथ जिला पंचायती राज पदाधिकारी, उपनिर्वाचन पदाधिकारी, डीआर डीए डायरेक्टर, जिला कल्याण पदाधिकारी, अपर जिला पंचायती राज पदाधिकारी, डीपीएम जीविका समेत कई मौजूद थे।

पीएलएफआई नक्सली महावीर गोप गिरफ्तार, जमीन और बालू माफियाओं की लेवी से कर रहा था संगठन विस्तार

खूंटी, एजेंसी। पीएलएफआई संगठन को जड़ से खत्म करने की दिशा में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है. इसी कड़ी में पीएलएफआई का कुख्यात और मोस्ट वांटेड नक्सली महावीर गोप को रांची से गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

खूंटी एसपी अमन कुमार ने महावीर गोप के गिरफ्तारी की पुष्टि की है. एसपी ने बताया कि कर्रा, जरियगड़, कामडारा और लापुंग थाना क्षेत्र में महावीर गोप ने कई नक्सली वारदातों को अंजाम दिया. महावीर गोप को गिरफ्तार करने के लिए एएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई थी. जिसमे सर्किल इंस्पेक्टर अशोक सिंह, रनिया थाना प्रभारी विकास जायसवाल, जरियगड़ प्रभारी राजू कुमार शामिल रहे.

गठित टीम लागातार महावीर गोप के ठिकानों में

छापेमारी कर चुकी थी. इसी बीच पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली कि महावीर कोलकाता भागा हुआ है और वो शुक्रवार को रांची लौटा है. इस सूचना पर रनिया प्रभारी विकास जायसवाल और जरियगड़ प्रभारी राजू कुमार ने रांची जिला के शहरी इलाके से उसे गिरफ्तार कर खूंटी लाई और प्रारंभिक जांचोपरांत उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया. एसपी अमन कुमार ने बताया कि पीएलएफआई का इनामी नक्सली मार्टिन केरकेटा और दुर्गा सिंह के संपर्क में लगातार रहा है. वो लेवी के पैसों को मार्टिन और दुर्गा के सहयोग से क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने में जुटा था. एसपी ने बताया कि महावीर गोप ने पुलिस को कई खुलासे किए हैं, जिसका सत्यापन किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि कई कई सफेदपोश पुलिस के रडार में है जल्द ही उनकी गिरफ्तारी भी संभव है.

तोरपा अनुमंडल क्षेत्र में था दहशत

जरियगड़ थाना क्षेत्र के कीनूटोली निवासी महावीर गोप वर्षों से पीएलएफआई संगठन से जुड़ कर तोरपा अनुमंडल क्षेत्र में दहशत कायम किये हुए था. जमीन माफियाओं से सांठगांठ कर क्षेत्र की जमीनों पर जबरन कब्जा कराने का काम करता था. क्षेत्र में विकास कार्यों में लगे ठेकेदारों एवं अवैध बालू माफियाओं से लेवी वसूली कर संगठन विस्तार में लगा हुआ था. महावीर गोप के खिलाफ खूंटी सहित आसपास के जिलों के थानों में दर्जनों नकलसी कांड पूर्व से दर्ज है. हाल के तीन महीनों के भीतर गुमला जिला के कामडारा, रांची के लापुंग और खूंटी के जरियगड़ और कर्रा थाना में कई नक्सली कांडों को अंजाम दे चुका है. महावीर का भाई और एरिया कमांडर तिलकेश्वर गोप के जेल जाने के बाद से महावीर क्षेत्र में आना वर्चस्व कायम करने में जुटा हुआ था.

संक्षिप्त समाचार

49 दिनों बाद सऊदी अरब से पलामू पहुंचा शादाब हुसैन का शव

पलामू, एजेंसी। जिले के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के मुस्लिम नगर के रहने वाले शादाब हुसैन की सऊदी अरब में 17 जनवरी को मौत हो गई थी. करीब 49 दिनों के बाद शादाब हुसैन का शव शुक्रवार को पैतृक घर पर पहुंचा. शादाब हुसैन का शव सऊदी अरब से सबसे पहले लखनऊ एयरपोर्ट पर पहुंचा था और फिर बाद में एम्बुलेंस के माध्यम से शव को घर पर लाया गया है.

दरअसल, शादाब हुसैन सऊदी अरब में नौकरी करने 23 जुलाई 2024 को गए थे. 17 जनवरी को शादाब कंपनी में नौकरी कर वापस लौटे थे. जहां सुबह उनका शव बरामद हुआ था. उस दौरान शादाब के दोस्त एवं करीबियों के तरफ से मौत की जानकारी परिजनों को दी गई थी. शादाब हुसैन के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं.

अंजुमन इस्लामिया के सदर गुड्डू खान ने बताया कि राज्य सरकार के मंत्री इरफान अंसारी ने शादाब हुसैन का शव लाने की पहल की थी. जिसके बाद शादाब का शव झारखंड पहुंचा है. इधर, शादाब के शव पहुंचने के साथ पूरे परिवार में चीख पुकार मच गई. शव पहुंचने के साथ बड़ी संख्या में परिवार एवं आसपास के लोग घर पर पहुंचे थे. बता दें कि शादाब हुसैन का शव लाने के लिए पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने भी झारखंड सरकार के श्रम विभाग से बातचीत की थी. साथ ही शव को वापस भारत लाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने को कहा था.

गढ़वा में फायरिंग: बाइक सवार अपराधियों ने युवक को मारी गोली

गढ़वा, एजेंसी। जिले के चिनिया थाना क्षेत्र के टहले घाटी के पास बाइक सवार दो अपराधियों ने एक युवक को गोली मारी है. घटना को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी मौके से फरार हो गए. गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है. घायल शख्स की पहचान चिनिया थाना क्षेत्र के सीगसिंगा गांव निवासी शेठ साव का पुत्र योगेन्द्र प्रसाद (35 वर्ष) के रूप में की गई है. वहीं घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई. लोगों ने घायल युवक को उठाकर सदर अस्पताल में भर्ती कराया. जहां प्राथमिक उपचार कर युवक को रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया है.

युवक के गले में फंसी है गोली- सदर अस्पताल के चिकित्सक अमित कुमार ने बताया कि चिनिया प्रखंड से युवक को गोली लगी है. चिकित्सक के अनुसार गोली युवक की पीठ में लगते हुए गले के इर्द-गिर्द जा फंसी है. प्राथमिक उपचार कर युवक को रांची के रेफर कर दिया गया है.

पटना दीघा घाट से चोरी हुई मोटरसाइकिल पहुंची पलामू, एक गिरफ्तार, चार बाइक बरामद

पलामू, एजेंसी। छठ पूजा के दौरान पटना के दीघा घाट से चोरी हुई मोटरसाइकिल पलामू से बरामद हुई है. हालांकि मोटरसाइकिल झारखंड में रजिस्टर्ड है, लेकिन छठ के दौरान यह मोटरसाइकिल पटना के दीघा घाट से चोरी हुई थी. पलामू पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार व्यक्ति के पास से पुलिस ने चोरी की चार बाइक बरामद की है. पलामू की सदर थाना की पुलिस नियमित वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी. इसी क्रम में पुलिस ने एक मोटरसाइकिल सवार को रोका और कागजात की मांग की. कागजात के मिलने के बाद पता चला कि मोटरसाइकिल चोरी की है. इसके बाद पुलिस ने मौके से सोनू कुमार नामक युवक को हिरासत में लिया था. सोनू कुमार की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की तीन और मोटरसाइकिल बरामद की है. इस संबंध में सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार ने बताया कि आरोपी सोनू कुमार के एक रिश्तेदार के घर से चोरी की सभी मोटरसाइकिल बरामद हुई है. बरामद चार मोटरसाइकिल में एक पटना के दीघा घाट में छठ के दौरान चोरी हुई थी.

पारसनाथ शिखर को लेकर विवाद गहराया, धनबाद में सोनोत संथाल समाज का प्रदर्शन

धनबाद, एजेंसी। झारखंड प्रमुख धार्मिक स्थल में पारसनाथ का नाम शामिल है. पारसनाथ पर्वत को लेकर आदिवासी समाज और जैन समुदाय के बीच एक बार फिर विवाद गहरा गया है. इसे लेकर संथाल आदिवासियों ने क्रमबद्ध आंदोलन की घोषणा कर दी है. गिरिडीह जिले में स्थित पारसनाथ पर्वत को संथाल समाज के लोग मरांगबुरू के नाम से पूजते हैं. इस पर्वत के लिए शुरू किए जा रहे आंदोलन के तहत 12 मार्च को देशभर के आदिवासियों का महाजुटान होने जा रहा है. सोनोत संथाल समाज केंद्रीय समिति ने समाहरणालय के सामने धरना दिया. इसके साथ ही डीसी के माध्यम से राष्ट्रपति को मांग का ज्ञापन सौंपा. समिति के केंद्रीय पदाधिकारी ने बताया कि पारसनाथ पर्वत के स्वामित्व को लेकर 12 मार्च को देशभर के आदिवासी मधुबन में एकजुट होकर प्रतिरोध मार्च निकालेंगे. उन्होंने कहा कि हम आदिवासी, मूलवासी, दलित समाज के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं जन संगठन के द्वारा धनबाद समाहरणालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन के माध्यम से राष्ट्रपति से मांग कर रहे हैं कि आदिवासी मूलवासी एवं दलित समाज के जायज मांगों पर उचित पहल करते हुए कार्रवाई की जाए. प्रदर्शन कर रहे रमेश टुडू का कहना है कि मरांगबुरू यानी पारसनाथ पर्वत संथाल आदिवासियों का सर्वश्रेष्ठ देव स्थल है. वह स्थल इको सेंसेटिव जोन घोषित है, बावजूद वहां कई धर्मशालाएं और मठ बनाकर अतिक्रमण किया जा रहा है. सोनोत संथाल समाज की मांग है कि मरांगबुरू स्थल को अतिक्रमण मुक्त किया जाए.

सांसद मनीष जायसवाल के औचक निरीक्षण से शेख भिखारी अस्पताल में मचा हड़कंप

हजारीबाग, एजेंसी। बीजेपी सांसद मनीष जायसवाल ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने अस्पताल के अधीक्षक को फटकार लगाई और हिदायत देते हुए कहा कि स्थिति को सुधार लीजिए वरना सुधारने के और भी रास्ते हैं. शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सांसद मनीष जायसवाल के औचक निरीक्षण से अस्पताल महकमें में खलबली मच गई.

सांसद ने अधीक्षक के सामने रखी अस्पताल की अव्यवस्था- दरअसल, बीजेपी सांसद को कुछ दिनों से शिकायत मिल रही थी कि अस्पताल में पैसे लेकर कंबल, व्हीलचेयर और स्ट्रेचर की सुविधा दी जाती है. शिकायत में यह भी सामने आया था कि पैसा नहीं होने पर मोबाइल को गिरवी रखवा लिया जाता था. उन्होंने हकीकत को जानने के लिए अस्पताल का औचक निरीक्षण किया.

निरीक्षण करने के दौरान उन्होंने पाया कि जिस काउंटर से मरीजों का पंजीकरण होता है वहां स्टाफ नहीं था. उन्होंने इमरजेंसी सेवा का भी औचक निरीक्षण किया. वहां की स्थिति से भी वे काफी नाराज नजर आए. उन्होंने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनुकरण पुर्ती के केबिन में पहुंचकर उनसे मुलाकात की और

अव्यवस्थाओं को लेकर जमकर फटकार लगाई.

उन्होंने कहा कि आखिर किस नियम के तहत मरीज के परिजनों से पैसा लिया जा रहा है. सांसद ने अधीक्षक से लिखित में आवेदन देकर मांग की है कि आप किस नियम के तर्ज पर पैसों की मांग कर रहे हैं. उन्होंने अस्पताल प्रबंधक को अल्टीमेटम दिया है कि जल्द से जल्द स्वास्थ्य व्यवस्था को ठीक करें.

जनता तक ठीक से पहुंचे स्वास्थ्य सुविधाएं: सांसद- सांसद मनीष जायसवाल ने चिकित्सकों को चेताया है कि वह मरीजों के साथ अपना व्यवहार ठीक रखें. इसके साथ ही स्वास्थ्य सुविधा आम जनता तक सुनिश्चित हो, इसे लेकर प्रबंधन काम करें नहीं तो दूसरे तरीके से सिस्टम को दुरुस्त किया जाएगा. आपको बतातें चले कि बीजेपी सांसद मनीष जायसवाल ने एक महीने में दूसरा निरीक्षण शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का किया है. उन्होंने स्पष्ट किया है कि समाज के निचले तबके लोगों को उचित स्वास्थ्य लाभ मिलना चाहिए.

सारंडा में लौह अयस्क खदान खेतों को रहा बंजर ! रैयतों की शिकायत पर डीसी ने दिए निर्देश

चाईबासा, एजेंसी। सारंडा में संचालित लौह अयस्क खदान से होने वाले प्रदूषण से जामकुंडिया गांव के रैयतों की खेती योग्य भूमि बंजर हो रही है. खदान से निकलने वाला लाल पानी उनके खेतों को बंजर कर रहा है. इसको लेकर रैयतों ने पश्चिमी सिंहभूम उपायुक्त से अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शिकायत की.

इन शिकायतों को लेकर पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त कुलदीप चौधरी के अध्यक्षता में समन्वय बैठक का आयोजन किया गया. इस दौरान उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, अपर उपायुक्त प्रवीण केरकट्टा, जगन्नाथपुर अनुमंडल पदाधिकारी महेंद्र छोटन उरांव सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी, सेल के पदाधिकारी व जामकुंडिया गांव के रैयत भी मौजूद रहे. इस बैठक में डीसी द्वारा गुआ सेल लोह अयस्क खान के बहते लाल पानी, मिट्टी, कंकड़ से जामकुंडिया गांव अंर्तगत कृषि योग्य भूमि के बंजर होने के मामले में प्रभावित रैयतों की समस्याओं से अवगत हुए. जिसके बाद उपस्थित सेल के पदाधिकारी से वर्तमान समय में सीएसआर के तहत संचालित कार्यों के बारे में बिंदुवार जानकारी ली गई. साथ ही निर्देश दिया गया कि अब तक संपादित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी जिला कार्यालय में भी उपलब्ध करवाया जाए.

समन्वय बैठक में ये दिए गए निर्देश

इस बैठक में उपायुक्त के द्वारा जगन्नाथपुर अनुमंडल पदाधिकारी को प्रभावित रैयतों एवं सेल के पदाधिकारियों की उपस्थिति में विकासात्मक व रोजगारपरक कार्यों के निमित्त बैठक का आयोजन करने का निर्देश दिया गया. सेल के पदाधिकारियों को खदान से निकलने वाले लाल पानी, मिट्टी एवं डस्ट का प्रवाह खेतों, जलस्रोतों में ना हो, इस पर प्रभावी रूप से रोक लगाने का निर्देश दिया गया.

वहीं जिला कृषि पदाधिकारी को प्रभावित रैयत की जमीन एवं आसपास के खेतों की मिट्टी का जांच करवाते हुए सात दिनों के भीतर जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया. जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी एवं जिला उद्यान पदाधिकारी को विभाग के माध्यम से संचालित सरकारी योजनाओं का लाभ संबंधित गांव के लोगों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया.

जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक को उक्त क्षेत्र की महिलाओं को जीवकोपार्जन, स्वरोजगार समेत लाइवलीहुड के अन्य कार्यक्रमों से जोड़ने का निर्देश दिया गया. पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को संबंधित गांव में पेयजल हेतु उपलब्ध जल स्रोतों का अवलोकन एवं आवश्यकता अनुसार नए जल स्रोत के निर्माण से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया.

सभी संबंधित पदाधिकारी, सेल के पदाधिकारी एवं रैयतों को आपसी समन्वय स्थापित कर संबंधित ग्राम में जीवन यापन के लिए आधारभूत एवं मूलभूत सुविधाओं का आकलन करने का निर्देश दिया. इसके साथ ही संबंधित आवश्यकताओं को सीएसआर के माध्यम से पूरा करते हुए ग्रामीणों को लाभान्वित करने का निर्देश दिया गया.

मेराल प्रखंड के एसएफसी गोदाम में करोड़ों का राशन घोटाला ! मामला हुआ दर्ज

गढ़वा, एजेंसी। जिला गढ़वा के मेराल प्रखंड मुख्यालय स्थित एसएफसी के गोदाम से 27 सौ क्विंटल चावल और गेंहू गायब होने का मामला प्रकाश में आया है. इसे लेकर डीसी शेखर जमुआर के निर्देश पर सीओ सह प्रभारी एमओ यशवंत नायक ने मेराल के सहायक गोदाम प्रबंधक सह जनसेवक दीपक चंचल पर मामला दर्ज करवाया है. इन पर 2765.84 क्विंटल खाद्यान्न (चावल, गेहूं) का गबन करने के आरोप है.

गायब खाद्यान्न की कीमत करीब करोड़- खाद्यान्न की सरकारी कीमत लगभग एक करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है. सीओ द्वारा प्राथमिकी के लिए थाना में दिए गए आवेदन पत्र में कहा गया है कि 4 मार्च को उपायुक्त द्वारा सूचित किया गया कि जिला आपूर्ति पदाधिकारी गढ़वा के द्वारा 21 फरवरी को मेराल गोदाम की जांच की गई. जांच के क्रम में लगभग 2765.84 क्विंटल कम खाद्यान्न (चावल, गेहूं) गोदाम में पाया गया. उक्त के आलोक में गोदाम प्रबंधक से स्पष्टीकरण मांगा गया. प्राप्त स्पष्टीकरण स्वीकार्य नहीं है. प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि उपरोक्त खाद्यान्न में गबन (कालाबाजारी) की गई है.

गोदाम प्रबंधक पर मामला दर्ज- इसके जिम्मेदार दीपक चंचल, जनसेवक सह-प्रभारी, सहायक गोदाम प्रबंधक मेराल के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए कार्रवाई की मांग की गई है. सीओ के आवेदन पर मेराल थाना में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करने के बाद थाना पुलिस, गबन के इस बड़े केस में एक्टिव हो गई है. थाना प्रभारी विष्णु कांत एवं केस के अनुसंधान कर्ता पुलिस निरीक्षक चेतन कुमार सिंह ने गोदाम पहुंचकर पीओ तथा गवाह का नाम दर्ज करने के बाद जांच पड़ताल शुरू कर दी है.

नेता प्रतिपक्ष के बाद अब सबकी नजर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पर, चयन को लेकर पार्टी के अंदर कवायद तेज

रांची, एजेंसी। विधायक दल के नेता का चयन हो जाने के बाद प्रदेश भाजपा में अध्यक्ष के चयन को लेकर कवायद तेज हो गई है. माना जा रहा है कि जल्द ही नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव संपन्न करा लिया जाएगा. पार्टी के अंदर चल रहे संगठनात्मक चुनाव के तहत मंडल और जिलों का चुनाव अंतिम चरण में है और इसके पूरा होते ही नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव कराने की तैयारी की गई है.

जल्द प्रदेश अध्यक्ष का होगा चुनाव: सीपी सिंह- इस संबंध में भाजपा के वरिष्ठ नेता सह रांची के विधायक सीपी सिंह कहते हैं कि प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा यह पार्टी तय करती है. लेकिन इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. मंडल और जिला स्तर पर चुनाव की प्रक्रिया जारी है. इसे पूरा होते ही प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होगा. नेता प्रतिपक्ष के रूप में बाबूलाल मरांडी को बनाए जाने पर विधायक चंदेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि पार्टी ने सोच-समझकर के ही विधायक दल का नेता उन्हें चुना है. निश्चित रूप से पार्टी को उनके नेतृत्व में मजबूती मिलेगी.

वहीं भाजपा विधायक राज सिन्हा कहते हैं कि नेता प्रतिपक्ष के बाद अब प्रदेश अध्यक्ष का ही निर्वाचन

होना है और इसे जल्द ही पूरा कर लिए जाने की संभावना है. एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि 50त्न से अधिक जिलों में जिला अध्यक्ष का चुनाव होते ही प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हो सकता है. इसके लिए तैयारी पूरी की जा रही है. संभावना है कि कुछ दिनों के अंदर ही नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हो जाएगा.

रघुवर दास के नाम पर भी चर्चा- वहीं पार्टी के अंदर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के सक्रिय राजनीति में वापसी के बाद यह भी चर्चा की जा रही है कि संगठन को धारदार बनाने के लिए एक बार फिर रघुवर दास को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जाए. रघुवर दास पूर्व में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और उसके बाद 2014 में वे राज्य के मुख्यमंत्री भी बने थे.बहरहाल, नेता प्रतिपक्ष का चयन हो जाने के बाद अब सबकी नजर प्रदेश अध्यक्ष के चयन पर है. फिलहाल बाबूलाल मरांडी नेता प्रतिपक्ष के साथ-साथ बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं.

ओबीसी या फॉरवर्ड कोटे से हो सकता है चयन

भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी के बनाए जाने के बाद यह साफ हो गया है कि प्रदेश अध्यक्ष या तो ओबीसी या फॉरवर्ड कोटे से पार्टी बनाएगी. इसके लिए कई नाम पर चर्चा शुरू हो गई है. प्रदेश अध्यक्ष बनने वाले नेताओं का ट्रैक रिकॉर्ड खासकर संगठन के अंदर उनकी भूमिका और संघ से जुड़े रिश्ते को खंगाला जा रहा है. संभावना यह व्यक्त की जा रही है कि ओबीसी कोटे में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जाए. इसके अलावा सांसद आदित्य साहू, सांसद प्रदीप वर्मा, हटिया विधायक नवीन जायसवाल जैसे नेताओं का नाम चर्चा में है. इसके अलावे फॉरवर्ड कोटे से यदि विचार किया जाता है तो पार्टी के वर्तमान कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र कुमार राय, पूर्व विधायक अनंत ओझा,विधायक राज सिन्हा जैसे नेता प्रदेश अध्यक्ष बन सकते हैं.

टमाटर की खेती में नुकसान की भरपाई के लिए प्रयास शुरू, हजारीबाग के किसानों ने बनाई खास योजना

हजारीबाग, एजेंसी। पूरे झारखंड में हजारीबाग सब्जी की खेती के लिए जाना जाता है, लेकिन इस बार टमाटर की कीमत बेहद कम मिलने के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा. अब किसान टमाटर की खेती में हुए नुकसान की भरपाई खीरा से करने की योजना पर काम कर रहे हैं और खीर की खेती में जुट गए हैं.

2 रुपये किलो में भी नहीं बिक रहे टमाटर- हजारीबाग की सब्जी देश के अन्य शहरों में भी सपलाई की जाती है. खासकर यहां के टमाटर और खीरे की जबरदस्त मांग है. इस बार टमाटर का बंपर उत्पादन होने के कारण किसानों को सही मूल्य नहीं मिल पाया. इस कारण किसानों को काफी नुकसान झेलना पड़ा. हालत यह है कि व्यापारी 2 रुपये किलो टमाटर भी खरीदने को तैयार नहीं हैं. वहीं बाजार में टमाटर 10 में तीन किलो बिक रहा है.

किसान कहते हैं कि मौसम के कारण ऐसा हुआ है. टमाटर की पैदावार अधिक हो गई. जिसके कारण सही मूल्य नहीं मिल पाया है. आलम यह है कि व्यापारी भी नहीं पहुंच रहे हैं.किसान को टमाटर की खेती में लाखों रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है. कटकमसांडी क्षेत्र में लगभग 4000 एकड़ में टमाटर खेती हुई थी. लेकिन सभी किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा.

खीरे की खेती से करेंगे नुकसान की भरपाई- अब किसान उस नुकसान की भरपाई खीरे की खेती से करने की योजना बना रहे हैं. इस बार कटकमसांडी क्षेत्र में भारी मात्रा में खीर की खेती करने की तैयारी है. किसान बताते हैं कि यहां का खीरा दिल्ली, बंगाल और बिहार तक पहुंचता है।

सुभाषितम्

सपने पूरे होंगे लेकिन आप सपने देखना शुरू तो करें।

- अब्दुल कलाम

अमेरिकी आर्थिक संकट का भारतीय एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

अमेरिकी अर्थव्यवस्था उपभोक्ताओं और सेन्य कारोबार पर निर्भर रही है। हाल के वर्षों में यह संतुलन बिगड़ता हुआ दिख रहा है। बढ़ती महंगाई, रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा क्रेडिट कार्ड कर्ज, उच्च ब्याज दरें, अमेरिकी उपभोक्ताओं के क्रय शक्ति को प्रभावित कर रही हैं। इसका सीधा असर खुदरा बिक्री और प्रमुख कंपनियों के राजस्व पर पड़ रहा है। जिससे अमेरिका में आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका की आर्थिक स्थिति बिगड़ने का प्रभाव केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा। भारत, चीन और यूरोप जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भी इससे अछूती नहीं रहेंगी। वैश्विक वित्तीय बाजारों में तेजी के साथ वित्तीय अनिश्चितता बढ़ेगी। निवेशकों का रुझान डॉलर की ओर जाएगा। इससे भारतीय रुपये की कमजोरी और भी बढ़ना तय है। इस कारण भारत में महंगाई अधिक बढ़ने की संभावनाएं हैं। भारत में कच्चे तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य आयातित वस्तुओं की कीमतें 10 से 15 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। जिससे आम नागरिकों की रोजमर्रा की जरूरतें महंगी हो जाएंगी। अमेरिकी मंदी का असर भारतीय निर्यात कारोबार पर भी पड़ना तय है। भारत के आईटी सैक्टर, दवा उद्योग, कपड़ा और आभूषण क्षेत्र अमेरिकी बाजारों पर निर्भर है। यदि वहां मांग कम होती है, तो इन क्षेत्रों में उत्पादन और रोजगार पर संकट भारत में भी गहरा सकता है। इसी तरह, विदेशी निवेश में भी कमी आना तय है। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशक लगातार अपना निवेश निकाल रहे हैं। जिसके कारण भारत में शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली है। यह स्थिति टैरिफ वार के पहले की है। जब टेरिफ वार शुरू होगा, तो उसके बाद क्या स्थिति होगी। इसका आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। भारतीय स्टार्टअप और छोटे व्यवसायों को आने वाले समय में फंडिंग मिलना मुश्किल हो सकता है। अमेरिका का यह संकट भारत के लिए एक अवसर भी बन सकता है। भारत सरकार घरेलू उद्योग और बाजार को मजबूत करने के सुनियोजित प्रयास युद्ध स्तर पर किए जाएं, तो भारत के लिए सुनहरा अवसर भी हो सकता है। भारत की आबादी उसके लिए बड़ी पूंजी बन सकती है। चीन की तर्ज पर भारत के बाजार को वैश्विक मांग के अनुसार विकसित किया जा सकता है। सरकार को निर्यात मे विविधता देने के लिये घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और रुपये को वैश्विक बाजार में स्थिर बनाये रखने के लिए नई रणनीति बनानी होगी।

अमेरिका की आसन्न मंदी का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इसकी गंभीरता इस पर निर्भर करेगी, विभिन्न देश कितनी कुशलता से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को संतुलित कर पाते हैं। भारत को इस संकट के प्रति सतर्क रहकर दीर्घकालिक नीतियों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत सरकार को इस तरह से अपनी नीतियां बनानी होंगी, जिससे भारत में स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़े, निर्यात व्यापार के लिए छोटे उत्पादकों और कारोबारियों को मौका मिले, इसका ध्यान रखना जरूरी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह की नीतियां लागू करने की कोशिश की है इसका असर भारत सहित दुनिया के सभी देशों में पडने जा रहा है। चीन और यूरोप के देशों ने अमेरिका की इस नई नीति के विरोध में अपनी कमर कस ली है। अमेरिका को वह बराबरी से जवाब देने की तैयारी कर रहे हैं। भारत सरकार ने अपनी किसी नीति का खुलासा नहीं किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दो महीने में भारत को लेकर जो नीति बनाई है और कार्रवाई की है, उसके बारे में भारत सरकार का मौन साध लेना भारत के साथ-साथ वैश्विक कूटनीतिक एवं सामरिक संबंधों को भी प्रभावित कर रहा है। भारत सरकार दो पाटों के बीच में फंसकर रह गई है। भारत सरकार अभी तक समझ ही नहीं पा रही है, उसे स्थिति का मुकाबला किस तरह से करना है। आर्थिक क्षेत्र में भारत सरकार की जो नीतियां हैं। वह लगातार भारतीय अर्थव्यवस्था को नीचे की ओर ले जा रही हैं।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है। निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है। निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी। अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए।

विश्व में दो विजनों का आगाज - मेक इन इंडिया, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर फिर एक बार पूरी दुनियाँ को मानना पड़ेगा कि, क्यों अमेरिका को दुनियाँ के बादशाह की संज्ञा दी गई है। पिछले दिनों हमने देखे कि किस तरह रुस को मोहरा बनाकर यूक्रेन पर दबाव, फिर व्हाइट हाउस में ट्रंप जेलेंसकी की शाब्दिक गर्माहट, अनेक देशों के तख्ता पलट यानी सत्ता की चाबी, इसका नतीजाज जेलेंस्की द्वारा 5 मार्च 2024 को रुस से युद्ध समाप्त करने की हामी भरी और एक चिट्ठी लिखकर इशारा सहित इसके पहले अप्रवासियों को बाहर का रास्ता दिखाना सहित अनेक कठोर कदमों के साथ दिनांक 5 मार्च 2024 को अमेरिकी कांग्रेस को ट्रंप प्रशासन -2 का पहला संबोधन हुआ, जिसमें पाकिस्तान की तारीफ, वैश्विक मुद्दों की चर्चा, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन को ध्यान में रखते हुए भारत चीन सहित अनेकों देशों पर रेसिप्रोकल टैक्स 2 अप्रैल 2025 को लागू करने की घोषणा की, यानें जो देश जितना टैक्स इंपोर्ट पर लगता है उतना ही रिसिप्रोकल टैक्स उसके एक्सपोर्ट पर भी लगाई जाएगी, इसीलिए अनेक देशों में खलबली मची हुई है। अनेक चीजों पर भारत-अमेरिकाएक दूसरे पर निर्भर हैं अगर दोनों एक दूसरे पर उतना टैक्स लगा देंगे तो अत्यधिक महंगाई हो जाएगी जिसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा वैसी ठीक वैसी ही स्थिति अमेरिका के पास भी उत्पन्न होगी खासकर भारत को फार्मास्यूटिकल प्रौद्योगिकी सहित अनेक क्षेत्रों में अमेरिका के साथ व्यापार होता है जो अमेरिका वालों को सस्ता लगता है इसलिए वे भारतीय चीजों को रिस्पांस देते हैं,परंतु अब इसपर रेसिप्रोकल टैक्स लगने से भारतीय उद्योगों को एमएसएमई सहित जो एक्सपोर्ट करते हैं उनकी बहुत अधिक फजीहत होने की संभावना है, क्योंकि उनका माल अमेरिका नहीं जा सकेगा क्योंकि अमेरिका जो भी जो माल आएगा उसपर भी टैरिफ लगाए आने से इसकी कीमतें बढ़ जाएगी, जिसका अल्टीमेटली फर्क उपभोक्ताओं को ही पड़ेगा, क्योंकि वह चीजें महंगी होंगी तो लोगों की जेब से अधिक पैसे खर्च होंगे इसलिए वे भारतीय चीजें लेना बंद कर देंगे ट्रंप का मानना है कि इसके दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। मेरा मानना है इसका असर अमेरिका सहित इत्यादि अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी पढ़ सकनें की संभावना है, क्योंकि विश्व में दो विजन्स का आगाज चल रहा है, मेक इन इंडिया तथा मेक अमेरिका ग्रेट अगेन इसलिए आज मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमेरिका का रेसिप्रोकल टैक्स बम 2 अप्रैल 2025 से लागू, भारत चीन सहित अनेकों देशों में खलबली मचना तय होने की संभावना? साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा भारत सहित कुछ देशों पर 2 अप्रैल 2025 से रेसीप्रोकल टैक्स लगाने कीघोषणा करने की करें तो, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत को रेसिप्रोकल ट्रैरिफ लगाने की बात को दोहराया है, उन्होंने कहा कि भारत, चीन सहित दुनिया के कई देशों पर 2 अप्रैल से रेसिप्रोकल ट्रैरिफ लगाया जाएगा, इससे पहले कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत और चीन पर लगे 10 प्रतिशत ड्यूटी को बढ़ाकर 20 प्रतिशत लागू कर दिया था, ट्रंप के इस कदम से ग्लोबल मार्केट में अस्थिरता देखी जा रही है। दरअसल, ट्रंप 5 मार्च 2025 को कांग्रेस के ज्वाइंट सेशन को संभोधित कर रहे थे, उन्होंने इस दौरान अमेरिका रिच अगेन का आह्वान करते हुए इसका ऐलान किया,उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि दूसरे देशों की ओरसे अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिसेस को रोकने के लिए यह बेहद जरूरी कदम है। यह फैसला अमेरिका की इंडस्ट्रीज और वर्कर्स को प्रोटेक्ट करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस वजह से 2 अप्रैल को लागू होगी नई टैरिफ पॉलिसी,ट्रंप ने कहा, यह सिस्टम संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सही नहीं है और न ही कभी था, वे हम पर जो भी ड्यूटी लगाएंगे, हम उन पर शुल्क लगाएंगे, यदि वे हमें अपने मार्केट से बाहर रखने के लिए गैर-मौद्रिक बाधाएं डालते हैं, तो हम भी ऐसा ही करेंगे, इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि ट्रैरिफ 2 अप्रैल से क्यों लागू किया जाएगा।ट्रंप ने मजाक तौर पर कहा कि पहले 1 अप्रैल से यह नीति लागू होने वाली थी, लेकिन इसे एक दिन आगे इसलिए टाल दिया गया कि इसे अप्रैल फूल न करार दिया जाए! बता दें कि ट्रंप की नई ट्रैरिफ नीति कनाडा, मैक्सिको, चाइना, यूरोपीय संघ और भारत सहित कई दिग्गज ट्रेड पार्टनर्स पर लागू होगी। साथियों बात अगर हम रेसिप्रोसिल टैक्स से भारत को असर पढ़ने की संभावना की करें तो,बता दें कि अमेरिकी रेसिप्रोकल पॉलिसी का भारत पर गहरा असर पड़ेगा। इससे भारत के कई सेक्टरों को भारी नुकसान झेलने की आशंका है, दअसल, भारत अमेरिका को जेनेरिक मेडिसीन को एक्सपोर्ट करता है, जिससे भारत की दवा कंपनियों को मोटी आमदनी होती है, ऐसे में टैरिफ नीति से फॉमार्सुटिकल कंपनियों को भारी नुकसान होगा,इसके अलावा, आईटी सेक्टर पर भी गहरा नुकसान होने की उम्मीद है। ट्रंप यह कदम भारत की आईटी कंपनियों के लिए मुसिबत बन सकता है, इन्हें अमेरिका में प्रोजेक्ट्स मिलने में बांधा आएगी, इसके अलावा, ऑटोमोबाइल, मेटल सहित कई सेक्टरों को नुकसान होने की आशंका है। क्या होता है रेसिप्रोकल टैरिफ? रेसिप्रोकल टैरिफ का मतलब जब किसी देश को अन्य देश से एक्सपोर्ट और इंपोर्ट पर समान टैरिफ चुकाना पड़ता है तो उसे रेसिपोकल टैरिफ कहा जाता है। समझने के लिए: मान लीजिए कि अगर अमेरिका भारत से ऑटो सेक्टर के सामान इंपोर्ट करता है और उसे 25 प्रतिशत का टैरिफ देना पड़ता है तो, भारत को भी अमेरिका से ऑटो सेक्टर के सामान इंपोर्ट करने पर 25 प्रतिशत का टैरिफ देना होगा। ट्रंप का रेसिप्रोकल टैरिफ लागू करने के पीछे का मकसद अमेरिका एक्सपोर्ट के साथ उचित व्यवहार सुनिश्चित करना है, जो अप्रत्यक्ष रूप से उन पार्टनर देशों को भी संबोधित करता है, जो यूएस ट्रेड को असंतुलित करते हैं। नुमोरा ने एक कॉमन ट्रेंड को हाईलाइट करते हुए कहा कि अमेरिका से ट्रांसपोर्ट और एग्रीकल्चर सेक्टर के प्रोडक्ट इंपोर्ट करने पर बहुत ज्यादा टैरिफ है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 5 मार्च 2024 को ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस ट्रंप-2 शासन के प्रथम अधिवेशन के संबोधन में मुख्य 10 बातों की करें तो,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल से भारत पर जैसा को तैसा टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि भारत हमसे 100 पेर्सेंट से ज्यादा टैरिफ वसूलता है, हम भी अगले महीने से ऐसा ही करने जा रहे हैं। उन्होंने रिकॉर्ड 1 घंटा 44 मिनट का भाषण दिया। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने सिर्फ 1 घंटे का भाषण दिया था।ट्रम्प ने भाषण की शुरूआत अमेरिका इज बैक, यानी अमेरिका का दौर लौट आया है से की। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने 43 दिन में जो किया है वह कई सरकारें अपने 4 या 8 साल के कार्यकाल में नहीं कर पाईं। राष्ट्रपति ट्रम्प के पहले भाषण की 10 अहम बातें की (1) जैसे को तैसा टैरिफः 2 अप्रैल से जैसे को तैसा टैरिफ लागू होगा। दूसरे देश हम पर भारी टैरिफ और टैक्स लगाते हैं, अब हमारी बारी है। अगर कोई कंपनी अमेरिका में प्रोड्क्ट नहीं बना रही है तो उसे टैरिफ देना होगा। (2) यूक्रेन जंगः जेलेंस्की जल्द से जल्द यूक्रेन जंग खत्म करने को लेकर बातचीत के लिए आने को तैयार हैं। हमने रूस के साथ गंभीर बातचीत की है। हमें मॉस्को से मजबूत संकेत मिले हैं कि वे शांति के लिए तैयार हैं (3) अप्रवासी मुद्दाः पिछले चार साल में 2.1 करोड़ लोग अवैध रूप से अमेरिका में घुसे हैं। हमारी सरकार ने अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा बॉर्डर और इमिग्रेशन क्रैकडाउन शुरू किया है। (4) जो बाइडेनः बाइडेन अमेरिकी इतिहास के सबसे खराबराष्ट्रपति हैं। उनके कार्यकाल में हर महीने लाखों अवैध लोग देश में दाखिल हुए। उनकी नीतियों के चलते देश में महंगाई बढ़ी। (5) गोल्ड कार्ड वीजाः हम गोल्ड कार्ड वीजा सिस्टम लाने जा रहे हैं। यह ग्रीन कार्ड की तरह है, लेकिन उससे ज्यादा एडवांस है। इससे बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा होंगी और कंपनियों को फायदा होगा। (6) पनामा नहर और ग्रीनलैंडः हम किसी भी तरह पनामा नहर पर कंट्रोल हासिल करेंगे। इसके साथ ही हम किसी भी तरह ग्रीनलैंड को अपने में शामिल करेंगे। हम वहां के लोगों की हिफाजत करेंगे। (7) इलॉन मस्क और ऊ्लक्ष्र: इलॉन मस्क के ऊ्लक्ष्र विभाग ने पिछली फेडरल सरकार के कई घोटालों को उजागर किया है। मस्क को ये विभाग बनाने की कोई जरूरत नहीं थी, लेकिन उन्होंने देश के लिए ऐसा किया। (8) फ्री स्पीचः हमने सरकारीसेंसरशिप पूरी तरह रोक दी है और अमेरिका में फ्री स्पीच वापस ले आए हैं। हमने ऐसे सरकारी तंत्र को खत्म कर दिया है जिसका इस्तेमाल हथियार के तौर पर किया जाता है। (9) तेल और गैसः अमेरिका के पास दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा लिक्विड गोल्ड (तेल और गैस) है। हम अलास्का में बहुत बड़ी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन बिछाएंगे। इसमें कई देश अरबों रुपए निवेश करना चाहते हैं। (10) स्पेस प्रोग्रामः हम विज्ञान की नई सीमाओं को पार करेंगे, इंसान को अंतरिक्ष में आगे ले जाएंगे और मंगल ग्रह पर अमेरिकी झंडा फहराएंगे। हम दुनिया की सबसे उन्नत और शक्तिशाली सभ्यता का निर्माण करेंगे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अमेरिका का रेसिप्रोकल टैक्स बम 2 अप्रैल 2025 से लागू- भारत चीन सहित अनेक देशों मैं खलबली मची।विश्व में दो विजनों का आगाज - मेक इन इंडिया, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन।

जाकिर हुसैनः भारतीय शास्त्रीय संगीत और तबले के आइकन सम्राट

हर्षवर्धन पाण्डे

जाकिर हुसैन भारतीय शास्त्रीय संगीत के एक महान तबला वादक और संगीतकार थे। उन्होंने अपनी शानदार तबला वादन शैली से पूरे विश्व में अपनी पहचान बनाई। जाकिर हुसैन का नाम भारतीय संगीत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। वह भारतीय संगीत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने वाले एक अग्रणी कलाकार थे जिन्होंने अपनी कला से संगीत की नई ऊँचाइयों को छुआ। जाकिर हुसैन का जन्म 9 मार्च 1951 को मुंबई में हुआ था। वह प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद अली अकबर खान के घराने से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता, उस्ताद अल्लाह रक्खा खान, भी एक प्रसिद्ध तबला वादक थे, जो पं.रविशंकर के साथ कई संगीत समारोहों में भाग ले चुके थे। जाकिर हुसैन ने बचपन से ही अपने पिता से संगीत की शिक्षा ली। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के कारण वे बहुत जल्दी एक शानदार तबला वादक बन गए। जाकिर हुसैन का संगीत का सफर बहुत ही प्रेरणादायक रहा। उन्होंने अपनी शुरूआत भारतीय शास्त्रीय संगीत से की लेकिन समय के साथ-साथ उन्होंने वर्ल्ड म्यूजिक, जाज और अन्य संगीत शैलियों को भी अपनाया। वह संगीत के विविध रूपों को समझते हुए विभिन्न शैलियों में माहिर हो गए। जाकिर हुसैन ने न केवल भारतीय संगीत में उत्कृष्टता प्राप्त की, बल्कि उन्होंने पश्चिमी संगीतकारों के साथ भी काम किया। उनका संगीत भारतीय और पश्चिमी संगीत का एक अनोखा संगम प्रस्तुत करता है। उनका नाम ऐसे संगीतकारों के साथ लिया जाता है जिन्होंने भारतीय संगीत को पश्चिमी दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनाया। जाकिर हुसैन की वादन शैली अद्वितीय और प्रभावशाली थी। उनके तबला वादन में एक विशेष तरह की ताजगी और नवीनता दिखती थी। वह शास्त्रीय तकनीकों के साथ-साथ संगीत में सुधार करने की कला में भी माहिर रहे। जाकिर हुसैन लय, गति और ताल की जटिलताओं को साधारण रूप में प्रस्तुत करने में सक्षम थे। उनके तबला वादन की शैली इतनी सहज और सजीव होती थी कि वह श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देती थी। लगभग छह दशकों के करियर में हुसैन ने पंडित रविशंकर और उस्ताद विलायत खान जैसे महान भारतीय कलाकारों के साथ काम किया। उन्होंने जॉन मैकलॉघलिन के साथ शक्ति और ग्रेटफुल डेड के मिकी हार्ट के साथ प्लैनेट ड्रम जैसे प्रतिष्ठित फ्यूजन बैंड बनाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई जमीन बनाई जिसने भारतीय शास्त्रीय संगीत की पहुंच का विस्तार किया जिससे यह दुनिया भर के दर्शकों के लिए सुलभ हो गया। उन्होंने मलयालम फिल्म वनप्रस्थम (1999) के लिए संगीत सलाहकार के रूप में अपने काम के लिए प्रशंसा प्राप्त की जिसका कान फिल्म महोत्सव में प्रीमियर हुआ था। फिल्म को ए.एफ.आई.लॉस एंजिल्स अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में ग्रैंड जूरी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था और 2000 में इस्तांबुल अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते थे। एक कलाकार के रूप में हुसैन कई फिल्मों में अपने झंडे गाड़ते दिखाई दिए जैसे कि वृत्तचित्र जाकिर एंड हिज फ्रेंड्स (1998) और द स्पीकिंग हैंडः जाकिर हुसैन एंड द आर्ट ऑफ द इंडियन ड्रम (2003) जिसका निर्देशन सुमंत्र घोषाल ने किया था। हुसैन ने 1983 की मर्चेंट आइवरी फिल्म हीट एंड डस्ट में इंदर लाल के रूप में अपनी अभिनय प्रतिभा का भी प्रदर्शन किया जहाँ उन्होंने एक सहयोगी संगीत निर्देशक के रूप में काम किया। 2018 में फिल्म निमार्ता और लेखक नसरीन मुन्नी कबीर ने जाकिर हुसैनः ए लाइफ इन म्यूजिक पुस्तक में हुसैन के जीवन और करियर के बारे में लिखा। यह कार्य 2016 और 2017 में आयोजित 15 साक्षात्कार सत्रों पर आधारित था। हुसैन ने इस्माइल मर्चेंट की इन कस्टडी और द मिस्टिक मैसर जैसी फिल्मों के साउंडट्रैक में भी अपना बेमिसाल योगदान दिया। उनके तबला प्रदर्शन को फ्रांसिस फोर्ड कोपोला की एपोकैलिप्स नाउ और बर्नार्डो बटोर्लुची की लिटिल बुद्ध में भी जोड़ा गया था। हुसैन तबला बीट साइंस के संस्थापक सदस्य भी थे जो अमेरिकी संगीतकार बिल लासवेल के नेतृत्व में एक विश्व संगीत सुपरग्रुप था। इस ग्रुप नेसमकालीन इलेक्ट्रॉनिक और वैश्विक संगीत शैलियों के साथ पारंपरिक भारतीय लय को मिश्रित किया। 2016 में हुसैन ने व्हाइट हाउस में अंतर्राष्ट्रीय जैज डे ऑल-स्टार ग्लोबल कॉन्सर्ट में प्रदर्शन किया जिसकी मेजबानी तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने की थी।

जाकिर हुसैन ने संगीत की कई शैलियों में योगदान दिया और भारतीय संगीत को पश्चिमी दुनिया में फैलाने के लिए कई पुरस्कारों से नवाजा गया। उन्हें 1987 में भारत सरकार द्वारा पद्मश्री और 2002 में पद्मभूषण जैसे सम्मान प्राप्त हुए। जहाँ संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1990) प्रदर्शन कला में उत्कृष्टता के लिए इस राष्ट्रीय मान्यता के सबसे कम उम्र के प्राप्तकताओं में से एक रहा वहीं 7 बार के ग्रैमी विजेता, जिसमें 1992 में प्लैनेट ड्रम के लिए उनकी ऐतिहासिक पहली जीत और 2024 में ऐज वी स्पीक, दिस मोमेंट और पश्तो के लिए तीन जीत शामिल रही।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा तब और अब....

विजय कुमार तिवारी

बात तब की है जब मैं जूनियर हाई स्कूल का छात्र हुआ करता था। लखनऊ में पंडित नेहरू का दौरा था। अमौसी हवाई अड्डे पर उनका विमान उतरना था। अब हवाई अड्डे का नाम चौधरी चरण सिंह विमानपत्तन हो गया हैं। पंडित जी विक्टोरिया पार्क में सभा को संबोधित करने वाले थे। शाम को नियत वक्त पर देश के प्रथम प्रधानमंत्री पालिमाउथ कार से उतरे। उनके साथ शार्क स्किन की बुसशर्ट और पैंट पहने लंबे से गलमुछ वाले व्यक्ति भी उतरे। पंडित जी पीछे की सीट से उतरे और यह सज्जन ड्राइवर की बगल से उतरे। पार्क में अनुमान से 20 से 30 पुलिस वाले थे, जो व्यवस्था देख रहे थे। वे नेहरू टोपी भी लगाए थे जो गुलाबी रंग की थी पंडित जी के पीछे की कार से सम्पूर्णानन्द जी और एक और मंत्री भी उतरे थे। उनके साथ कोई भी आदमी नहीं था।

पूछने पर मुझे बताया गया की गलमूछों वाले व्यक्ति रॉय बहादुर जमुना प्रसाद त्रिपाठी थे ,जो उत्तर प्रदेश पुलिस मे पुलिस कप्तान थे। जो प्रधानमंत्री की सुरक्षा मे थे, यानि बॉडीगार्ड थे। बाकी मंत्री अकेले थे। नेहरू जी के साथ शायद तीन या चार गाड़ियां थीं हाँ दो पिकअप थी जिसमे से ही कुछ सिपाही उतरे थे। बस इतनी ही सुरक्षा प्रधान मंत्री की थी।

दूसरे वीआईपी थे ईरान के तत्कालीन शहंशाह आर्यमहर और एम्प्रेस सुरैया का लखनऊ का दौरा। तब स्कूल की तरफ से हम लोगों को उनके गुजरने वाले सड़क पर लाइन से खड़ा कर दिया गया था। हमारे मास्टर साहब ने कहा था कि जब वे गुजरें तब नारा लगाना ह्रशाहे ईरान जिन्दाबादे विदेशी शाही जोड़े के साथ खुली कार में दो लोग शायद सुरक्षा के थे। तीसरा वाकया था, प्रथम अंतरिक्ष यात्री रूस के ह्रयूरी गाग्रिन की लखनऊ यात्रा थी। तब स्कूली छात्रों को बस हाथ हिलाने थे। उनके साथ भी पाँच छह ही गाड़ियां रहीं होंगी। ये सभी राष्ट्र के प्रथम नागरिक के बराबर थे, जो इस सुरक्षा के हकदार थे।

ये वाकया इसलिए याद आया क्यूं कि भोपाल मे औद्योगिक अधिवेशन के उद्घाटन मे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को आना था शहर को ह्रसेनेटाइज करने के एनएसजी के निर्देश पर भोपाल की एक तिहाई इलाके को बड़ाबांदी कर दी गई। बीस-तीस सड़क मार्ग को एकांगी कर दिया गया। अनेकों मार्गों को बंद कर दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजभवन से ट्राइबल मूजियाम के रास्ते पर तो घंटों पहले लोगों की आवाजाही को रोक दिया गया था। अब सुरक्षा के नाम पर ऐसी कवायद शायद ही किसी अन्य राष्ट्र में होती होगी, जहां तक मुझे जानकारी हैं। वैसे इतनी तो सुरक्षा इंदिरा गांधी या राजीव गांधी की भी नहीं हुआ करती थी। हाँ आवागमन से आधे से एक घंटे पूर्व ही ट्रैफिक रोका जाता था। पर अब तो ....

आज का राशिफल

मेष आज का दिन लाभ और सफलता से भरा रहेगा। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।	**तुला** दिन मेहनत वाला रहेगा। ज्यादा काम करना पड़ेगा। राज्य और समाज से सहयोग मिलेगा।
वृषभ आज करियर में लाभ होगा। हर प्रकार की चिंता से दूर रहेंगे। सुख-भोग के साधनों में वृद्धि होगी।	**वृश्चिक** सेहत में गिरावट आ सकती है। बिना मन के भी अनावश्यक खर्चे करने पड़ सकते हैं।
मिथुन आज का दिन करियर के मामले में सफलतादायक रहेगा। जिस काम को लगन से करेंगे।	**धनु** धन लाभ हो सकता है। अपनी समस्याओं का समाधान खुद ढूंढने की कोशिश करें।
कर्क आज करियर में मनचाही सफलता मिलेगी। भाग्य आपका साथ देगा। ज्ञान में वृद्धि होगी।	**मकर** अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर पाएंगे और करियर में इनको आगे बढने का मौका मिलेगा।
सिंह चंद्रमा का शुभ योग धन लाभ कराएगा। शान-शौकत पर धन खर्च करने से सम्मान बढ़ेगा।	**कुंभ** सकारात्मक बदलाव आएंगे। अनजान व्यक्ति की सलाह जिंदगी बेहतर बनाने में मदद करेगी।
कन्या आज करियर के मामले में लाभ होगा। धन में वृद्धि होगी। प्रभाव और प्रताप में भी वृद्धि होगी।	**मीन** आज दिन बहुत अच्छा रहेगा। दोस्तों की मदद से व्यापार बढ़ेगा। कंपनी की प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

विशेष

कब बंद होंगी ये धमकियां..?

स्कूल-कॉलेज और अस्पतालों के साथ ही ट्रेन और हवाई जहाजों को बम से उड़ाने की धमकियां लगातार मिलने से लोग परेशान आ गए हैं। ताजा मामला बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर अयोध्या एक्सप्रेस के एस8 कोच के टॉयलेट में बम धमाके की धमकी लिखी मिली, जिससे हड़कंप मच गया। संदेश में लखनऊ चारबाग स्टेशन को बम से उड़ाने की बात कही गई थी। रेलवे प्रशासन तुरंत हरकत में आया और ट्रेन को रोककर बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड से जांच कराई गई। करीब एक घंटे की तलाशी के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और ट्रेन आगे अपने गंतव्य को जा सकी। हाल के दिनों में रेलवे को इस तरह की धमकियां मिलती रही हैं, जिनमें से अधिकतर अफवाह साबित हुई हैं। फिर भी प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ऐसे में लोग यही पूछ रहे हैं कि आखिर इन धमकियों से छुटकारा कब मिलेगा और कैसे मिलेगा?

ये चुनावी दौरे और दलों की तैयारी

पीएम नरेंद्र मोदी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे। नेताद्वय आगामी गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से दौरा कर रहे हैं। सियासी विश्लेषक कह रहे हैं कि एक तरफ जहां राहुल गांधी ने दो दिवसीय दौरे में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, जिला अध्यक्षों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की है, तो वहीं प्रधानमंत्री मोदी अपने तय सरकारी कार्यक्रमों के जरिए गुजरात साधने में लगे हुए हैं। ऐसे में राहुल गांधी ने बैठक में कहा कि कांग्रेस 2027 का गुजरात विधानसभा चुनाव जीतेगी और अभी से इसकी तैयारी जरूरी है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1566 स्काट्स की रानी मेरी के निजी सचिव डेविड रिज्जो की हत्या हुई. 1775 पुर्तगाल और स्पेन का युद्ध समाप्त हुआ. 1846 लाहौर संधि के बाद सिख अंग्रेज युद्ध समाप्त हुआ. 1858 अंतिम मुगल शासक बहादुर शाह जफर को रंगून से निष्कासित कर दिया गया. 1876 तुर्की के सैनिकों बल्गारियाई लोगों का संहार किया. 1905 जापान ने मुकदेन में रूसी फौजों को शिकस्त दी. 1942 द्वितीय विश्व युद्ध में जापानियों ने डचों के कब्जे वाले लावा द्वीप पर अधिकार कर लिया..1959 मोसुक (इराक) में सैनिक विद्रोह असफल हो गया..1976 इटली के टेंटों शहर में केबल कार दुर्घटना में 42 व्यक्ति मारे गए. 1986 उपग्रह आधारित दूरभाष संचार का विधिवत उद्घाटन हुआ. 1989 नाटों और वारसा संधि के देशों ने यूरोप में हथियारों की कटोती संबंधी बातचीत विएना में शुरू की. 1990 दोनों जर्मनी के एकीकरण के बारे में प्रारंभिक बातचीत शुरू हुई . 2000 मत विभाजन से पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने इस्तीफा दिया.

दैनिक पंचांग

9 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.35 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मेष	08.05 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.45 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.43 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.57 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.13 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.25 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.36 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.50 ब.से
राहुकाल		धनु	01.06 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		मकर	03.12 बजे से
		कुंभ	04.58 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 68 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081
शक संवत् 1946
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 07.46 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 23.55 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 14.58 बजे को समाप्त।
करण गर 07.46 बजे तदनन्तर वणिज 19.42 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 09.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 04° 29'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872278
जूलियन दिन 2460743.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान
तारीख 08

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

केंद्रीय विद्यालय में कैसे बनते हैं टीचर?

अगर आप भी केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनने की सोच रहे हैं और आपको नहीं पता है कि केंद्रीय विद्यालय में टीचर कैसे बनते हैं तो आपको हम यहां पर बता रहे हैं कि कैसे केंद्रीय विद्यालय में टीचर बना जा सकता है।

बहुत से युवाओं का सपना होता है कि वे टीचर बनकर बच्चों को पढ़ाएं। अगर आप भी टीचर बनना चाहते हैं और शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान देना चाहते हैं तो केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनकर आप अपना यह सपना पूरा कर सकते हैं। केंद्रीय विद्यालय में समय-समय पर टीचर के पद की वैकेंसी निकलती रहती हैं। केंद्रीय विद्यालय की वैकेंसी निकलते ही आपको अप्लाई करना होगा। अप्लाई करने के बाद रिटेन परीक्षा में उत्तीर्ण होकर इंटरव्यू क्लियर करना होगा। इंटरव्यू और मेडिकल के बाद आपको जॉइनिंग लेटर मिलेगा।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनने के लिए अप्लाई करने वाले कैंडिडेट को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम से कम 50% मार्क्स के साथ ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही हिंदी और अंग्रेजी दोनों का ज्ञान होना चाहिए। कैंडिडेट की मैक्सिमम उम्र 35 वर्ष होना चाहिए। इसके अलावा कैंडिडेट्स को बैचलर ऑफ़ एजुकेशन कोर्स किया होना चाहिए। साथ ही अभ्यर्थी को सीटेट की परीक्षा भी पास किए होना चाहिए।

क्या बीएड?

यह एक ग्रेजुएशन डिग्री प्रोग्राम है, जो आम तौर पर तीन से चार साल तक चलता है। इसमें छात्रों को स्कूलों में टीचर के रूप में काम करने के लिए ट्रेन किया जाता है। क्वश्वस्त्र में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों को ग्रेजुएट डिग्री कम से कम 50 परसेंट मार्क्स और कुछ सब्जेक्ट्स में 55 परसेंट मार्क्स के साथ पास करना ज़रूरी है।

सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट एग्जाम

केवी का टीचर बनने के लिए छात्र का CTET एग्जाम पास करना जरुरी है। CTET एक परीक्षा होती है, जिसे पास करने के बाद आप केंद्र और राज्य स्तर के विद्यालयों में शिक्षक पद के लिए अप्लाई कर सकते हैं। CTET का आयोजन साल में दो बार होता है। इसमें दो पेपर होते हैं। पहला पेपर प्राइमरी एजुकेशन यानी 5वीं तक पढ़ाने के लिए अप्लाई करने वाले कैंडिडेट्स के लिए होता है। दूसरा पेपर सीनियर क्लासेज में पढ़ाने वाले कैंडिडेट्स के लिए होता है।

बीटेक के लिए ईई या ईसीई कौन बेहतर?

टेक्नोलॉजी एडवांसमेंट्स के साथ इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों की मांग बढ़ रही है लेकिन बीटेक के लिए ईई या ईसीई कौन बेहतर है और क्या अंतर है?

अगर आप इंजीनियरिंग कोर्स को लेकर कन्फ्यूज हैं, तो हम आपकी उलझन थोड़ी दूर कर देते हैं। ये आर्टिकल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के बारे में है। जान लें- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में क्या अंतर है? दोनों में कौन सी ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग क्या है?

यह मुख्य रूप से उन उपकरणों, डिवाइस और सिस्टम स्टडी, डिजाइन एंड एप्लिकेशन से संबंधित है, जो बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत चुंबकत्व का उपयोग करते हैं। यह उन्हें इलेक्ट्रिकल उपकरण डिजाइन करने में मदद करता है, जैसे कि इलेक्ट्रिक मोटर, रडार और नेविगेशन सिस्टम, कम्युनिकेशन सिस्टम, बिजली उत्पादन उपकरण, ऑटोमोबाइल और विमान। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों के पास नौकरी के बहुत से विकल्प हैं और उन्हें कई क्षेत्रों में काम मिल सकता है। वे कंट्रोल इंजीनियरिंग, प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग, टेस्ट इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, टेली कम्युनिक्शन इंजीनियरिंग, डिजाइन इंजीनियरिंग, सिस्टम इंजीनियरिंग, एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, रीन्युएबल एनर्जी सेक्टर, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स में काम कर सकते हैं। भारत में एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ग्रेजुएट की शुरुआती सैलरी औसत 4.5 लाख रुपये प्रति वर्ष है। यह इस बात पर निर्भर कर सकता है कि वे कहां काम करते हैं, उनके पास कितना अनुभव है, और वे किस उद्योग में हैं। शुरुआती वेतन अक्सर अच्छा होता है और अधिक अनुभव के साथ वे अधिक कमाते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग क्या है?

ये एक विविध इंजीनियरिंग क्षेत्र है जो इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार नेटवर्क को डिजाइन करने, विकसित करने और लागू करने पर केंद्रित है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ग्राहक और परियोजना आवश्यकताओं की पहचान करते हैं, समाधान खोजते हैं, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और सिस्टम डिजाइन करते हैं, फर्मवेयर और एम्बेडेड सॉफ्टवेयर विकसित करते हैं, प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं, और निर्माण की देखरेख करते हैं। वे अगली पीढ़ी के गैजेट और बुनियादी ढांचे का आविष्कार करने के लिए अत्याधिक उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और संचार तकनीकों को एकीकृत करने का काम करते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग एक बहुत ही बहुमुखी क्षेत्र है। ईसीई इंजीनियरों को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार बुनियादी ढांचे को विकसित करने वाले उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में रोजगार मिलता है। कुछ शीर्ष क्षेत्र हैं दूरसंचार, एयरोस्पेस, डिफेंस, मोटर व्हीकल, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली व्यवस्था और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग। भारत में एक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियर के लिए औसत शुरुआती वेतन 4 लाख प्रति वर्ष है। EE की तरह, वेतन स्थान, अनुभव के वर्षों, कौशल और नियोक्ता के आधार पर अलग-अलग होता है।

EE और ECE में कौन सी इंजीनियरिंग ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (EE) और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ECE) दोनों शाखाएं समान रूप से अच्छी हैं। लेकिन, यह सब व्यक्ति की रुचि के क्षेत्र पर निर्भर करता है। मुझे लगता है कि छात्र को भविष्य के लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए। एक बार जब वह इसके बारे में सुनिश्चित हो जाता है, तो वह अपनी पसंद की स्ट्रीम चुन सकता है।

जल प्रबंधन की फील्ड में बनाएं शानदार करियर

अगर आप लीक से हटकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए यह आर्टिकल जरूरी साबित हो सकता है। क्योंकि हम यहां पर आपको पानी से जुड़ी करियर के बारे में बता रहे हैं। आप भी एक वॉटर डिप्लोमैट के रूप में बढ़िया करियर बना सकते हैं। अगर आप इस फील्ड में करियर बनाते हैं तो आपको बढ़िया सैलरी भी मिलेगी।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। ये समस्याएं एक राज्य या फिर एक देश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वैश्विक हैं। ऐसे में जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। अगर आप भी इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो आपके भविष्य उज्जवल हो सकता है। क्योंकि इस फील्ड में अच्छी नौकरी के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं कि इस फील्ड में करियर बनाकर आप कितनी सैलरी पा सकते हैं। वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट में वेतन अच्छा होता है। हालांकि, यह कई बातों जैसे - अनुभव, शिक्षा, कार्यक्षेत्र और जिस संस्था में आप काम करते हैं, उस पर निर्भर करता है।

शुरुआती पद

शोध सहायक या जूनियर नीति विश्लेषक जैसे शुरुआती पदों पर सालाना वेतन 40,000 से 60,000 अमेरिकी डॉलर के बीच हो सकता है।

अनुभवी पेशेवर

अनुभवी पेशेवरों के लिए जिनके पास कई सालों का अनुभव और विशेष कौशल है। उन्हें वेतन 60,000 से 1,00,000 अमेरिकी डॉलर या उससे भी ज्यादा मिल सकता है।

वरिष्ठ पद

निदेशक या वरिष्ठ नीति सलाहकार जैसे वरिष्ठ पदों पर सालाना वेतन 1,00,000 से 1,50,000 अमेरिकी डॉलर के बीच होता है। सबसे ज्यादा वेतन अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं, सरकारी एजेंसियों या परामर्श फर्मों में मिलता है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास मास्टर्स या पीएच.डी. जैसी उच्च शिक्षा है, उनके उच्च वेतन पाने और कैरियर में तेजी से तरक्की करने की संभावना अधिक होती है।

जल प्रबंधन में प्रमाणन कार्यक्रम

इसी दिशा में काम करते हुए जल प्रबंधन संस्थान भारतीय और विदेशी नागरिकों के लिए प्रमाणित जल लेखाकार /विशेषज्ञ बनने के लिए एक प्रमाणन कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इस कार्यक्रम में कई तरह के कोर्सेज पर ट्रेनिंग दिया जाएगा।

रूस की यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई के लिए उपलब्ध हैं ये स्कॉलरशिप्स

भारतीय छात्रों के लिए रूस में पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप के कई अवसर मौजूद हैं इसकी जानकारी हम आपको यहां दे रहे हैं। हर साल रूसी सरकार विदेशी छात्रों के लिए राज्य से आर्थिक सहायता प्राप्त सीट्स ऑफर करती है।

रूस में अधिकतर विश्वविद्यालय सरकारी सहायता प्राप्त स्कॉलरशिप देती हैं और एकसमान आवेदन प्रक्रिया अपनाती हैं। कोई भी विदेशी छात्र रूस में यूनिफॉर्म स्टेट एग्जामिनेशन या एंट्रेंस एग्जाम पास करने के बाद स्कॉलरशिप के लिए उसी तरह आवेदन कर सकते हैं जिस तरह रूसी छात्र करते हैं। हर साल रूसी सरकार विदेशी छात्रों के लिए राज्य से आर्थिक सहायता प्राप्त सीट्स ऑफर करती है। 2022 में 15 हजार इस तरह की सीट्स दी गई थीं।

स्कॉलरशिप अमाउंट

सरकार से प्राप्त होने वाली स्कॉलरशिप में पूरे कोर्स की ट्यूशन फीस, मेंटनेंस अलाउंस और डोरमेटरी अलाउंस शामिल होता है। जो छात्र इन स्कॉलरशिप को प्राप्त करना चाहते हैं वो भारत में ऑथराइस्ड व्यक्ति से संपर्क कर सकते हैं और वहां उपलब्ध स्कॉलरशिप और कोर्स के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। पढ़ाई के लिए छात्र एक बार में 6 यूनिवर्सिटिज को चुन सकता है। लेकिन एक फेडरल क्षेत्र में 3 से ज्यादा नहीं चुन सकते जबकि मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग में दो से ज्यादा नहीं चुन सकते हैं। अपनी पसंद के अनुसार अपनी चॉइस भरें और इसके बाद अन्य को भरें और चयन प्रक्रिया में बुलावे का इंतजार करें। देश के आधार पर ऑपरेटर इंटरव्यू, टेस्ट और परीक्षा का शेड्यूल जारी कर सकते हैं इसकी जानकारी उनकी वेबसाइट या आपको ईमेल के जरिए मिल सकती है। जिन छात्रों को डिग्री के स्तर पर रूसी भाषा की जानकारी नहीं है उन्हें प्री पेरेटरी डिपार्टमेंट में एनरोल किया जाता है। उन्हें सामान्य शिक्षा के साथ एक साथ रूसी भाषा की पढ़ाई भी करनी पड़ती है।

- अगर आप कैंडिडेट्स की सूची में शामिल हो गए हैं तो अपने पास अतिरिक्त डॉक्यूमेंट्स तैयार रखें
- एमबीबीएस डॉक्टर का सर्टिफिकेट तैयार करवाना होगा जिसमें बताया गया होगा कि ऐसा कोई मेडिकल कारण नहीं जिसकी वजह से आपको रूसी यूनिवर्सिटिज में न चुना जाए। इसमें एचआईवी टेस्ट भी करवाना होगा।
- डॉक्यूमेंट्स की कॉपी (रूसी भाषा में ट्रांसलेटिड), ऑनलाइन इन्हे सबमिट करें और हार्ड कॉपी ऑपरेटर के पास जमा करें।
- अब यूनिवर्सिटी में अपने कन्फर्मेशन का इंतजार करें।

2030 तक 40 अरब डॉलर होगा सेमीकंडक्टर उद्योग का आकार

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रॉनिक चिप निर्माण में शामिल केमिकल और गैसों सहित आपूर्ति श्रृंखला के आसपास के तंत्र को बढ़ावा देने से भारतीय सेमीकंडक्टर उद्योग का आकार 2030 तक बढ़कर 40 अरब डॉलर का हो जाएगा।

भारत को सेमीकंडक्टर के वैश्विक केंद्रों से सीखने की जरूरत- इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के अनुसार, भारत को सेमीकंडक्टर के वैश्विक केंद्रों से सीखने की जरूरत है, क्योंकि यह बहुत जटिल तकनीक है। आईईएसए के अध्यक्ष अशोक चांडक ने कहा, किसी भी चिप

निर्माण से कम से कम 10 से ज्यादा देश जुड़े होते हैं। अगर हमें भारत में चिप निर्माण को सफल बनाना है, तो आपूर्ति श्रृंखला का ध्यान रखना होगा। उन्होंने कहा, दुनियाभर में आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ा बाजार 2030 तक 420 अरब डॉलर का हो जाएगा।अगर हम 10 फीसदी हिस्सेदारी भी अपनी समझें तो 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत को 2026-27 तक मूल्य श्रृंखला में करीब 15 लाख कुशल और 50 लाख अर्ध-कुशल श्रमिकों की जरूरत होगी। प्रसंस्करण, उपकरण इंजीनियर, आईसी परीक्षण इंजीनियर और क्षमता नियोजन प्रबंधक जैसी भूमिकाओं की उच्च मांग की उम्मीद है। दो से पांच वर्षों में डिजाइन, विनिर्माण, प्रशिक्षण, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स में रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होंगे।

इस साल हो सकती है 8.8 फीसदी वेतन वृद्धि, प्रमुख प्रतिभाओं को बनाए रखने पर ध्यान दे रहीं कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कंपनियां वैश्विक व घरेलू चुनौतियों से निपटते हुए कर्मचारियों की पारिश्रमिक लागत से जुड़े बजट को अनुकूलतम बनाने पर ध्यान दे रही हैं।इससे इस साल औसत वेतन वृद्धि 8.8 फीसदी रह सकती है, जो 2024 में 9 फीसदी रही थी।

डेलॉय इंडिया ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट में कहा, अधिकांश क्षेत्र वेतन वृद्धि को पिछले वर्ष

की तुलना में स्थिर या मामूली रूप से कम रखेंगे।वहीं, उपभोक्ता उत्पाद क्षेत्र में वेतन वृद्धि के बजट में उल्लेखनीय कमी का अनुमान है।75 फीसदी कंपनियां वेतन वृद्धि कम कर देंगी या पिछले वर्ष के समान ही रखेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियां प्रमुख प्रतिभाओं को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। शीर्ष प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी औसत प्रदर्शन करने वालों की तुलना में 1.7 गुना अधिक वेतन वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में कुछ कम है। डेलॉय इंडिया में साझेदार प्रखर त्रिपाठी ने कहा, कंपनियों की आय वृद्धि सुस्त पड़ने से उनका वेतन बजट दबाव में आ रहा है।

मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 2.92 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी

● एलन मस्क को 24 घंटे में 558 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ ● लैरी एलिसन ने 3.29 बिलियन डॉलर की कमाई कर अंबानी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की किस्मत 24 घंटे में बदल गई है। 24 घंटे में मुकेश अंबानी ने कमाई में दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क समेत कई दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। 24 घंटे में मुकेश अंबानी से ज्यादा कमाई सिर्फ एक ही कारोबारी कर पाया है। वहीं दुनिया के टॉप 10 अमीरों में से 7 नुकसान में रहे हैं।

शुक्रवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में 3 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। इससे अंबानी की भी नेटवर्थ बढ़ गई। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक 24 घंटे में मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 2.92 बिलियन डॉलर (करीब 25 हजार करोड़ रुपये) का इजाफा हुआ है। वहीं दूसरी ओर एलन मस्क को इन 24 घंटे में 558 मिलियन डॉलर (करीब 5 हजार करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ है।

कभी धड़ाधड़ पैसा बरसा रहा था मुकेश अंबानी का यह शेयर, अब आधी रह गई कीमत, एक साल में कितना नुकसान?

कौन निकला अंबानी से आगे?

24 घंटे की कमाई में अंबानी से आगे अमेरिकी निवेशक लैरी एलिसन हैं। एलिसन सॉफ्टवेयर कंपनी ओरेकल के चेयरमैन और सीटीओ भी हैं। एलिसन ने 24 घंटे में 3.29 बिलियन डॉलर की कमाई की है। कमाई में एलिसन के बाद मुकेश अंबानी का नंबर आता है। अंबानी के बाद तीसरे स्थान पर डेल टेक्नोलॉजीज के फाउंडर और चेयरमैन माइकल डेल है।

कई दिग्गजों को बड़ा नुकसान

24 घंटे में कई दिग्गजों को बड़ा नुकसान हुआ है। इसमें न सिर्फ एलन मस्क बल्कि मार्क जकरबर्ग, जेफ बेजोस, बर्नार्ड अर्नाल्ट, बिल गेट्स, वारेन बफे आदि शामिल हैं। ये वे लोग हैं जिनका नाम दुनिया के टॉप 10 अमीरों में शामिल दुनिया के टॉप 10 अमीरों में से सिर्फ लैरी एलिसन, लैरी पेज और सर्गी ब्रिन की संपत्ति में ही 24 घंटे में इजाफा हुआ है।

छोटे शहर रियल एस्टेट के लिए बने विकास के चालक

60 प्रमुख शहरों में इतने रुपये में बिके 6.81 लाख मकान

नई दिल्ली, एजेंसी। देश भर में रियल एस्टेट में जबरदस्त तेजी है। 2024 में 60 प्रमुख शहरों में 7.5 लाख करोड़ रुपये के कुल 6.81 लाख मकान बिके हैं। क्रेडाई और लियासेस फोरास की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे और तीसरे स्तर के शहर अब रियल एस्टेट के लिए विकास के चालक बन रहे हैं। ऐसे में आने वाले समय में इनकी भूमिका और बढ़ेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में डेवलपरों ने 3,294 एकड़ भूमि अधिग्रहित की। इनमें से 44 प्रतिशत जमीन छोटे शहरों में थी। इससे पता चलता है कि निवेश की पद्धति में अब बदलाव आ रहा है। यह आंकड़ा इन शहरों की दीर्घकालिक आर्थिक और बुनियादी ढांचे की वृद्धि क्षमता को दर्शाता है।

रिपोर्ट से पता चलता है कि लग्जरी और अल्ट्रा-लग्जरी यानी महंगे और बहुत महंगे मकानों की बिक्री जमकर हो रही है। कुल बिक्री में इनका योगदान 71 फीसदी हो गया है। एक से दो करोड़ रुपये वाली प्रॉपर्टी में 52 फीसदी की तेजी आई है। इस तरह के कुल 1.33 लाख मकान बिके हैं। दो करोड़ रुपये से अधिक की कीमत वाले मकानों की बिक्री 73 फीसदी बढ़ी है।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र का कुल मूल्य 22.5 लाख करोड़ हो गया है। यह भारत की जीडीपी में 7.2 फीसदी का योगदान करता है। दूसरे और तीसरे स्तर के शहर इसमें प्रमुख योगदान दे रहे हैं। लखनऊ, जयपुर और भुवनेश्वर जैसे शहरों में स्थिर मूल्य वृद्धि देखी जा रही है। 30-50 लाख रुपये कीमत वाले पहली बार घर खरीदने वालों और निवेशकों को आकर्षित करने वाले प्रमुख शहर अहमदाबाद, पुणे, इंदौर और कोयंबटूर रहे हैं।

एफवाय 25 में कोलेस्ट्रॉल इंडिया ने किया शानदार प्रदर्शन, 18 मार्च एक्स-डिविडेंड डेट

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में एक तरफ जहां ज्यादातर कंपनियां संघर्ष कर रही हैं। वहीं, इस साल कोलेस्ट्रॉल इंडिया के शेयरों की कीमतों में 2025 में तेजी देखने को मिली है। बीते एक महीने में यह स्टॉक 14 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, इस साल कोलेस्ट्रॉल इंडिया के शेयरों का भाव 18 प्रतिशत चढ़ा है। पिछले एक महीने में कोलेस्ट्रॉल इंडिया के शेयरों का भाव 210.46 रुपये से 239.19 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है। बता दें, इस वित्त वर्ष में कोलेस्ट्रॉल इंडिया के शेयरों की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिली है। इस वित्त वर्ष में कंपनी शेयर 30 प्रतिशत की बढ़त हासिल करने में सफल रहा है।

इस वित्त वर्ष दूसरी बार डिविडेंड देने की तैयारी में कंपनी- चालू वित्त वर्ष में कंपनी पहली बार 7 अगस्त को एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर 3.50 रुपये का अंतरिम डिविडेंड दिया था। दूसरी बार कंपनी 18 मार्च 2025 को एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेगी। कंपनी एक शेयर पर 9.50 रुपये का फाइनल डिविडेंड देगी।

क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट्स?

लक्ष्मीश्री इंवेस्टमेंट एंड सिक्योरिटीज से जुड़े अंशुल जैन का मानना है कि 220 रुपये पर ब्रेकआउट है। कंपनी के शेयर 240 रुपये के आस-पास बना हुआ है। अगर स्टॉक 242 रुपये के लेवल के पार जाता है। तो कंपनी के शेयर 295 रुपये के स्तर पर जल्दी जा सकता है। पिछली 3 तिमाही तक कंपनी के शेयरहोल्डिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिसंबर क्वार्टर में कंपनी के प्रमोटर्स की कुल हिस्सेदारी 51 प्रतिशत है।

कमजोर मांग के चलते सोना 89 हजार रुपये के नीचे आया

चांदी ने 500 रुपये की लगाई छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शुक्रवार को सोने की कीमत 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से नीचे गिर गई। यह गिरावट घरेलू मांग में कमी के कारण आई है, जैसा कि ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन ने बताया। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 200 रुपये घटकर 88,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जो कि लगातार दूसरे दिन की गिरावट है। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 200 रुपये घटकर 88,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

चांदी में 500 रुपये की तेजी देखने को मिली- व्यापारियों का कहना है कि स्थानीय ज्वैलर्स और खुदरा खरीदारों की मांग कम होने के कारण सोने के भाव में गिरावट आई है। लांकि, चांदी की कीमत 500 रुपये बढ़कर 99,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, और यह लगातार चौथे दिन की वृद्धि है। पिछले चार सत्रों में चांदी की कीमत में 3,100 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

वैश्विक स्तर पर स्थिर रही सोने की कीमत- एमसीएक्स पर अप्रैल महीने की डिलीवरी के लिए सोना 50 रुपये गिरकर 85,983 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वैश्विक स्तर पर, सोने की कीमत स्थिर रही और यह 2,929.30 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड हो रही थी, जबकि स्पॉट गोल्ड 10.14 डॉलर (0.35 प्रतिशत) बढ़कर 2,921.94 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं, चांदी की कीमत एशियाई बाजार में 0.17 प्रतिशत गिरकर 33.28 डॉलर प्रति औंस पर रही।

600 करोड़ का फ्रेश इश्यू

मुनाफे में सोलर कंपनी, अब आ रहा आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। आरंभिक सार्वजनिक पेशकश मार्केट में उत्तर प्रदेश की रूफ-टॉप सोलर सॉल्यूशन प्रोवाइडर कंपनी- फुजियामा पावर सिस्टम्स की एंट्री होने वाली है। दरअसल, इस कंपनी ने आईपीओ के जरिए फंड जुटाने के लिए सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दोबारा दाखिल किए हैं। आईपीओ में 600 करोड़ रुपये के फ्रेश इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। वहीं, प्रमोटर्स द्वारा 2 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश की जाएगी। कंपनी के प्रमोटर पवन कुमार गर्ग, योगेश दुआ ऑफर-फॉर-सेल के जरिए 1 करोड़ इक्विटी शेयर बेचेंगे।

पहले भी दिया था ड्राफ्ट पेपर- बता दें कि फुजियामा पावर सिस्टम्स ने 28 दिसंबर 2024 को आईपीओ के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया था। हालांकि, बाद में इसने 12 फरवरी 2025 को अपना ड्राफ्ट दस्तावेज वापस ले लिया। ऑन-ग्रिड, ऑफ-ग्रिड और हाइब्रिड सोलर सिस्टम बनाने वाली यह कंपनी प्री-आईपीओ राउंड में 120 करोड़ रुपये तक जुटाने पर विचार कर सकती है। अगर कंपनी ने अपना प्री-आईपीओ प्लेसमेंट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया तो नए इश्यू से रकम कम हो जाएगी। बता दें कि मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स पब्लिक इश्यू को संभालने वाले बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

कंपनी के प्लांट

तीन मैन्युफैक्चरिंग फैसलिटीज के साथ फुजियामा पावर सिस्टम्स सोलर पीसीयू, सोलर ऑफ-ग्रिड, ऑन-ग्रिड और हाइब्रिड इनवर्टर, सोलर पैनल, पल्स चौड़ाई मॉड्यूलेशन चार्जर और लिथियम-आयन और ट्यूबलर बैटरी सहित कई प्रोडक्ट प्रोवाइड करता है। यह दादरी, उत्तर प्रदेश में सोलर पैनल के निर्माण के लिए एक नई फैसलिटीज विकसित करने, ग्रेटर नोएडा सुविधा में एक और सोलर इन्वर्टर के अलावा लिथियम-आयन बैटरी लाइन की स्थापना की प्रक्रिया में है।

कमाई का कहां होगा इस्तेमाल- मध्य प्रदेश के रतलाम में सोलर इन्वर्टर, सोलर पैनल और लिथियम-आयन बैटरी के लिए मैन्युफैक्चरिंग फैसलिटीज स्थापित करने को 180 करोड़ रुपये तक खर्च होंगे। इसके अलावा नए इश्यू फंड्स में से 275 करोड़ रुपये का उपयोग लोन चुकाने के लिए किया जाएगा। शेष रकम सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाएगी।

हर स्तर पर बढ़ा दबदबा

सेल के प्लांट को मजबूत कर रही हैं महिलाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्तमान दौर में महिलाओं का दबदबा हर सेक्टर में बढ़ रहा है। महिलाएं ना सिर्फ बाधाओं को तोड़ रही हैं बल्कि उन भूमिकाओं को भी निभा रही हैं जिन्हें कभी उनकी पहुंच से बाहर माना जाता था। ये महिलाएं हर मुश्किल परिस्थितियों का सामना करते हुए अपनी योग्यता साबित कर रही हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण सेल कंपनी का राउरकेला स्टील प्लांट है। इस स्टील प्लांट के चूल्हे में पार्वती, दुर्गा और अन्नपूर्णा नामक तीन ब्लास्ट फर्नेस हैं। ये महिलाएं ऑपरेट करती हैं। आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर हम आपको बताएंगे कि सेल कंपनी के राउरकेला स्टील प्लांट में किस तरीके से महिलाओं का वर्चस्व बढ़ रहा है।

बढ़ा है महिलाओं का दबदबा

पिछले कुछ वर्षों में राउरकेला स्टील प्लांट के कुल वर्कफोर्स में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा है और वर्तमान में यह लगभग 6 प्रतिशत है। इस प्लांट में 124 महिला अधिकारी हैं, जो कुल अधिकारियों की संख्या का 6.9 प्रतिशत हैं। वहीं, 557 महिला गैर-कार्यकारी हैं, जो इस पद के कुल अधिकारियों का 5.34 प्रतिशत है। प्लांट में कार्यरत 282 तकनीकी रूप से योग्य महिलाओं में 46 महिला इंजीनियर हैं। महिलाओं को कंपनी का सैलरी पैकेज अट्रैक्ट कर रहा है। इसके अलावा सुरक्षित माहौल की वजह से भी महिलाएं प्लांट में काम करने को आकर्षित हो रही हैं। शानदार मौके की वजह से कई महिला कर्मचारी उच्च पदों पर आसानी से पहुंच चुकी हैं। प्रसव जैसे स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों के कारण महिला कर्मचारियों का पलायन राउरकेला स्टील प्लांट में एक दुर्लभ घटना है। राउरकेला स्टील प्लांट या तो अनुकंपा के आधार पर रोजगार देता है या मृतक कर्मचारियों की पत्नियों को निरंतर वित्तीय सहायता देता है।

सुरक्षा पर फोकस

प्लांट में महिलाओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और हर पहलू पर इसका ध्यान रखा जाता है। कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक प्लांट और स्टील टाउनशिप दोनों में सड़कों पर अच्छी रोशनी की व्यवस्था है। यहां पुलिस गश्त के साथ-साथ सीआईएसएफ कर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था है। इसके अलावा, टाउनशिप में अलग-अलग स्थानों पर कई पुलिस स्टेशन हैं। आरएसपी ने टाउनशिप में स्थित महिला पुलिस स्टेशन के लिए उपयुक्त इंफ्रा फैसलिटीज प्रोवाइड की हैं। महिलाओं को टाउनशिप में कंपनी का आवास दिया जाता है। इसके अलावा स्टील जनरल अस्पताल में काम करने वाले नर्सिंग स्टाफ को उनकी सुविधा के लिए अस्पताल से सटे एक सेक्टर में क्वार्टर आवंटित किए गए हैं। महिला कर्मचारियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है और आरएसपी की महिला ब्रिगेड हमेशा उम्मीदों पर खरी उतरी है।

इस प्लांट में काम कर रही महिला कर्मचारियों का शानदार अनुभव रहा है। प्लांट की कर्मचारी- ममता पात्रा, रोजनी किंडो और प्रीतिलता साबित कर रही हैं कि स्टील सिर्फ भट्टियों में नहीं बनता बल्कि यह स्पिरिट में भी बनता है।

रोजनी किंडो कहती हैं-

कोरोना के टाइम मैं अकेली थी। मैं सब कुछ संभाल रही थी, कभी-कभी एक दिन में 60 प्लेट तक। यह थका देने वाला था लेकिन हमने काम बंद नहीं होने दिया। प्रीतिलता कहती हैं कि जब मैं अपने हाथों से स्टील प्लेटों को साइज लेते हुए देखती हूं तो मुझे गर्व महसूस होता है। लोग यह सुनकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं कि महिलाएं मिल के इतने महत्वपूर्ण हिस्से को चला रही हैं। हमने साबित कर दिया है कि हम भी इसे पुरुषों की तरह अच्छे से कर सकते हैं।

महिलाओं की मजबूती का एक और शानदार उदाहरण हॉट स्ट्रिप मिल-2 में देखा जा सकता है। यहां महिलाएं इलेक्ट्रिक ओवरहेड ट्रैवलिंग क्रेन चला रही हैं। एचएसएम-2 की तिकड़ी प्रेमा कांति बिलुंग, नीलिमा तांती और रीना मुंडारी ने पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान स्टील प्रोडक्ट के क्षेत्र में अनुकरणीय उदाहरण पेश किए हैं।

भारतीय विदेशों में खूब खरीद रहे हैं प्रॉपर्टी, आईटी डिपार्टमेंट से मिली है यह जानकारी!

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशों में संपत्ति रखने वाले या खरीदने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि 30,000 से ज़्यादा टैक्सपेयर्स ने 29,000 करोड़ रुपये की विदेशी संपत्ति घोषित की है। सीबीडीटी के एक अभियान के बाद यह खुलासा हुआ है।

हजारों भारतीय एनआरआई बने- इस अभियान में करदाताओं को अपनी विदेशी संपत्ति की जानकारी देने के लिए प्रोत्साहित किया गया था। साथ ही, 6,734 करदाताओं ने अपनी स्थिति निवासी से अनिवासी में बदल दी है। इन लोगों ने 1,090 करोड़ रुपये की अतिरिक्त विदेशी आय की घोषणा की है। इस दौरान औसतन हर करदाता ने लगभग 1 करोड़ रुपये की विदेशी संपत्ति घोषित की है। गौरतलब है कि आयकर विभाग ने 19,000 से ज़्यादा करदाताओं को नोटिस भेजा था।

125 देशों के बीच इंफोर्मेशन शेयरिंग एग्रीमेंट- लगभग 125 देशों के बीच सूचना साझा करने की व्यवस्था है। भारत 2018 से ही इस व्यवस्था का हिस्सा है। इसके तहत भारत को विदेशी बैंक खातों, उनमें जमा राशि, लाभांश, ब्याज और कुल भुगतान की जानकारी मिलती रहती है। लेकिन, कर अधिकारियों ने पाया कि सभी लोग ज़रूरी जानकारी नहीं दे रहे थे। इसलिए सीबीडीटी ने पिछले नवंबर में एक अभियान शुरू किया। इस अभियान में करदाताओं से अपनी विदेशी संपत्ति और आय की घोषणा करने का आग्रह किया गया।

रोहित की कप्तानी में लगातार चौथा आईसीसी फाइनल खेलेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया आईसीसी टूर्नामेंट में लगातार चौथा फाइनल खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में 9 मार्च को भारत का सामना दुबई में न्यूजीलैंड से होगा। रोहित टी-20 वर्ल्ड कप के रूप में एक ही खिताब जिता सके, उन्हें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में हार मिली।

टीम इंडिया लगातार तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची है। टीम ने 2013 में खिताब जीता, लेकिन 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ हार मिली। अब रोहित की कप्तानी में टीम के पास 12 साल बाद इस आईसीसी खिताब को जीतने का मौका है।

रोहित की कप्तानी में भारत का प्रदर्शन...

रोहित शर्मा ने 2 टी-20 वर्ल्ड कप, 1 वनडे वर्ल्ड कप, 1 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और 1 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की कप्तानी की। इन 5 आईसीसी टूर्नामेंट में भारत ने 30 मैच खेले, 26 जीते और महज 4 में टीम को हार मिली। हालांकि, रोहित ने जो 4 मैच गंवाए, उनमें से 3 मुकाबले नॉकआउट स्टेज में रहे। इनमें भी 2 हार फाइनल में मिलीं। केवल 1 बार उन्हें एक ही टूर्नामेंट में 2 हार मिली, यह टूर्नामेंट 2022 का टी-20 वर्ल्ड कप था। तब टीम को ग्रुप स्टेज में साउथ अफ्रीका और सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने हरा दिया था।

आईसीसी के 4 टूर्नामेंट होते हैं, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप, वनडे वर्ल्ड कप, टी-20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी। इनमें भारत के सबसे सफल कप्तान एमएस धोनी हैं। जिन्होंने टीम को 69त्न मैच जिताए। उनके नाम आईसीसी के 3 टाइटल भी रहे। रोहित मैच जीतने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। हालांकि, उनकी कप्तानी में टीम 1 ही टाइटल जीत सकी है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले में खुद को अधिक समय देने के लिए तैयार शुभमन गिल

दुबई, एजेंसी। भारत के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए कमर कस रहे हैं क्योंकि वह रविवार को अपना दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट फाइनल खेलने के लिए तैयार हैं, जब रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम चैंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। अहमदाबाद में आईसीसी 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में गिल बड़ा स्कोर बनाने में विफल रहे और चार रन पर सस्ते में आउट हो गए, जिसमें भारत छह विकेट से हार गया और तीसरा टूर्नामेंट खिताब जीतने से चूक गया।हालांकि, गिल इस दिल टूटने से आगे बढ़ चुके हैं और अब अधिक परिपक्व हैं। वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 पर काबिज उप-कप्तान मानसिक रूप से दबाव को बेहतर ढंग से संभालने और क्रीज पर अधिक समय बिताने के लिए तैयार हैं। रविवार को न्यूजीलैंड के साथ भारत के निर्णायक मैच से पहले आईसीसी ने गिल के हवाले से कहा, जाहिर है कि उस मैच में कुछ घबराहट थी। गिल ने कहा, (मैंने) बहुत सी चीजें सीखीं। यह मेरा पहला आईसीसी फाइनल था... मैं बहुत उत्साहित था (ऐसा लगा) कि मैं उस मैच में हावी होने के लिए समय खो रहा था। मुझे लगता है कि बड़े आईसीसी नॉकआउट मैचों में, आप जितना सोचते हैं, उससे थोड़ा ज्यादा समय खुद को दे सकते हैं।

पाकिस्तानी गेंदबाज ने खुलेआम मांगी माफी

कराची, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को मुकाबला खेला गया था. इस मैच में भारतीय टीम ने एकतरफा अंदाज में बाजी मारी थी. लेकिन इस मुकाबले के दौरान पाकिस्तान के एक खिलाड़ी ने काफी अजीबोगरीब तरीके से विकेट के जश्न मनाया था. इस घटना के बाद इस खिलाड़ी को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रॉल किया गया था. ऐसे में इस खिलाड़ी ने अब अपने विकेट सेलिब्रेशन पर माफी मांग ली है.दरअसल, भारत-पाकिस्तान मैच में स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल 52 गेंदों पर 46 रन की पारी खेलकर आउट हो गए थे. उन्हें पाकिस्तान स्पिनर अबरार अहमद ने बोल्ड आउट किया था. इसके बाद अबरार अहमद ने विकेट का जश्न मनाते हुए अपनी गर्दन घुमाते हुए बार-बार गिल को बाहर जाने का इशारा किया था और जोश में उनको आंखें भी दिखाई थीं. लेकिन अबरार अहमद का मानना है कि वह उनके सेलिब्रेशन का स्टाइल है. अबरार अहमद ने बातचीत में शुभमन गिल के विकेट सेलिब्रेशन पर कहा, 'वो मेरा स्टाइल है और इसमें कुछ भी गलत नहीं किया. किसी मैच अधिकारी ने भी मुझे नहीं बताया कि मैंने कुछ गलत किया है. इसके बावजूद अगर किसी को ठेस पहुंची है तो मुझे इसके लिए खेद है और मैं माफी मांगता हूं. मेरा इरादा किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था.'

टीम इंडिया का एक ही उसूल, अगर अच्छा नहीं खेलें तो शिकायत न करें: बल्लेबाजी कोच

दुबई, एजेंसी। बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने शुक्रवार को कहा कि यहां लंबे समय तक रहने से भारत को कोई फायदा नहीं हुआ और इस तरह की आलोचनाएं तभी शुरू हुईं जब टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के मैच जीतने शुरू किए। भारत रविवार को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। कोटक ने भारत के नेट सत्र के दौरान यहां पत्रकारों से कहा कि मुझे समझ में नहीं आता कि हमें इस (पिच) से क्या फायदा मिलता है। जब हमने मैच जीत लिए तो लोगों को लगा कि भारत को फायदा मिला। मुझे नहीं पता कि इसके बारे में क्या कहूं। हम सिर्फ ड्रॉ के अनुसार खेले। कोटक ने कहा कि पिच की प्रकृति चाहे जो भी हो, टीम को मैच जीतने के लिए अच्छा क्रिकेट खेलना होगा।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि एक मैच में, आपको हर दिन अच्छा क्रिकेट खेलना होता है। अगर आप अच्छा नहीं खेलते हैं तो आप शिकायत नहीं कर सकते। और अगर आप अच्छा खेलते हैं तो यह कहने का कोई मतलब नहीं है कि आपको फायदा हुआ या नहीं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हमें सिर्फ इसलिए फायदा मिल रहा है क्योंकि हम यहां अभ्यास कर रहे हैं और हम यहां मैच खेल रहे हैं।

कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के विचार से सहमत होते ही दोहराया कि ट्रेनिंग की सुविधा और डीआईसीएस में पिचों की प्रकृति काफी अलग थी। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से अलग-अलग विकेट पर अभ्यास करते हैं। हम थोड़ी अलग पिच पर मैच खेल रहे हैं। हम सभी यह जानते हैं। सिर्फ यही चीज है कि हम यहां खेला। लेकिन ड्रॉ ऐसा ही होता है। इसलिए इसमें और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि यहां आने के बाद उन्होंने कुछ बदल दिया और फायदा उठा लिया। कोटक ने इस बात को भी खारिज कर दिया कि भारत ने कुछ दिन पहले ग्रुप मैच में न्यूजीलैंड को हराने के बाद फाइनल में मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल की है। सौराष्ट्र के इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि मुझे

लगता है कि हमें ऐसा नहीं सोचना चाहिए। हमें बस कोशिश करनी चाहिए और अच्छा क्रिकेट खेलना चाहिए। पिछले मैच के बारे में सोचने का कोई मतलब नहीं है। हमें सोचना होगा कि नौ मार्च को क्या करना है।

न्यूजीलैंड भारत को हरा सकता है!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने रविवार (9 मार्च) को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले से पहले भारत को फेवरेट बताया है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि मेन इन ब्लू के पास मामूली बढ़त होगी, क्योंकि कीवी टीम मजबूत है। वह एकमात्र टीम है, को भारत को हरा सकती है। भारत ने अपने सभी मैच दुबई में खेले हैं। रोहित शर्मा एंड कंपनी अजेय रहते हुए फाइनल में पहुंची। उसने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया। भारत से हारन के बाद न्यूजीलैंड ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहा। उसने लाहौर में दूसरे सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर के साथ फाइनल में जगह बनाई। आईसीसी रिव्यू में रवि शास्त्री ने कहा, अगर कोई एक टीम भारत को हरा सकती है तो वह न्यूजीलैंड है। इसलिए भारत फेवरेट पसंदीदा होगा, लेकिन मामूली अंतर से। शास्त्री ने न्यूजीलैंड के चार खिलाड़ियों को चुना, जो फाइनल में अंतर पैदा कर सकते हैं। उन्होंने रचिन रविंद्र को बेहद प्रतिभाशाली बताया। केन विलियमसन को संत की तरह स्थिर और शांत रहने के चुना। कप्तान मिचेल सैंटनर को बुद्धिमान कप्तान बताया। इसके अलावा कहा कि ग्लेन फिलिप्स एक्स-फैक्टर हो सकते हैं। शास्त्री ने विराट कोहली के मौजूदा फॉर्म को गेम चेंजर बताया। साथ ही विलियम्सन की महत्वपूर्ण मौकों को भुनाने की क्षमता की भी सराहना की।

कोहली-विलियमसन को लेकर क्या बोले शास्त्री

शास्त्री ने कहा, अब मौजूदा फॉर्म की बात करें तो कोहली। जब विलियमसन हों या कोहली जैसे खिलाड़ी शानदार फॉर्म में होते हैं और आप उन्हें अपने पहले 10 रन बनाने देते हैं तो वे दिक्कत बन जाते हैं। न्यूजीलैंड से मैं विलियमसन का नाम लूंगा। रविंद्र शानदार युवा खिलाड़ी हैं। लेकिन जब ये खिलाड़ी परिस्थितियों का अंदाजा लगा लेते हैं और आप उन्हें फाइनल में 10-15 रन बनाने देते हैं तो वे दोगुने खतरनाक हो जाते हैं।

रचिन रविंद्र को लेकर क्या बोले रवि शास्त्री

रचिन रविंद्र को लेकर शास्त्री ने कहा, 25 साल की उम्र में रविंद्र ने पहले ही 50 ओवर के आईसीसी टूर्नामेंट में पांच शतक लगा दिए हैं। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। मुझे क्रीज में उनक मूवमेंट पसंद है। वह कट और स्वीप करेंगे। तेज गति से खेलेंगे और उनका टेम्परामेंट बहुत अच्छा है। आप यूं ही बड़े टूर्नामेंट में शतक नहीं बना सकते। आपके पास कुछ न कुछ होना चाहिएऔर मुझे लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली है।

ग्रैंडमास्टर वैशाली ने संभाला पीएम का एक्स हैंडल; कहा- सपना पूरा हो... लड़कियों को प्रोत्साहित करें

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने अपने वादे को ध्यान में रखते हुए घोषणा की थी कि उनके सोशल मीडिया अकाउंट उन महिलाओं द्वारा संभाले जाएंगे जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। शतरंज ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोशल मीडिया अकाउंट के जरिये लोगों को खास संदेश दिया। उन्होंने महिलाओं को उनके सपनों को पूरा करने के लिए समर्थन और प्रोत्साहन देने का एक सशक्त संदेश दिया। वैशाली छह साल की उम्र से शतरंज खेल रही हैं और शतरंज की महान खिलाड़ी और ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद की बहन हैं। उन्होंने पीएम मोदी के एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर अपनी यात्रा साझा की और युवा लड़कियों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने लिखा, वणक्कम! मैं वैशाली हूं और मैं हमारे प्रधानमंत्री थिरु नरेंद्र मोदी जी के सोशल मीडिया अकाउंट को संभालने को लेकर रोमांचित हूं और वह भी महिला दिवस के अवसर पर। जैसा कि आप में से बहुत से लोग जानते होंगे, मैं शतरंज खेलती हूं और मुझे कई टूर्नामेंटों में अपने प्यारे देश का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है।

भारत की बी-सी टीम भी पाकिस्तान को रौंद देगी: गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबान देश पाकिस्तान का सफर टूर्नामेंट में चंद दिनों के अंदर खत्म हो गया. इसके बाद से पाकिस्तान टीम को अपने ही दिगजों से आलोचना सहनी पड़ रही है. आईसीसी टूर्नामेंटों में सभी फॉर्मेट में पाकिस्तान का प्रदर्शन दोयम दर्जे का रहा है. इसके बावजूद पाकिस्तानी टीम के पूर्व हेड कोच जेसन गिलेस्पी का मानना है कि अगर सही खिलाड़ियों को चुना जाए और उनका सपोर्ट किया जाए तो वे किसी भी टीम को हराने में सक्षम हैं.

वहीं जेसन गिलेस्पी ने भारत 1ह्य पाकिस्तान मैचों में कंपटीशन की कमी पर महान भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर के कमेंट्स पर निराशा व्यक्त की है. गावस्कर ने हाल ही में दावा किया था कि दुबई में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के मुकाबले में मोहम्मद रिजवान की अगुवाई वाली टीम की हार के बाद दूसरी या तीसरी श्रेणी की भारतीय टीम पाकिस्तान की मौजूदा वन-डे टीम के लिए खतरा बन सकती है.

गिलेस्पी ने पाकिस्तान पत्रकार साज सादिक द्वारा शेयर वीडियो में कहा- मैं इस बयानबाजी से

सहमत नहीं हूं. मैंने सुनील गावस्कर के कुछ कमेंट्स देखे, इसमें उन्होंने कहा था कि भारतीय की बी टीम या भारतीय की सी टीम पाकिस्तान की टीम टीम को हराएगी. यह बकवास है, पूरी तरह से बकवास है. अगर पाकिस्तान सही खिलाड़ियों को चुनता है और उन्हें चमकने, सीखने और अपने खेल को डेवलप करने का समय देता है, तो वे किसी को भी हरा सकते हैं. मुझे इस बारे में कोई संदेह नहीं है.

गिलेस्पी ने कहा- पाकिस्तानी खिलाड़ी प्रतिभावान हैं. आपको बस सही तरह की प्रतिभा चुननी है. आपको उनका समर्थन करना होगा और उनके साथ धैर्य रखना होगा. मेरी राय में पाकिस्तान क्रिकेट में धैर्यता की कमी है.

पाकिस्तानी खिलाड़ी की आईपीएल 2026 में खेलने पर निगाहें

कराची, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर खेलना चाहते हैं। आमिर ने कहा कि वह 2026 में आईपीएल में खेलने के लिए पात्र होंगे और अगर अवसर आएगा तो वह इसे आजमाना चाहेंगे। आमिर की पत्नी नरजिस, ब्रिटेन की नागरिक हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को ब्रिटेन का पासपोर्ट मिलने की उम्मीद है। इससे उनके लिए आईपीएल में खेलने के दरवाजे खुल जाएंगे। पाकिस्तान के शो हारना मना है में आईपीएल में खेलने को लेकर सवाल पर कहा, नेक्स्ट ईयर तक मेरी अपॉर्चुनिटी बन रही अगर हुआ तो क्यों नहीं। आमिर ने यह भी खुलासा किया कि वह आरसीबी के लिए खेलना पसंद करेंगे। जब शो के होस्ट ताबिश हाशमी ने आमिर से पूछा, जब आईपीएल में खेलने के लिए पाकिस्तान में उनकी आलोचना की जाएगी तो उनकी क्या प्रतिक्रिया होगी?

वसीम अकरम और रमीज राजा का दिया उदाहरण

आमिर ने नाम लिए बिना कहा, आईपीएल में पाकिस्तानी क्रिकेटर्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन हमारे पूर्व क्रिकेटर कमेंट्री कर रहे थे और फ्रेंचाइजी के कोच भी थे। वह पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम के बारे में बात कर रहे थे जो कोलकाता नाइट राइडर्स टीम के कोच थे और रमीज राजा कमेंट्री करते थे।

विराट कोहली का बहुत सम्मान करते हैं

आमिर ने कहा कि वह विराट कोहली का बहुत सम्मान करते हैं और वह बल्ला संजोकर रखे हुए हैं, जो भारत के इस महान खिलाड़ी ने उन्हें 2016 में कोलकाता में टी20 विश्व कप मैच से पहले दिया था। आमिर ने कहा, विराट महान हैं और प्रतिभा की प्रशंसा करते हैं। विराट ने मुझे अपना बल्ला उपहार में दिया और मैं उनके व्यवहार से अभिभूत हो गया। मैं हमेशा से उनकी बल्लेबाजी का बड़ा प्रशंसक रहा हूं और वह मेरी गेंदबाजी के। मैंने उनके बल्ले से कुछ अच्छी पारियां खेली हैं।

आरसीबी की किस्मत बदल सकते हैं आमिर

शो के आमिर के साथ अन्य एक्सपर्ट अहमद शहजाद ने कहा कि तेज गेंदबाज आरसीबी की किस्मत बदल सकता है और टीम को पहला आईपीएल खिताब दिला सकता है। आरसीबी को अपनी गेंदबाजी की समस्या को ठीक करने के लिए आमिर जैसे गेंदबाज की जरूरत है। उनके पास अच्छी बल्लेबाजी इकाई है, लेकिन हमेशा से ही एक समस्या रही है। अगर आमिर, आरसीबी के लिए खेलते हैं तो वह खिताब जीतेंगे। आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च से होनी है। इससे पहले जसप्रीत बुमराह को लेकर अपडेट सामने आई है। मुंबई इंडियंस के लिए झटके वाली खबर है।

अभिषेक बच्चन ने आई वांट टू टॉक को बताया स्पेशल, क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स में नामांकन पर जताई खुशी

अभिनेता अभिषेक बच्चन ने आई वांट टू टॉक में निभाए किरदार को खास बताया है। उनके मुताबिक ये एक अविश्वसनीय यात्रा थी। बच्चन को क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स के 7वें संस्करण में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए नॉमिनेट किया गया है। अभिषेक ने कहा, फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड द्वारा आई वांट टू टॉक के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए नामांकित होना मेरे लिए वास्तव में सम्मान की बात है। यह फिल्म एक अविश्वसनीय रूप से खास यात्रा रही है, और आलोचकों के ऐसे सम्मानित पैनल द्वारा मेरे प्रदर्शन को मान्यता मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस मान्यता के लिए मैं फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड का आभार व्यक्त करता हूं। आई वांट टू टॉक एक ड्रामा फिल्म है, जिसे शूजित सरकार द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म में अभिषेक बच्चन मुख्य भूमिका में हैं और यह अर्जुन सेन की सच्ची कहानी पर आधारित है। कैंसर सर्वाइवर अर्जुन कैसे अपनी सेहत और बेटी के साथ उलझते रिश्तों को संभालने की जद्दोजहद में जुटे हैं, इस पर फिल्म केंद्रित है। विषय गहरे मानवीय और भावनात्मक संघर्षों को उजागर करता है। कोंकणा सेन शर्मा को भी क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स के लिए नामांकन मिला है। कोंकणा को किलर सूप के लिए नॉमिनेट किया गया है। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा, ये हमेशा सम्मान की बात होती है। चूंकि ये अभिषेक चौबे की किलर सूप के लिए है, इसलिए और भी खास है। किलर सूप एक ब्लैक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर टेलीविजन सीरीज है, जो अभिषेक चौबे द्वारा निर्देशित है। इस सीरीज में कोंकणा सेन शर्मा और मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में हैं और यह 2017 में तेलंगाना में हुई एक घटना पर आधारित है। इस वर्ष क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स में एक नई श्रेणी डॉक्युमेंट्री की शुरुआत की गई है। इस श्रेणी का उद्देश्य भारत की सभी भाषाओं और प्लेटफार्म्स में उत्कृष्टता को मान्यता देना है। इस नई श्रेणी के साथ, पुरस्कार भारत के समृद्ध सांस्कृतिक और रचनात्मक परिदृश्य को उजागर करने वाली आवाजों के लिए एक केंद्रीय मंच प्रदान करेंगे। पुरस्कार का उद्देश्य लघु फिल्मों, वेब सीरीज, वृत्तचित्रों और फीचर फिल्मों की उत्कृष्ट कहानियों का सम्मान करना है। फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड की अध्यक्ष अनुपमा चोपड़ा ने इस वर्ष के नामांकन पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, हम 7वें क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स 2025 में डॉक्युमेंट्री को जगह दिए जाने को लेकर उत्साहित हैं। यह अक्सर अनदेखा किया जाने वाला लेकिन भारतीय सिनेमा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमारा लक्ष्य इस बढ़ते उद्योग पर प्रकाश डालना और विभिन्न प्रारूपों में उत्कृष्ट कहानी कहने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को उजागर करना है।

विजय से ब्रेकअप की अफवाहों के बीच तमन्ना ने बताई प्यार की परिभाषा

हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के ब्रेकअप की खबरें आईं। हालांकि दोनों में से किसी ने भी इस इस अफवाह पर कुछ नहीं कहा है। ऐसे तमन्ना भाटिया ने प्यार पर अपनी राय रखी है। तमन्ना भाटिया ने ल्यूक कौटिनहो से बातचीत में बताया है कि उनके मुताबिक प्यार की परिभाषा क्या है।

बातचीत में तमन्ना भाटिया से पूछा गया कि वह प्यार के बारे में क्या सोचती हैं? उन्होंने इस पर जवाब देते हुए कहा कि प्यार बिना शर्त होना चाहिए, चाहे वह मां-बाप से, पार्टनर से या फिर पालतू जानवर से हो। अगर आप पार्टनर से उम्मीद करना शुरू कर देते हैं तो रिश्ते कारोबार में बदल जाते हैं।

तमन्ना के मुताबिक कैसा होना चाहिए पार्टनर

तमन्ना भाटिया ने कहा मुझे लगता है कि लोग प्यार और रिश्ते को लेकर भ्रम में हैं। जैसे ही प्यार में शर्त आ जाती है तो यह प्यार नहीं रहता। प्यार बिना शर्त होना चाहिए। यह एकतरफा होना चाहिए। यह एक जिम्मेदारी है कि आप दूसरे के लिए क्या महसूस करते हैं। जैसे ही आप उम्मीद लगाते हैं और अगर ये सोचते हैं कि वह भी वैसा ही करे जैसा हम करते हैं तो यह एक कारोबार में बदल जाता है। मैंने महसूस किया कि अगर मैं किसी से प्यार करती हूं तो उन्हें फ्री छोड़ देना चाहिए, जैसे वो हैं उन्हें वैसे ही रहने देना चाहिए।

विजय-तमन्ना ने एक दूसरे की तारीफ की

आपको बता दें कि विजय और तमन्ना दोनों लंबे वक्त से एक कई मौकों पर एक दूसरे के साथ देखे गए। विजय ने शुभंकर मिश्रा के यूट्यूब चैनल पर बताया मुझे लगता है कि हम दोनों इस बात से सहमत थे कि अगर हमें साथ में समय बिताना अच्छा लगता है और हम एक-दूसरे को पसंद करते हैं, तो इसे छिपाने की क्या जरूरत है। तमन्ना भाटिया ने सबके सामने विजय को अपना हैप्पी प्लेस बताया। उनके मुताबिक विजय ने उन्हें कभी एटिट्यूड के साथ अप्रोच नहीं किया बल्कि बहुत प्यार से उनसे जुड़े।

कियारा आडवाणी ने छोड़ी यह फिल्म! नई एक्ट्रेस खोजने निकले मेकर्स

कियारा आडवाणी की जिंदगी इस समय खुशियों से भरी हुई है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर मीडिया और फैंस के साथ साझा की। वह इन दिनों फिल्मों 'टॉक्सिक' और 'वॉर 2' की शूटिंग भी कर रही हैं। लेकिन कियारा एक बड़ी फ्रैंचाइजी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। वह इस फिल्म से खुद को अलग कर चुकी हैं।

फिल्म 'डॉन 3' से कियारा आडवाणी ने खुद को अलग कर लिया है। इस फिल्म को फरहान अख्तर बना रहे हैं। फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में होंगे। इंडस्ट्री से जुड़े सोर्स का कहना है कि कियारा आडवाणी अपनी प्रेग्नेंसी पर फोकस करना चाहती हैं। पति और एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा भी इन दिनों कियारा का काफी ध्यान रख रहे हैं।

मेकर्स को अब नई हीरोइन की तलाश

कियारा आडवाणी ने फिल्म 'डॉन 3' को छोड़ दिया है तो इसके मेकर्स अब नई हीरोइन की तलाश में लग चुके हैं। कियारा की जगह किस हीरोइन को फिल्म में रणवीर सिंह के अपोजिट लिया जाएगा, यह कुछ दिनों में पता चल जाएगा। इस फिल्म में विक्रांत मैसी भी एक अहम रोल निभा रहे हैं। डॉन सीरीज की मूवीज रहीं हिट 'डॉन' सीरीज की फिल्में दर्शकों को काफी पसंद हैं। डॉन सीरीज की फिल्मों की बात की जाए तो पहले दो हिस्सों में शाहरुख खान ने डॉन का रोल निभाया था। अब 'डॉन 3' में रणवीर सिंह डॉन के किरदार में नजर आएंगे। वैसे रणवीर सिंह इस वजह से सोशल मीडिया पर ट्रोल भी हुए थे कि वे शाहरुख की तरह डॉन के किरदार को शायद ही निभा पाएं।

नयनतारा की नई फिल्म मुकुथी अम्मान 2 घोषित, पैन इंडिया तौर पर होगा प्रदर्शन

मशहूर निर्देशक सुंदर सी अपनी नई पैन-इंडिया फिल्म 'महाशक्ति' (तमिल में 'मुकुथी अम्मान 2') के साथ एक भव्य सिनेमाई अनुभव देने जा रहे हैं। ये फिल्म न सिर्फ क्षेत्रीय सिनेमा की सीमाओं को तोड़ेगी, बल्कि भारत और दुनिया भर के दर्शकों को एक नई कहानी से जोड़ने का काम करेगी। इसमें साउथ इंडियन एक्ट्रेस नयनतारा लीड रोल प्ले करेंगी। सुंदर सी ने इस मूवी के बारे में बात करते हुए कहा-महाशक्ति पहले से बड़े एक्शन, गहरी कहानी और शानदार विजुअल्स के साथ नए स्तर पर जाएगी। ये हर दर्शक के दिल को छूने वाली फिल्म होगी। हालांकि तमिल में इस फिल्म का नाम मुकुथी अम्मान 2 रखा गया है, लेकिन ये इसका सीक्वल नहीं है। 'महाशक्ति' एक नई फिल्म फ्रेंचाइजी की शुरुआत करेगी, जो भारतीय सिनेमा के स्तर को ऊंचा उठाने वाली साबित होगी। फिल्म को 100 करोड़ के बड़े बजट के साथ बनाया जा रहा है, जिससे यह एक भव्य सिनेमा अनुभव बनने वाली है। इस फिल्म में दुनिया विजय मुख्य विलेन के रूप में नजर आएंगे, जो अच्छाई और बुराई के बीच एक जबरदस्त टकराव को दर्शाने वाला होगा।

फिल्म में नयनतारा एक दिव्य शक्ति और रक्षक की भूमिका निभाएंगी। इसके लिए उन्होंने 1 महीने का उपवास भी रखा है। उनके अलावा फिल्म में रेजिना कैसेंड्रा, योगी बाबू, वरिष्ठ अभिनेत्री उर्वशी, गरुड़ा राम और अजय घोष भी अहम भूमिकाओं में हैं।

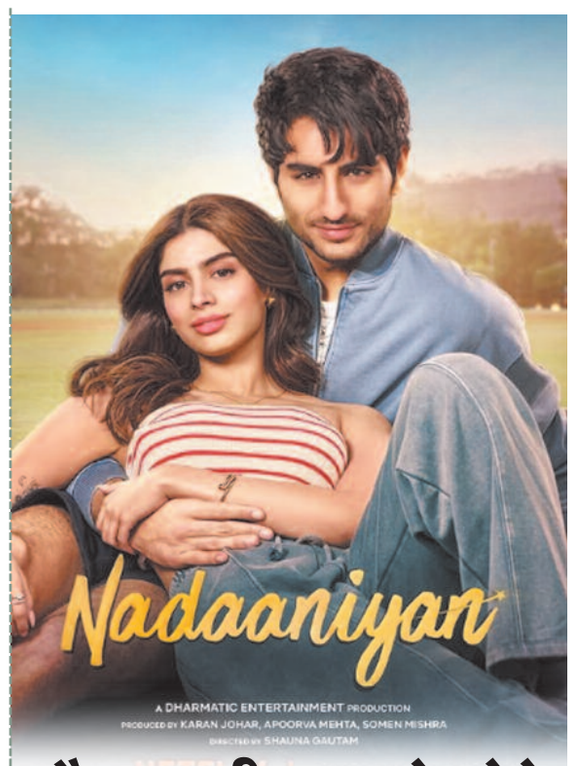

सैफ अली खान के बेटे की ओटीटी डेब्यू फिल्म 'नादानियां' हुई रिलीज

हिंदी फिल्मों की दुनिया में एक और स्टार किड की एंट्री हो चुकी है। सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान, श्रीदेवी की बेटी के साथ फिल्म 'नादानियां' में नजर आ रहे हैं। इब्राहिम और खुशी की इस फिल्म के बारे में जानिए, कुछ खास बातें।

ओटीटी पर हुआ इब्राहिम का डेब्यू

पिछले कुछ समय से स्टार किड्स ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए एक्टिंग में डेब्यू कर रहे हैं। शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान के बाद अब सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म 'नादानियां' में वह खुशी कपूर के अपोजिट हैं। खुशी पहले ही एक ओटीटी फिल्म 'आर्चीज' में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में उनकी थिएटर रिलीज फिल्म 'लवयापा' भी रिलीज हुई। लेकिन इब्राहिम के लिए यह पहला मौका है, अपने एक्टिंग टैलेंट को दिखाने का। उनकी यह फिल्म यंग ऑडियंस को पसंद आती है या नहीं, यह तो वक्त ही बताएगा।

'कुछ कुछ होता है' की पॉपुलैरिटी का इस्तेमाल

फिल्म 'नादानियां' के टीचर में फिल्म 'कुछ कुछ होता है' के एक पॉपुलर डायलॉग, सीन को नए जमाने के हिसाब से इस्तेमाल किया गया। शाहरुख खान ने अपनी फिल्म में 'प्यार दोस्ती है' जैसा हिट डायलॉग बोला था। इसी डायलॉग को इब्राहिम अली खान ने फिल्म 'नादानियां' में अलग ढंग से कहा- 'प्यार एक अरेंजमेंट है, दो दिलों के बीच।' लेकिन यह डायलॉग दर्शकों को पसंद नहीं आया। उन्हें लगा कि शाहरुख का चार्म पर्दे पर दिखाना किसी के बस की बात नहीं है। इस बारे में कई सोशल मीडिया यूजर्स रिएक्ट कर चुके हैं।

रेंटल बॉयफ्रेंड के कॉन्सेप्ट पर बनी कई फिल्में

फिल्म 'नादानियां' की कहानी में रेंटल बॉयफ्रेंड का कॉन्सेप्ट है। यही फिल्म को हटकर बनाता है। लेकिन यह कोई नया आइडिया नहीं है। कई कोरियन ड्रामा फिल्म, टीवी शो में रेंटल बॉयफ्रेंड वाली कहानियां दिखाई जा चुकी हैं। बस 'नादानियां' में रेंटल बॉयफ्रेंड के आइडिया में बॉलीवुड मसाला शामिल किया गया है। रोमांस, ड्रामा दर्शकों के लिए भरपूर मात्रा में है।

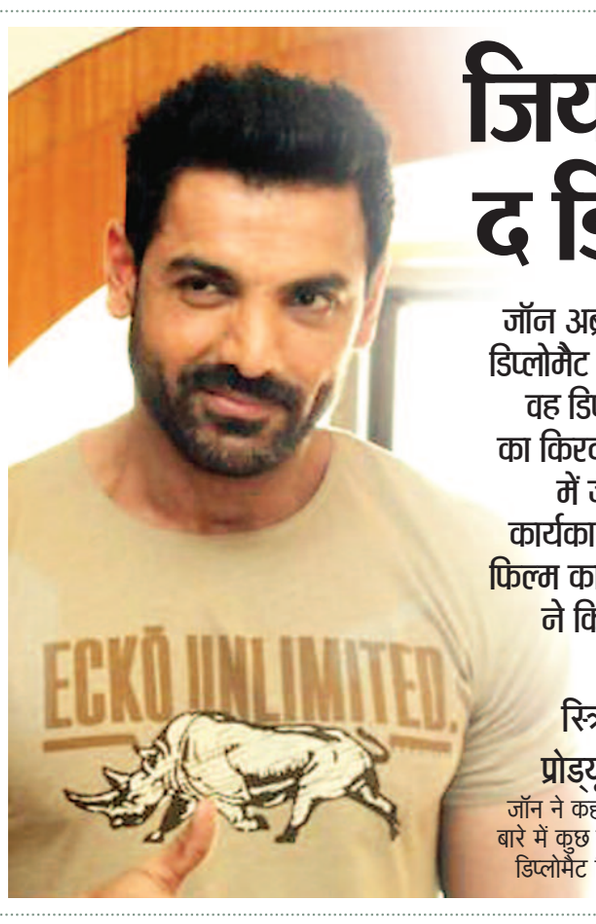

जियो पॉलिटिक्स में रुचि के कारण द डिप्लोमैट से जुड़े थे जॉन अब्राहम

जॉन अब्राहम जल्द ही फिल्म द डिप्लोमैट में नजर आएंगे। इसमें वह डिप्लोमैट जितेंद्र पाल सिंह का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में जेपी सिंह के पाकिस्तान कार्यकाल को दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन शिवम नायर ने किया है। यह 14 मार्च को रिलीज होगी।

स्क्रिप्ट पढ़ते ही मैंने सीधे प्रोड्यूसर को कॉल किया...

जॉन ने कहा कि मुझे फिल्म की कहानी के बारे में कुछ नहीं पता था। जब स्क्रिप्ट पर द डिप्लोमैट लिखा देखा तो फौरन इसे करने का मन बना लिया। मैं जियो-पॉलिटिक्स में भी रुचि रखता हूं। स्क्रिप्ट पढ़कर इतना एक्साइटेड था कि सीधे प्रोड्यूसर को कॉल किया था।

मैं और जेपी सिंह दोनों ही आगे की सोच रखते हैं...

जॉन ने आगे कहा कि... मैं और जेपी सिंह दोनों ही आगे की सोच रखते हैं। उन्हें शतरंज खेलना पसंद है। डिप्लोमैट हर चीज को स्टडी करते हैं। किरदार में ढलने के लिए मैंने तीन हफ्ते का वर्कशॉप किया। लुक टेस्ट भी किया ताकि जेपी सिंह की तरह दिखें।

जेपी सिंह की बॉडी लैंग्वेज को स्टडी किया

जॉन ने बताया कि मैंने जेपी सिंह की बॉडी लैंग्वेज को स्टडी किया। उनके खड़े होने के अंदाज पर भी काम किया। असल जिंदगी में मेरी बॉडी लैंग्वेज अलग है लेकिन फिल्म में किरदार के प्रति ईमानदार रहना जरूरी था। मेरी इमेज एक्शन हीरो की रही है लेकिन मद्रास कैफे, बाटला हाउस, परमाणु और अब द डिप्लोमैट जैसी फिल्मों को भी दर्शक पसंद करेंगे। मुझे लगता है कि यह ऑडियंस को सरप्राइज करेगी।

सच्ची घटना पर है फिल्म

निर्देशक शिवम नायर ने भी कहा कि फिल्म सच्ची घटना पर है। मैंने और लेखक रितेश शाह ने जेपी सिंह से कई बार मुलाकात की थी। इसकी स्क्रिप्ट शार्प और एडिक्टिव बनाई गई है। फिर जब जॉन को स्क्रिप्ट दी गई तो उन्होंने पढ़ते ही इसे करने के लिए हां कह दिया था।

अभिनेत्री मलाइका ने रील के बहाने किसे दिया क्रिप्टिक संदेश?

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के रिश्तों को लेकर काफी चर्चाएं होती रहती हैं। अब एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा का अर्जुन कपूर से ब्रेकअप हो चुका है। हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि वह सबके द्वारा पसंद की जाएं इसलिए यहां नहीं हैं, बल्कि वह अपनी एक खास जगह बनाने के लिए यहां हैं। वीडियो में वह एक ब्लैक ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने इस पोस्ट के जरिए कुछ क्रिप्टिक संदेश दिया हैं, नेटिजंस इस पोस्ट को लेकर कई तरह के कयास लगा रहे हैं।